3 | राजधानी
रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान आरंभ

6 | अभिमत
कनाडा में भारतीयों पर संकट

11 | विदेश
हैरिस को वोट देने से हिचक रहे भारतीय अमेरिकी

12 | स्पोर्ट्स
बांग्लादेश 106 रन पर सिमटा

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 340
नई दिल्ली, मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

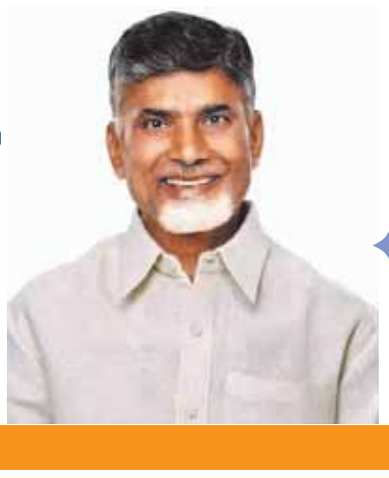

नायडू ने अधिक बच्चे पैदा करने का आह्वान किया

राष्ट्रीय - 10

एलएसी पर शांति की दिशा में कदम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

पिछले चार वर्षों से दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों में सुधार का संकेत देते हुए विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को घोषणा की कि भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं। मिस्री ने कहा कि इससे दोनों पक्षों के सैनिकों की अंतत: वापसी होगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बाद में कहा, '...हम कह सकते हैं कि चीन के साथ वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है...हम 2020 में जो गश्त कर रहे थे, वह कर पाएंगे। मुझे लगता है कि यह एक अच्छी प्रगति है....।'

यह महत्वपूर्ण प्रगति रूस के कज़ान में ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले हुई है। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन मंगलवार से शुरू हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं, हालांकि अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ताजा घटनाक्रम के बारे में मिसरी ने कहा कि दोनों देशों के अधिकारियों के बीच हाल ही में हुई बातचीत के बाद दोनों देश एलएसी पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा, पिछले कई हफ्तों से भारतीय और चीनी राजनयिक और सैन्य वार्ताकार विभिन्न मंचों पर एक-दूसरे के साथ निकट संपर्क में हैं। इन चर्चाओं के परिणामस्वरूप भारत चीन सीमा क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति बन गई है, जिससे 2020 में इन क्षेत्रों में उत्पन्न हुए मुद्दों का समाधान हो गया है। हम इस पर अगला कदम उठाएंगे।'

विदेश सचिव ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों से भारतीय और चीनी वार्ताकार शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए संपर्क में हैं। समझा जाता है कि यह समझौता देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में गश्त से संबंधित है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि यह समझौता गतिरोध से पहले मौजूद गश्त के अधिकारों की बहाली की सुविधा प्रदान करता है या नहीं। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर तनाव बढ़ गया था जब चीन ने सीमा पर यथास्थिति को बदलने की एकतरफा कोशिश की थी। इसके कारण उस साल 15 जून को गलवान में दोनों सेनाओं के सैनिकों के बीच बड़ी झड़प हुई थी। इस झड़प में कमांडिंग ऑफिसर सहित 20 भारतीय सैन्यकर्मी मारे गए थे, जबकि 40 से अधिक चीनी सैनिक भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों पक्षों ने एलएसी के अपने-अपने क्षेत्रों में सैनिकों और हथियारों को इकट्ठा किया। वास्तव में, भारत कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहता था, इसलिए उसने एलएसी पर सर्दियों के महीनों में भी अपने सैनिकों को तैनात किया। पहले, सैनिक सर्दियों के दौरान अपने ठिकानों पर वापस चले जाते थे। एक समय ऐसा था जब दोनों पक्षों के 50,000 से अधिक सैनिक एलएसी पर टकराव वाले बिंदुओं पर आमने-सामने थे। स्थिति को देखते हुए, भारत और चीन ने 2020 से सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर कई दौर की बातचीत की है। दोनों पक्षों के कोर कमांडरों ने जहां सैन्य स्तर की वार्ता की, वहीं कूटनीतिक स्तर की वार्ता भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्युएमसीसी) के तत्वावधान में हुई। भारत का कहना है कि जब तक सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति नहीं होगी, तब तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। गतिरोध शुरू होने के बाद से सभी वार्ताओं में भारत पीपुल्स (शेष पृष्ठ 9)

नई दिल्ली के रोहिणी इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के पास रविवार को हुए बम धमाके बाद घटनास्थल की जांच करती एनआईए और दिल्ली पुलिस के अधिकारी। फोटोः रंजन डिमरी

दिल्ली बम धमाकों की कई कोणों से की जा रही जांच

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

खालिस्तानी लिंक, सफेद टी-शर्ट में एक संदिग्ध व्यक्ति और एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी)- ये वे कोण हैं जिन पर बहु-एजेंसी जांच केंद्रित है। एक दिन पहले ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) पब्लिक स्कूल के पास हुए बम विस्फोट ने राष्ट्रीय राजधानी में सनसनी फैला दी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, संदेह है कि एक प्लास्टिक बैग में लिपटा एक आईईडी सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के पास एक फुट गहरे गड्ढे में छिपाकर रखा गया था। सीआरपीएफ की एक टीम ने सोमवार सुबह घटनास्थल का दौरा किया, जबकि आईईडी प्रबंधन संस्थान के अधिकारियों ने जमीनी आकलन किया। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) दिल्ली पुलिस को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने की तैयारी कर रहा है। सीआरपीएफ, जमीनी आकलन में अपनी विशेषज्ञता और आईईडी प्रबंधन संस्थान की भागीदारी के साथ, विस्फोट के तंत्र और उत्पत्ति को समझने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। बदले में दिल्ली पुलिस से गृह मंत्रालय (एमएचए) को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है। इसके अलावा, एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) और दिल्ली पुलिस की फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) जांच में सहायता कर रही है। इस बीच, दुकानें बंद रहीं और प्रशांत विहार इलाके (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली की हवा बहुत खराब, ग्रैप-2 लागू

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। तापमान में गिरावट नहीं हो रही है और दिन में तेज धूप के कारण गर्मी का अहसास बना हुआ है। प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। दिल्ली के 29 इलाके रेड जोन में हैं और शादीपुर में स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। यहां सोमवार रात आठ बजे एक्यूआई 366 दर्ज किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले तीन दिनों तक दिल्ली की हवा बहुत खराब श्रेणी में रहेगी। इस बीच दिल्ली में ग्रैप-2 की पाबंदियां लागू कर दी हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से ज्यादा होने पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने आदेश जारी किया। मंगलवार सुबह 8 बजे से ग्रैप-2 लागू होगा। इस आदेश के लागू होते ही दिल्ली-एनसीआर में डीजल जनरेटर पर रोक लगेगी। सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली सोमवार को औसत दैनिक एक्यूआई 315 दर्ज किया गया, जो कि 'बहुत खराब' श्रेणी है। फरीदाबाद में 162, गुरुग्राम 206, गाजियाबाद 256, नोएडा 269 ग्रेटर नोएडा में वायु गुणवत्ता सूचकांक 216 दर्ज किया गया।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अनुसार, ग्रैप- 2 के तहत 12 तरह की कार्रवाई की बात की गई है। इसके लागू होने के बाद डीजल जनरेटर चलने पर लगेगी रोक। प्राइवेट गाड़ियों के इस्तेमाल को कम करने के लिए पार्किंग फीस को बढ़ाया जाएगा। सीएनजी-इलेक्ट्रिक बसों और मेट्रो के फेरों को बढ़ाया जाएगा। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन अपने सुरक्षा गार्ड को हीटर देंगे ताकि वे गर्माहट के लिए कचरा, लकड़ी या कोयला न जलाएं। नैचुरल गैस, बायो गैस, एलपीजी से चलने वाले जेनरेटर चल सकेंगे। 800 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले जेनरेटर तभी चल सकेंगे जब वह रेट्रोफिटिंग करवाएंगे। इसके अलावा रोजाना सड़कों की सफाई की जाएगी। इसके लिए वैक्यूम मशीन का इस्तेमाल किया जाएगा। सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जाएगा। जहां एक्यूआई ज्यादा है वहां इस चीज का खास ध्यान रखा जाएगा। निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। यह देखा जाएगा कि वहां धूल नियंत्रण के उपाय अपनाए जा रहे हैं या नहीं। कमी पाने पर सख्त ऐक्शन की जाएगी। होटल, रेस्टोरेंट, आदि में तंदूर का इस्तेमाल भी नहीं किया जा सकेगा। होटल और रेस्टोरेंट को केवल बिजली और गैस आधारित उपकरण इस्तेमाल करने की इजाजत होगी। बिजली काटने की मनाही रहेगी। ताकि लोग जेनरेटर का इस्तेमाल न करें। डीजल जनरेटर के इस्तेमाल पर बैन रहेगा। हालांकि यह नियम आपातकालीन और आवश्यक सेवाएं की स्थिति में लागू नहीं होगा। यातायात प्रभावित न हो और जाम की स्थिति न बने इसके लिए पर्याप्त संख्या में यातायात कर्मियों की तैनाती की जाएगी। अखबार, टीवी और रेडियो पर बढ़ते प्रदूषण के बारे में लोगों को बताया जाएगा। उन्हें एक्यूआई के बारे में जानकारी दी जाएगी और किन नियमों का पालन करना है यह भी बताया जाएगा।

इस बीच राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने पूर्वी दिल्ली की हवा में भारी धातु प्रदूषण से संबंधित मामले में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और अन्य प्राधिकारियों से जवाब मांगा है। एनजीटी मीडिया रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा था, जिसमें आईआईटी-दिल्ली द्वारा किए गए एक अध्ययन के हवाले से बताया गया है कि पूर्वी दिल्ली की हवा में सीसा, कैडमियम और निकल जैसी भारी धातुओं के खतरनाक स्तर का पता चला है, जो श्वसन और (शेष पृष्ठ 9)

इन इलाकों का एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में

शादीपुर 366, पंजाबी बाग 359, आनंद विहार 356, वजीरपुर 354, बुराड़ी क्रॉसिंग 346, बवाना 348, अशोक विहार 345, आरकेपुरम 345, रोहिणी 345, सोनिया विहार 344, जहांगीरपुरी 344, मुंडका 342, नेहरू नगर 335, विवेक विहार 333, द्वारका सेक्टर-8 325, मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम 325, आया नगर 323, नरेला 321, नॉर्थ कैंपस, दिल्ली यूनिवर्सिटी 321, मंदिर मार्ग 317, ओखला फेज-2 317, पटपड़गंज 316, सिरीफोर्ट 311, अलीपुर 311, नजफगढ़ 310, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज 306, अरबिंदो मार्ग 305, पूसा 305, आईटीओ 301।

फर्जी बम की धमकी देने वालों की कसेगी नकेल

राजेश कुमार। नई दिल्ली

पिछले एक सप्ताह में कई भारतीय एयरलाइनों को बम की धमकी के लगातार संदेश मिलने के बाद, जिसके कारण उड़ानें डायवर्ट, रद्द और यात्रियों को असुविधा हुई, केंद्र सरकार भारतीय एयरलाइनों को दी जाने वाली फर्जी कॉल धमकियों को संज्ञेय अपराध बनाने की योजना बना रही है। सरकार फर्जी कॉल करने वालों को 'नो फ्लाई लिस्ट' में डालने की भी योजना बना रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए इसकी घोषणा की। वर्तमान में, यह सख्त कानून उन लोगों के खिलाफ लागू किया जाता है जो फर्जी कॉल करते हैं और विमान की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं, जब वह जमीन पर नहीं बल्कि हवा में होता है। इस बीच, दो शीर्ष विमानन सुरक्षा अधिकारियों ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से मुलाकात की और भारतीय एयरलाइनों को बम की धमकी की लगातार घटनाओं पर चर्चा की, जिसके कारण उड़ानें डायवर्ट, रद्द और यात्रियों को असुविधा हुई।

नायडू ने कहा कि विमानन सुरक्षा नियमों के साथ-साथ नागरिक विमानन सुरक्षा के विरुद्ध गैरकानूनी कृत्यों के दमन अधिनियम, 1982 में संशोधन की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा, ... मंत्रालय की ओर से हमने कुछ विधायी कार्रवाई के बारे में सोचा है, यदि इसकी आवश्यकता है। हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि दो क्षेत्र हैं, जिन पर हम विचार कर सकते हैं - 1) विमान सुरक्षा नियमों में संशोधन... इन नियमों में बदलाव करके हम जो विचार प्रचारित करना चाहते हैं, उनमें से एक यह है कि एक बार जब हम इसके पीछे के अपराधी को पकड़ लेते हैं, तो हम उन्हें नो-फ्लाइंग सूची में डालना चाहते हैं... 2) नागरिक विमानन सुरक्षा के विरुद्ध गैरकानूनी कृत्यों के दमन अधिनियम...।' जबकि यह (एसयूएससीए) विमान के यात्रा करते समय, उड़ान भरते समय होने वाले अपराधों का ध्यान रखता है, अगर हम इस तरह के खतरों से निपटना चाहते हैं, जो हो रहे हैं। हम उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना चाहते हैं, जो इसके पीछे हैं, जब कोई नकली या झूठी धमकी देने की कोशिश कर रहे हैं, तो हमें जमीन पर और हवाई अड्डे पर भी इस कृत्य को कवर करना होगा। इसलिए हम संशोधन करने की कोशिश कर रहे हैं। नायडू ने एयरलाइनों को भेजे गए फर्जी कॉल संदेशों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, 'हमारी कानूनी टीम ने इस पर बहुत गहनता से काम किया है और हम इसमें संशोधन लाने जा रहे हैं।'

उन्होंने कहा, हम इसे संज्ञेय अपराध बनाना चाहते हैं। भले ही ये फर्जी धमकियाँ हों, लेकिन हम इसे हल्के में नहीं ले सकते.. हमारे पास एक तय प्रोटोकॉल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विमानन मंत्रालय गृह मंत्रालय जैसे अन्य मंत्रालयों के साथ परामर्श कर रहा है। हम खुफिया, आईबी और अन्य सभी महत्वपूर्ण लोगों का उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं, जो इसमें शामिल हैं, खासकर गृह मंत्रालय और सभी, सभी एक साथ सहयोग कर रहे हैं। हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं और हम यह सुनिश्चित (शेष पृष्ठ 9)

पर्याप्त प्रदूषण है, पटाखा बेचने की अनुमति नहीं दे सकते: कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी में पहले से ही 'पर्याप्त' प्रदूषण होने पर पटाखों की बिक्री की अनुमति नहीं दे सकता। अदालत की यह मौखिक टिप्पणी दिल्ली फायरवर्क्स शॉपकीपर्स एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए आई, जो व्यापारियों का एक समूह है, जिसके पास पटाखे रखने और बेचने का 'स्थायी' लाइसेंस है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि व्यापारियों की शिकायत पटाखों के भंडारण पर प्रतिबंध के संबंध में है, क्योंकि इससे कथित तौर पर उत्पीड़न हो रहा है।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा कि वह अधिकारियों से पटाखों के भंडारण के लिए इस्तेमाल किए जा रहे व्यापारियों के परिसर को सील करने के लिए कहेगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई चोरी न हो। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने कहा, राज्य को सीलिंग प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए, ताकि कोई चोरी न हो। न्यायाधीश ने मौखिक रूप से कहा, हम आपको बेचने की अनुमति नहीं देंगे। इस शहर में पर्याप्त प्रदूषण है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि भले ही उसके सदस्यों द्वारा कोई पटाखा नहीं बेचा जा रहा था, लेकिन प्रतिबंध के आदेश के तुरंत बाद, पुलिस ने स्थायी लाइसेंसधारियों से पूछताछ करना शुरू कर दिया कि वे पटाखे क्यों संग्रहीत कर रहे थे। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता द्वारा उद्धृत मामलों में से एक में, किसी व्यक्ति पर पटाखे बेचने का आरोप था और कहा कि जो कोई भी कानून का उल्लंघन करता है, उसके खिलाफ केस चलाया जाएगा। (शेष पृष्ठ 9)

देश भर में लगाए जा रहे 10 परमाणु रिएक्टर

पीएनएस। नई दिल्ली

देश में कम से कम 10 परमाणु रिएक्टर लगाए जा रहे हैं, जबकि गुजरात के काकरापार में दो रिएक्टरों ने व्यावसायिक रूप से बिजली पैदा करना शुरू कर दिया है, सोमवार को विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर संसद की स्थायी समिति को सूचित किया गया। सूत्रों के अनुसार, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा जैसे राज्यों में आने वाले नए परमाणु रिएक्टर 700 मेगावाट क्षमता के हैं और अगले कुछ वर्षों में काम करना शुरू कर देंगे। यहां एक बैठक के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन पर संसद की स्थायी समिति के सदस्यों को नए परमाणु रिएक्टरों का विवरण प्रदान किया गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश, जो समिति के सदस्य होने के साथ-साथ इसके पूर्व अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि बैठक के दौरान पैनल के सदस्यों को सूचित किया गया कि गुजरात में काकरापार-3 और काकरापार-4 परमाणु रिएक्टर पूरी तरह से ग्रिड के साथ सिंक्रनाइज़ हो गए हैं और व्यावसायिक रूप से बिजली पैदा कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि ये स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए 700 मेगावाट के रिएक्टर हैं, जिन्हें 2007 में मंजूरी दी गई थी। (शेष पृष्ठ 9)

उप्र में पुलिस की वर्दी भत्ते में 70% बढ़ोत्तरी

लखनऊ में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वर्दी भत्ते में 70 प्रतिशत की वृद्धि, बैरक में रहने वाले आरक्षियों के पुलिस अकोमोडेशन अलाउंस में 25 प्रतिशत की वृद्धि और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेलकूद में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आहार समेत अन्य मदों के लिए अगले वित्तीय वर्ष के बजट में 10 करोड़ रुपये बढ़ाने की घोषणा की। इन घोषणाओं पर प्रदेश सरकार 115 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेगी। सीएम योगी ने बहु मंजिल आवास और प्रशासनिक भवन के रखरखाव के लिए 1,380 करोड़ रुपए के कॉरपस फंड की घोषणा की। वहीं अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पुलिस बल पर आने वाले खर्च पर प्रस्तावित शुल्क लगाने की स्वीकृति की, जो पुलिस महानिदेशक के अधीन रहेगा। साथ ही इसका सम्मान प्रस्तावित कॉरपस नियमावली के तहत किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिवगंत शहीद पुलिस कर्मियों को याद किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ कर जनमानस में सुरक्षा की भावना बलवती करना एवं अपराधियों में कानून का भय पैदा करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्तव्यों का पालन करते हुए शहीद पुलिस कर्मी, केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों तथा (शेष पृष्ठ 9)

वाहनों का धुआं आपके फेफड़ों को बना रहा बीमार, लगाएं मास्क

राजेश कुमार। नई दिल्ली

● शाम के समय वाहनों से निकलता है 18 प्रतिशत पीएम 2.5

राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण में वाहनों की भीड़ का सबसे बड़ा योगदान है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के डिसिजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के अनुसार परिवहन से होने वाले उत्सर्जन ने सोमवार को लगभग 11.2 प्रतिशत वायु प्रदूषण में योगदान दिया। आईआईटी कानपुर के एक अध्ययन के अनुसार, शाम के समय यातायात की चरम अवधि के दौरान स्थानीय ऑन-रोड परिवहन क्षेत्र का दैनिक औसत पीएम 2.5 में योगदान सबसे अधिक (18 फीसदी) होता है। इसमें दोपहिया और तिपहिया वाहनों (50 फीसदी) का योगदान सबसे अधिक है, उसके बाद भारी वाहनों (30 फीसदी) का योगदान है, जो दिन के किसी भी समय कुल ऑन-रोड परिवहन क्षेत्र का सामूहिक रूप से 60-70 फीसदी प्रतिनिधित्व करते हैं।

वाहनों की खराबी और दिल्ली मेट्रो, दिल्ली जल बोर्ड और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) जैसी एजेंसियों द्वारा चल रहे निर्माण कार्यों ने भीड़भाड़ की समस्या को और बढ़ा दिया, जिससे सुबह के समय रोजाना ऑफिस जाने वालों को असुविधा हुई और वायु प्रदूषण बिगड़ गया। महरौली-बदरपुर रोड, महरौली-गुरुग्राम रोड, नेताजी सुभाष मार्ग, वजीराबाद रोड, राजा गार्डन रोड, कश्मीरी गेट आईएसबीटी, सदर बाजार, चिराग दिल्ली, सरोजिनी नगर, चांदनी चौक, लाजपत नगर, कमला नगर सहित प्रमुख बाजारों के आसपास की सड़कें उन इलाकों में शामिल थीं, जहां सोमवार को भारी ट्रैफिक रहा।

गुरुग्राम में सोमवार की शाम स्मॉग की चादर के बीच गंतव्य की ओर जाते वाहन।

ये हिस्से सबसे व्यस्त सड़कें हैं, जिन्हें सप्ताह के दौरान भारी ट्रैफिक प्रवाह के लिए जाना जाता है। लाखों लोग रोजाना दिल्ली से गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद आते-जाते हैं। डीएसएस-आईआईटीएम के आंकड़ों के अनुसार, पड़ोसी नोएडा लगातार दिल्ली के प्रदूषण में 10 से 11 प्रतिशत का योगदान दे रहा है, जबकि गाजियाबाद का हिस्सा 5 से 10 प्रतिशत के बीच है। दिल्ली से लगभग 110 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश का एक जिला बुलंदशहर, उल्लेखनीय रूप से छह से नौ प्रतिशत की वृद्धि करता है।

इस बीच, हरियाणा में गुरुग्राम और फरीदाबाद क्रमश: 1.5 से 3 प्रतिशत और 3 से 5 प्रतिशत के बीच योगदान करते हैं। डीएसएस, जो राष्ट्रीय राजधानी के लिए प्रदूषण के स्रोतों की पहचान और पूर्वानुमान करता है, के पास अब एक अद्यतन सूची है जो इसके पूर्वानुमान की दक्षता में सुधार करने में मदद करेगी। 31 मार्च, 2023 तक, दिल्ली में 79.5 लाख वाहन थे, जिनमें 20.7 लाख निजी कारें शामिल थीं। सांख्यिकी पुस्तिका 2023 के अनुसार, दिल्ली में 20,71,115 पंजीकृत कारें और जीपें हैं; 52,94,900 मोटरसाइकिल और स्कूटर; 93,654 ऑटो-रिक्शा; और 1,18,506 ई-रिक्शा हैं जो अंतिम मील कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। डेटा यह भी दर्शाता है कि टैक्सियों की संख्या 2021-22 में 85,079 से घटकर 2022-23 में 83,278 हो गई। दिल्ली सरकार द्वारा 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने के कारण दिल्ली में वाहनों की संख्या में कमी आई है। पिछले तीन दशकों में दिल्ली में वाहनों की संख्या में लगभग 21 गुना वृद्धि हुई है, जबकि सड़कों की लंबाई केवल दोगुनी हुई है।

नमो भारत ट्रेन के एक साल पूरे, मनाया जश्न

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने यात्रा कर आरआरटीएस के सफल संचालन पर महिला ट्रेन ऑपरेटरों का बढ़ाया मनोबल

● नमो भारत ट्रेनों में एक साल में 40 लाख से अधिक यात्रियों ने की यात्रा, दिल्ली से मेरठ की यात्रा एक घंटे से भी कम समय में होगी पूरी

नमो ट्रेन में यात्रा करने के दौरान लोगों से बात करते केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल।

पीएनएस। गाजियाबाद/नई दिल्ली

नमो भारत ट्रेन संचालन की पहली वर्षगांठ पर सोमवार को आवासन और शहरी कार्य व ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नमो भारत ट्रेन में यात्रा की और दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के प्रमुख स्टेशनों का दौरा किया। मंत्री ने साहिबाबाद स्टेशन से नमो भारत ट्रेन में यात्रा की। इस दौरान उन्होंने महिला ट्रेन ऑपरेटरों से बातचीत की और भारत के पहले आरआरटीएस कॉरिडोर के संचालन में उनके योगदान की सराहना की। साथ ही उन्होंने दैनिक यात्रियों से भी बातचीत की और नमो भारत सेवा के बारे में उनका फीडबैक लिया।

केंद्रीय मंत्री ने यात्रियों से मिले सकारात्मक प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया, जिन्होंने नमो भारत ट्रेनों में मिलने वाली सुविधाएं, इसकी गति, और मिलने वाले आराम की सराहना की। कई यात्रियों ने बताया कि इस नए परिवहन साधन ने उनके दैनिक आवागमन को काफी बेहतर बनाया है, और यह पारंपरिक परिवहन के मुकाबले एक परेशानी-मुक्त और विश्वसनीय विकल्प है।

नमो भारत परिचालन के एक वर्ष होने के अवसर पर एनसीआरटीसी ने सुबह स्कूली छात्रों की विशेष यात्रा का आयोजन किया, जिसमे स्कूल के बच्चों ने चॉकलेट के साथ तेज़ और आनंददायक सवारी का आनंद लिया। यात्रियों का स्वागत उत्सव के माहौल में ढोल की थाप, चॉकलेट और स्मृति चिन्ह के साथ किया गया। स्टेशनों को नमो भारत दिवस के लिए सजा था।

मनोहर लाल ने अपने दौरे की शुरुआत आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन से की, जहाँ उनका स्वागत एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक, शलभ गोयल ने किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को स्टेशन के अनूठे डिज़ाइन और समग्र आरआरटीएस नेटवर्क में इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन का डिज़ाइन ऐसा है जिससे आसानी से पहुंचा जा सकता है। विभिन्न परिवहन साधनों के साथ यह एक महत्वपूर्ण यात्री केंद्र के रूप में आकार ले रहा है। दो मेट्रो लाइनों, एक रेलवे स्टेशन, और दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश के कौशांबी में स्थित दो अंतर-राज्यीय बस टर्मिनलों के निकट होने के कारण, आनंद विहार सबसे व्यस्त ट्रांजिट हब बनेगा।

हाल ही में, नमो भारत ट्रेनों के बचे हुए भाग का ट्रायल रन शुरू किया गया है, जो दिल्ली के न्यू अशोक नगर व आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन को पहले से चालू साहिबाबाद स्टेशन से जोड़ेगा।

नमो ट्रेन में यात्रा के दौरान प्रसन्न मुद्रा में स्कूली बच्चे।

वहीं यात्रा के बाद मस्ती के मूड में बच्चे।

वर्तमान में 42 किलोमीटर सेवा का लाभ उठा रहे यात्री

वर्तमान में नमो भारत सेवा 42 किलोमीटर के खंड पर चल रही है, जिसमें साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ, और मेरठ साउथ सहित नौ स्टेशन शामिल हैं। साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर खंड को जोड़ने के साथ ही यह गलियारा जल्द 54 किलोमीटर तक विस्तारित हो जाएगा, जिसमें आनंद विहार और न्यू अशोक नगर जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं।

पीएम मोदी ने किया था प्राथमिक खंड का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नमो भारत सेवा का 20 अक्टूबर 2023 को साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर के प्राथमिक खंड का उद्घाटन किया था, जो भारत की पहली आरआरटीएस के ऐतिहासिक शुभारंभ का प्रतीक था। 6 मार्च 2024 को दुहाई से मोदीनगर नॉर्थ के बीच 17 किलोमीटर के एक और खंड का उद्घाटन किया गया। इसके बाद 18 अगस्त 2024 को मेरठ साउथ आरआरटीएस स्टेशन को भी संचालित किया गया।

नोएडा के 8 लाख लोगों को होगा सार्वजनिक परिवहन का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए काम शुरू हो गया है। नगर विकास विभाग और उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम 31 रूट पर 500 सिटी बस चलाएगी। जिसके लिए रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी) जारी कर तीनों प्राधिकरण से सुझाव मांगा गया है। इससे सिटी बस संचालन के लिए कंपनी का चयन करने में आसानी होगी। इस योजना से 8 लाख लोगों का सफर आसान होगा, जिसमें चार लाख लोग ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन में सिटी बस सेवा से फायदा होगा। बता दें ग्रेटर नोएडा 10 रूट से सभी आवासीय सेक्टर, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, नोएडा के मेट्रो स्टेशन व आसपास के कस्बे दादरी, सूरजपुर और दनकौर सिटी बस से जुड़ जाएंगे। पिछले दिनों सिटी बस संचालन के लिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेस प्राधिकरण क्षेत्र के 31 रूट पर नगर विकास विभाग की ओर से चयनित एजेंसी ने सर्वे का काम किया था। इन बसों को ख़ाका करने के लिए नोएडा ग्रेटरनोएडा दोनों ही प्राधिकरण इन्फ्रास्ट्रक्चर देंगे। फिलहाल आरएफपी दोनों प्राधिकरण अपने सुझाव शासन को देंगे। जिसके बाद संशोधन के बाद दोबारा से आरएफपी जारी की जाएगी। इसी में कंपनी का चयन किया जाएगा।

80 करोड़ की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री और दाखिल खारिज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के फेस तीन थाना क्षेत्र के तहत गढ़ी चौखंडी गांव में फर्जी तरीके से आठ बीघा जमीन की रजिस्ट्री तथा दाखिल खारिज किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस जमीन की बाजार के हिसाब से करीब 80 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

गढ़ी चौखंडी गांव के निवासी तथा सीएजी विभाग से सेवानिवृत राजपत्रित अधिकारी रतनपाल सिंह यादव ने नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में इस फर्जीवाड़ा का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि गढ़ी चौखंडी के खसरा संख्या 115 में उनके परिवार की दादा लाई जमीन है तथा सैकड़ों साल से उनका पुश्तैनी कब्जा है। कुछ भूमाफियाओं ने मेरे सगे भतीजे प्रमोद यादव व विनोद यादव पुत्र स्वर्गीय नानक चंद्र यादव की आठ बीघा जमीन के कूट रचित फर्जी अभिलेख तैयार करके 16 लोगों के नाम बैनामा कर दिया है।

गाजियाबाद में डीआरडीओ ऑफिसर से चेन लूटी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भारत सरकार के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अफसर से गाजियाबाद में बदमाशों ने सोने की चेन लूट ली। बदमाशों ने अफसर की पत्नी को धक्का दे दिया। जिससे वो सड़क पर गिरकर चोटिल हो गईं। भरे बाजार वारदात करके बदमाश आसानी से भाग निकले। पीड़ित अफसर ने बताया कि मुकदमा दर्ज कराने के लिए मुझे थाने और चौकी के कई चक्कर काटने पड़ हैं। राजनगर एक्सटेंशन में डॉक्टर गोविंद कुमार रहते हैं। वे डीआरडीओ में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं और ग्रुप-ए गजटेड ऑफिसर हैं।

डॉक्टर गोविंद ने बताया- शनिवार रात मैं पत्नी के साथ मार्केट में घूम रहा था। तभी एवीएस चौराहा और क्लासिक रेजिडेंसी के बीच बाइक सवार बदमाश आए। उन्होंने झपट्टा मारकर मेरे गले से सोने की चेन लूट ली। इस वजह से गर्दन में स्किन पर निशान बन गया। बदमाशों ने मेरी पत्नी को धक्का दिया। इससे वो सड़क पर गिरकर चोटिल हो गईं। इसके बाद बदमाश पलभर में भाग निकले। डॉक्टर गोविंद ने बताया कि वारदात के बाद राजनगर एक्सटेंशन पुलिस चौकी पर पहुंचा। उन्हें पूरा मामला बताया। वहां से दो कांस्टेबल मेरे साथ घटनास्थल पर भेज दिए गए। कांस्टेबलों ने मुझसे कहा कि आप कल सुबह आकर मिलिए और लिखित में कंप्लेंट कीजिए।

नोएडा में स्कूल के बाहर बैठे पेरेंट्स

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मैनेजमेंट ने आश्वासन के बाद भी प्रिंसिपल को नहीं हटाया जाने और सुरक्षा पुख्ता न होने पर सेक्टर-11 मॉडर्न स्कूल के बाहर पेरेंट्स धरने पर बैठ गए। पेरेंट्स स्कूल की प्रिंसिपल को हटाए जाने की मांग कर रहे हैं।

कुछ दिन पहले मॉडल स्कूल के जूनियर विंग में एक मासूम बच्ची के साथ बेड टच का मामला सामने आया था। जिसमें आरोपी समेत दो लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। तब मैनेजमेंट ने आश्वासन दिया था कि प्रिंसिपल को भी हटाया जाएगा। लेकिन 45 दिन बीत जाने बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर पेरेंट्स स्कूल के गेट पर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी कर रहे हैं। उनका कहना है कि मैनेजमेंट ने उन्हें आश्वासन दिया था कि स्कूल में बच्चों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे और प्रिंसिपल को भी हटाएंगे। लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर उन्हें विरोध करना पड़ रहा है।

लोनी में फल विक्रेता की गोली मारकर हत्या

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के लोनी इलाके में फल विक्रेता की रविवार देर रात दो भाइयों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के पीछे सिर्फ दो हजार के लेनदेन का विवाद सामने आया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के नाईपुरा की आर्यनगर कॉलोनी में 35 वर्षीय मुर्शरफ किराए के मकान में रहते थे। वो दिल्ली के सीलमपुर इलाके में फल बेचने का काम करते थे। रविवार रात कुछ युवकों ने मुर्शरफ से मारपीट शुरू कर दी।

पता चला कि उन लोगों ने मुर्शरफ को दो हजार रुपए उधार दे रखे थे। उसी को लेकर विवाद चल रहा था। हालांकि उस वक्त आसपास के लोगों ने बीच-बचाव करके मामला शांत करा दिया। बताया जा रहा है कि इसके बाद दो युवक बाइक पर आए और मुर्शरफ को गोली मारकर भाग निकले। उस वक्त मुर्शरफ घर के पास ही खड़े थे। सीने पर गोली लगते ही मुर्शरफ लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया- लोनी बॉर्डर क्षेत्र के नाईपुरा में पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि मुर्शरफ नामक व्यक्ति को गोली लगी है।

PUBLIC NOTICE

Re: Entire Basement Floor and Entire Ground *(i.e. the said floor(s))*, built-on Plot bearing No. C-207, area measuring 483 sq. yds., Block -C, situated in Sarvodaya Enclave, New Delhi, hereinafter referred to as "said property".

Notice is hereby given to the general public including Banks, Financial Institutions, etc. that, as informed by our clients, M/s Sunshiny Conserv Private Ltd., they are the sole and absolute owner of the said floors. They owned the said floors vide Sale Deed executed by Mrs. Kusum Vasudeva and registered as Document No. 6646, Book No. I, Volume No.4770, pages 21-45, on 11.07.2002 (SRO - V A Hauz Khas). Mrs. Kusum Vasudeva had purchased the said floors from Mrs. Shikha Goyal vide Sale Deed registered as Document No. 7850 on 23.05.2008 (SRO-V, New Delhi). Now, our clients intend to mortgage the said floors with IDFC FIRST Bank Limited for availing loan facility.

If any person, society, bank, financial institution or other institutions have any objection against the ownership of our clients on the said floors and subsequently rightful mortgage of the said floors in favour of IDFC FIRST Bank Limited by our clients, may raise his/her/their objection/s, in writing, by Registered AD post, to the undersigned, within 07 days, on address mentioned below. Otherwise after expiry of 07 days from the date of publication of this notice, the said floors shall be mortgaged by our clients in favour of IDFC FIRST Bank Ltd., and no objection shall be acceptable against such mortgage.

**SHIVKANT ARORA, ADVOCATE
FOR M/S INTELLECTIVE LAW OFFICES,
A-74, LOWER GROUND FLOOR,
DEFENCE COLONY, NEW DELHI-110024**

PUBLIC NOTICE

Reg: Built-up Property Bearing Plot No. 54-B, out of Khasra No. 38/8, land measuring area 25 sq. yds., *referred to as the* "Said portion" *out of Part of Plot No. 54, area measuring 100 sq. yds., situated at Village Hastsal, Delhi abadi Colony known as Vikas Enclave, Uttam Nagar, New Delhi-110059. (Hereinafter referred to as the "Said Property").*

Be it known to all that our clients, Mr. Virendra Kumar and Ms. Nibha Devi (hereinafter called the "Purchaser") intend to purchase the said portion from Mr. Bunty Gupta, General Attorney of Ms Ruby (hereinafter called the "Attorney-holder). In this connection, the Attorney-holder has informed the purchaser that he is the sole and absolute attorney of the said portion vide GPA dated 02.01.2018 executed by Ms. Ruby in his favour. The Attorney holder has further informed the purchaser that the said property was owned by Ms. Munni Devi vide POA documents viz., GPA, ATS, and Will dated 04/07/2003 executed by Mr. Sajjan Kumar in her favour. Ms. Munni Devi and her husband expired and the said property was owned by their legal heirs viz., Bablu Gupta, Sonu Gupta, Mukesh Gupta, Manish Gupta, Pawan Gupta, Mr. Bunty Gupta, Ms Pooja Gupta, and Ms. Jyoti Sharma. Later on, Bablu Gupta, Sonu Gupta, Mukesh Gupta, Manish Gupta, Pawan Gupta, Ms Pooja Gupta, and Ms. Jyoti Sharma executed a Notarized GPA dated 25/10/2017 in favour of Mr. Bunty Gupta in respect of their shares in the said property. Thus, he became the sole and absolute owner of the said property. Subsequently, Mr. Bunty Gupta transferred the said portion to Ms. Ruby vide POA documents viz., GPA, ATS and Will dated 02/01/2018 and finally Ms Ruby executed a GPA dated 02/01/2018 in favour of Mr. Bunty Gupta in respect of said portion of the said property. Thus, Mr. Bunty Gupta became the sole and absolute Attorney holder of Ms. Ruby. The Attorney-holder has further informed the purchaser that the said portion is not mortgaged anywhere and there is no charge or dispute or any litigation pending regarding the said portion.

Any person including Bank/s, Financial Institution/s. relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the said portion is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the Attorney-holder in respect of the said portion shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our clients/Purchaser, in any manner whatsoever.

**Shivkant Arora, Advocate
M/s Intellective Law Offices
A-74, LGF,Defence Colony,
New Delhi -110024**

PUBLIC NOTICE

Reg:-Built-up Flat No. A-3, on Upper Ground Floor Portion only without roof terrace rights, area measuring 50 sq.yds., *"said floor"*, built on Portion measuring 50 sq.yds. out of total measuring 270 sq.yds., *"said portion"*, part of Plot No. 1, measuring 1565 sq. yds., out of Khasra No. 18/2, situated in the area Village Kamal PurMajra, Burari, Gali No. 52, Chandan Vihar West Sant Nagar, Burari, Delhi - 110084 *(Hereinafter referred to as the "Said Property").*

Be it known to all that our clients, Mr. Shiv Kumar Kushwah & Mrs. Vimlesh Kushwah (hereinafter called the "Purchaser") intend to purchase the said floor from Mr. Davinder Singh (hereinafter called the "Attorney-holder"). In this connection, the Attorney-holder has informed the purchaser that he is the sole and absolute Attorney-holder in respect of the said floor vide POA documents viz., GPA, ATS and Will dated 18/05/2022 executed by Mr Ramji in his favour. Mr. Ramji purchased the said floor from Mr. Sunil Jha vide POA documents viz., GPA, ATS and Will date 01/06/2020. The Attorney holder has further informed the purchaser that the said floor is not mortgaged anywhere and there is no charge or dispute or any litigation pending regarding the said floor.

Any person including Bank/s, Financial Institution/s. relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the said floor is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the attorney-holder in respect of the said floor shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our clients/Purchaser, in any manner whatsoever.

**Shivkant Arora, Advocate
M/s Intellective Law Offices
A-74, LGF,Defence Colony,
New Delhi -110024**

"फॉर्म संख्या INC-26"
(कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
केंद्र सरकार के समक्ष (क्षेत्रीय निदेशक, नई दिल्ली)
उत्तरी क्षेत्र
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) तथा कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के खंड (क) के तहत
तथा

एलीटसिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय Wz-98, **प्रथम तल, लांबा कॉम्प्लेक्स, ज्वालाहेड़ी मार्केट, पश्चिम विहार, पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली, भारत,** 110063 में स्थित है,

............**याचिकाकर्ता**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अंतर्गत केंद्र सरकार (क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली) को कंपनी के एसोसिएशन के ज्ञापन में परिवर्तन की पुष्टि हेतु आवेदन करने का प्रस्ताव किया गया है। गुरुवार, 10 अक्टूबर, 2024 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार, कंपनी का पंजीकृत कार्यालय "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "उतार प्रदेश।" में स्थानांतरित किया जाएगा।

कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, वह निवेशक शिकायत प्रपत्र दाखिल करके एमसीए-21 पोर्टल (**www.mca.gov.in**) पर जमा कर सकता है या अपने हित की प्रति और विरोध को आधार बताते हुए हलफनामे के साथ अपनी आपत्तियाँ पंजीकृत डाक से क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, बी-2 विंग, द्वितीय तल पर्यावरण भवन सीजीओ, कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली-110003 को इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर भेज सकता है। आपत्ति की एक प्रति आवेदक कंपनी को उसके पंजीकृत कार्यालय में नीचे उल्लिखित पते पर भी भेजी जा सकती है:

एलीटसिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड
Wz-98, **प्रथम तल, लांबा कॉम्प्लेक्स, ज्वालाहेड़ी मार्केट, पश्चिम विहार, पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली, भारत,** 110063

**के लिए और उसकी ओर से,
एलीटसिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड
For Elite City Developers (P) Ltd.**
(धीर सिंह चौहान)
दिनांक: 20/09/2024 — **निदेशक**
डीआईएन: 01264684 — **स्थान:** दिल्ली

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mrs. Munni had acquired Residential Property bearing No. 889 & Plot No. 18, area 37.5, Khasra No. 2060/737, situated at Village Chandrawali alias Shahdara, Gali No. 3, Jawala Nagar, Shahdara, Delhi vide Sale Deed Dt. 23.08.2024 executed by Mr. Dharmveer Singh, Now Mrs. Munni is the undisputed owner of the said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi-110024

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mr. Jakir Hasan had acquired Plot bearing No. 186, area 50 sq. yrds., Khasra No. 168, situated at Village Loni, in the abadi of Azad Enclave, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad, U.P vide GPA Dt. 13.03.2007 along with ATS and Will executed by Mr. Om Prakash Sharma, Now Mr. Jakir Hasan is the undisputed owner of the said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi-110024

छत से गिरने के तीन मामलों में 2 की मौत, एक जख्मी

24वीं मंजिल से गिरने गई जान

नोएडा। सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली प्लेटिनम सोसाइटी की 24वीं मंजिल से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। हादसा रविवार शाम पांच बजे के करीब हुआ। युवक सोसाइटी में सफाई का काम करने आया था। एसीपी टिवंकल जैन ने बताया कि बिहार के खगरिया जिले का 24 साल नीतीश कुमार मामूरा में किराये पर रहता था और मजदूरी का काम करता था। वह रविवार को सेक्टर-119 स्थित एक सोसाइटी के 18वें मंजिल पर स्थित फ्लैट में गया था।

घर में अकेला बच्चा बालकनी से गिरा

नोएडा। सेक्टर-107 स्थित लोटस 300 सोसाइटी में 10 वर्षीय बच्चे की 13वीं मंजिल से गिर गया। उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। बच्चे की उम्र 10 साल बताई गई। जिस समय बच्चा गिरा परिवार के लोग बाहर गए हुए थे। परिजनों ने पुलिस से कोई शिकायत नहीं की है। सोसाइटी के लोग और गार्ड बच्चे को लेकर अस्पताल पहुंचे थे। सोसाइटी के फ्लैट नंबर 12 एओ में 10 साल का बच्चा परिवार के साथ रहता था। रविवार रात साढ़े दस बजे बालकनी में खेलने के दौरान उसका पैर फिसला और सीधे सोसाइटी के कॉमन एरिया में गिर गया।

कूदकर जान देने की कोशिश

नोएडा। नोएडा के सुपरटेक केपटाउन सोसाइटी में 12वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड करने का प्रयास किया। सोसाइटी के निवासियों ने उसकी जान बचाई। कूदने से पहले ही एक व्यक्ति से पीछे दोनों हाथ पकड़कर ऊपर खींच लिया। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। बताया गया सुसाइड करने का प्रयास कर रहे इस व्यक्ति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है।

Tapir Constructions Limited
(CIN: U70200DL2014PLC267441)
Extract of Unaudited Financial Results
for the quarter and half year ended 30 September 2024
(₹ in Millions)

Sl. No.	Particulars	Quarter ended 30 Sept. 2024 (Unaudited)	Corresponding Quarter ended 30 Sept. 2023 (Unaudited)	Previous year ended 31 March 2024 (Audited)
1	Total Income from Operations	12.4	6.4	24.8
2	Net (Loss) / Profit for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	(13.7)	(8.0)	(71.5)
3	Net (Loss) / Profit for the period before Tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(13.7)	(8.0)	(71.5)
4	Net (Loss) / Profit for the period after Tax, (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(13.7)	(8.0)	(71.5)
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising (Loss) / Profit for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(13.7)	(8.0)	(72.0)
6	Paid up Equity Share Capital	0.5	0.5	0.5
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve)	(2,154.0)	(2,061.3)	(2,117.5)
8	Securities Premium Account	-	-	-
9	Net Worth	(2,153.5)	(2,060.8)	(2,117.0)
10	Paid up Debt Capital / Outstanding Debt	3,785.2	3,374.1	3,540.5
11	Outstanding redemption preference share	-	-	-
12	Debt Equity Ratio	(1.78)	(1.64)	(1.70)
13	Earnings per Share (EPS) (Face value Per Share ₹10 each)			
	-Basic (Amount in ₹)	(273.20)	(160.00)	(1,430.52)
	-Diluted (Amount in ₹)	(273.20)	(160.00)	(1,430.52)
14	Capital Redemption Reserve	-	-	-
15	Debenture Redemption Reserve	-	-	-
16	Debt Service Coverage Ratio	(0.21)	(0.14)	(0.06)
17	Interest Service Coverage Ratio	(0.21)	(0.21)	(0.35)
18	Current ratio (In times)	0.92	0.79	0.92
19	Total debts to total assets	0.71	0.71	0.71
20	Long term debt to working capital (In times)	(3.57)	(0.69)	(3.79)
21	Bad debt to account receivable ratio (In %)	-	-	-
22	Current liability ratio (In times)	0.77	0.88	0.76
23	Debtor turnover ratio (In times)	-	-	-
24	Inventory turnover ratio (In times)	-	-	-
25	Operating margin (In %)	-	18.68	31.91
26	Net profit margin (In %)	(110.93)	(126.45)	(288.53)

Notes :
1. The above results have been reviewed and approved by the Board of Directors ('the Board') at its meeting held on 21 October 2024.
2. The above is an extract of the detailed format of Quarterly / Annual Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 52(8), read with 52(4) of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly/ Annual Financial Results are available on the Company's website (https://equinoxindia.com/tcl/) and on the website of BSE (https://www.bseindia.com) and NSE (https://www.nseindia.com).

Registered Office:
Office No. 202, 2nd Floor, A-18, Rama House, Middle Circle, Connaught Place, New Delhi- 110 001.

Place : **Mumbai**
Date : **21 October 2024**

For and on behalf of the Board of Directors

Abhishek Rajninath Surve
Executive Director

अधिकारी करते रहे इंतजार, चौथे दिन भी नहीं पहुंचा कोई प्रत्याशी

गाजियाबाद। गाजियाबाद विधानसभा के उपचुनाव की नामांकन प्रक्रिया का आज चौथा दिन है। लेकिन चौथे दिन भी खबर लिखे जाने तक एक भी नामांकन नहीं हो सका है। हालांकि इस सीट के लिए अब तक करीब दस लोग नामांकन पत्र ले चुके हैं, लेकिन नॉमीनेशन एक भी नहीं हुआ है। नामांकन की अंतिम तारीख 25 अक्टूबर है। अधिकारी सुबह से ही प्रत्याशियों के नामांकन का इंतजार करते रहे, लेकिन एक भी प्रत्याशी चौथे दिन नामांकन करना नहीं पहुंच सका।

PUBLIC NOTICE

Reg:-Built up First Floor without roof rights, area measuring 52.6 sq. mtrs., Property No. D-91, out of Rect No. 27, Killa No. 9, situated in the abadi of New Gobind Pura, main Parwana Road, in the area of Village Khureji Khas, Delhi ***(hereinafter referred to as "the said property")***

Be it known to all that our clients, Mr. Mohd. Irshad & Mrs. Reshmi Bano (hereinafter called the "Purchaser") intend to purchase the said property from Ms. Kamla Devi (hereinafter called the "Attorney-holder"). In this connection, the Attorney-holder has informed the purchaser that she is the sole and absolute Attorney-holder in respect of the said property vide POA documents viz., GPA, ATS and Will dated 04/05/2008 executed by Mr. Gur Charan & Mr. Shiv Charan in her favour. Mr. Gur Charan & Mr. Shiv Charan purchased the said property from Mr. Manjeet Singh vide POA documents viz., GPA, ATS and Will date 07/10/1999. The Attorney holder has further informed the purchaser that the said property is not mortgaged anywhere and there is no charge or dispute or any litigation pending regarding the said property.

Any person including Bank/s, Financial Institution/s. relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the said property is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the attorney-holder in respect of the said property shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our clients/Purchaser, in any manner whatsoever.

**Shivkant Arora, Advocate
M/s Intellective Law Offices
A-74, LGF,Defence Colony,
New Delhi -110024**

संक्षिप्त समाचार

मकान की गिरी शटरिंग, चार मजदूर घायल

नोएडा। नोएडा में एक निर्माणाधीन मकान की शटरिंग गिरने से चार मजदूर घायल हो गए। घायल मजदूरों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसमें से एक मजदूर को गंभीर चोट के कारण दिल्ली के हायर सेंटर रेफर किया गया। पुलिस का कहना है कि शिकायत के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह पूरा मामला नोएडा के सेक्टर-36 का है जहां रजत नामक व्यक्ति ने मकान में निर्माण का काम करवा रहा था। निर्माण का कार्य चार मजदूर सनजीत सिंह, सिराज सुवरत हलदार और अभिनंदन काम कर रहे थे। शनिवार शाम अचानक मकान की शटरिंग गिरने से चारों मजदूर उसमें दबकर घायल हो गए।

हाईवे-एक्सप्रेसवे पर लूटपाट करने वाला गैंग पकड़ा

गाजियाबाद। हाईवेज व एक्सप्रेस-वे पर बेखौफ होकर दिल्ली व यूपी की सीमाक्षेत्र में लूटपाट करने वाले अंतर्राज्जीय गैंग के पांच शातिर लुटेरों को एसीपी मसूरी सिद्धार्थ गौतम की अगुवाई में गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार गिरफ्त में आये बदमाशों के पास से लूट का माल, हथियार व वारदातों में प्रयुक्त होने वाहन आदि बरामद हुए है। सूत्रों की माने तो इस गैंग के पांच सदस्यों ने पूछताछ के बाद जहां सौ से अधिक वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया वहीं तीन माह पूर्व दिल्ली मेरठ एक्सप्रैस-वे पर युगल से हुई लूटपाट की बात भी स्वीकारी। पूछताछ के दौरान लुटेरों ने अपने नाम मोनू यादव उर्फ मन्नू यादव निवासी सी ब्लॉक गोविंदपुरम, नासिर, कैफ, जैद, कम्मू, जो मोनू यादव का चालक हैं। सूत्रों के अनुसार इस गैंग के सरगना बिलाल पुलिस के हत्थे चढने से बाल-बाल बच गय

रंगे हाथ चोर को किया गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में चोरों पर लगाम कसने के लिए पुलिस कड़े कदम उठा रही है। थाना फेस-3 पुलिस ने एक बदमाश को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। बता दें कि चोर के पास से चाकू भी बरामद हुआ है। चोर का एक साथी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पकड़े गए बदमाश ने वाहन चोरी की कई घटनाओं को स्वीकार किया है। पुलिस दुसरे बदमाश की तलाश में जुटी हुई है।

नोएडा में अलग-अलग मामलों में 18 बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने विभिन्न जगहों से दर्जन 18 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। थाना ईकोटेक-तीन के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडे ने बताया कि बीती रात को गस्त पर निकले उप निरीक्षक निशांत मलिक ने प्रिंस कुमार पुत्र प्रमोद प्रसाद वर्मा को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 45 पव्वा देसी शराब बरामद की है। थाना फेस-2 के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि उप निरीक्षक आस्था चौधरी ने वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024

राजधानी में रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान शुरू

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आईटीओ से मुहिम की शुरुआत कर वाहन चालकों को किया जागरूक

आईटीओ चौराहे पर प्रदूषण के खिलाफ अभियान के प्रति जागरूक करते पर्यावरण मंत्री गोपाल राय। फोटो : रंजन डिमरी

युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- गोपाल राय ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का कारण बायोमास बर्निंग, धूल और वाहनों का धुआं है

सर्दी का मौसम जैसे-जैसे करीब आ रहा है। वैसे-वैसे वायु गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है। ऐसे में प्रदूषण काबू करने को लकेर आम आदमी पार्टी की सरकार अलग-अलग तरह के अभियान चला रही है। राष्ट्रीय राजधानी में वाहन चालकों को प्रदूषण के खिलाफ जागरूक करने के लिए दिल्ली सरकार ने रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान की शुरुआत की है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने राजधानी दिल्ली के आईटीओ सिग्नल से इस मुहिम की शुरुआत की है। साथ ही वाहन चालकों से रेड लाइट होने पर गाड़ी का इंजन बंद करके प्रदूषण कम करने में अपना योगदान देने का अनुरोध किया।

गोपाल राय ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में इस समय बढ़ते प्रदूषण का बड़ा कारण बायोमास बर्निंग और धूल से होने वाले प्रदूषण के साथ-साथ वाहनों के धुआं से होने वाला प्रदूषण है। इसी को देखते हुए रेड लाइट ऑन-गाड़ी ऑफ अभियान शुरू किया गया है। दिल्ली वालों को पड़ोसी राज्यों से आने वाले प्रदूषण की मार झेलनी पड़ती है। पंजाब सरकार के प्रयासों के कारण पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है, वहीं हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकार प्रदूषण रोकने के लिए इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही है और वहां पराली जलाने की घटनाएं लगातार हो रही हैं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पिछले सालों में संबंधित विभागों की मेहनत से प्रदूषण के स्तर में करीब 34.6 प्रतिशत की कमी आई है। प्रदूषण के खिलाफ इस जंग में इस बार फिर से दिल्ली तैयार है। उनकी सरकार ने प्रदूषण के विरुद्ध ग्रीन वॉर रूम शुरू किया है, धूल प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए एंटी डस्ट कैंपेन चलाया जा रहा है। वहीं पराली गलाने के लिए 5 हजार एकड़ में बायो डी-कंपोजर का छिड़काव करवाया जा रहा है।

गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के लोगों को दिल्ली के अंदर होने वाले प्रदूषण के साथ-साथ बाहर से आने वाले प्रदूषण को भी झेलना पड़ता है, जो कि दिल्ली के प्रदूषण से दोगुना होता है।

पूरी दिल्ली वायु प्रदूषण से है त्रस्त : सचदेवा

- बोले, गोपाल राय बतायें की प्रदूषण का दोष दूसरों पर डाल सकते हैं पर कर्तव्यपथ क्षेत्र का दोष किस पर मढ़ेंगे

कर्त्तव्यपथ पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सोमवार को कर्तव्य पथ पर इंडिया गेट के पास मीडिया को खुले आसमान के नीचे बढ़ते प्रदूषण का नजारा दिखाया और बदहाल स्थिति के लिए आतिशी सरकार की उदासीनता को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री एवं पर्यावरण मंत्री आनंद विहार के बढ़े प्रदूषण का कारण उत्तर प्रदेश की बसों को बता रहे हैं जबकि वो बसे दिल्ली में प्रवेश करती ही नहीं पर उन्हें अपनी सरकार की लापरवाही से उसी आनंद विहार में चारों ओर टूटी हुई सड़कें नही दिखतीं।

सचदेवा ने कहा की गोपाल राय बतायें की वह दिल्ली भर में वायु प्रदूषण का दोष दूसरों पर डाल सकते हैं पर इस साफ सुथरे कर्तव्यपथ क्षेत्र का दोष किसके सिर पर मढ़ेंगे। सच यह है की पूरी दिल्ली वायु प्रदूषण से त्रस्त है। उन्होंने कहा दिल्ली के अंदर लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है और दिल्ली एक बार फिर से गैस चैम्बर में तब्दिल हो चुकी है। आतिशी सरकार बयानबाजी तो बहुत कर रही है पर प्रदूषण के प्रमुख कारणों का अंत नहीं कर पा रही है।

सचदेवा ने कहा कि यमुना जो हरियाणा के पल्ला से चलते वक्त बिल्कुल साफ होती है और उसमें ऑक्सीजन की मात्रा 9 होता है और फिकॉल कोलिफॉम 1200 होता है। जबकि दिल्ली सरकार वहां से प्रतिदिन 200 एमजीडी पानी खुद लेती है लेकिन जैसे ही यमुना कलिंदी कुंज तक आती है, ऑक्सीजन शून्य हो जाता है और साथ ही फिकॉल कोलिफॉम 9 लाख से ऊपर हो जाता है और इसका कारण है नदी में अनुपचारित सीवेज और औद्योगिक कारखानों से निकलने वाला जहरीला पानी। यमुना में सफेद झाग बता रहे हैं कि आज यमुना बदतर स्थिति में है।

वहीं दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने भी दिल्ली सरकार द्वारा प्रदूषण से लड़ने के लिए कोई ठोस उपाय करने की बजाय केवल प्रचार पाने के तरीके अपनाने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो हालत बद से बदतर होते जा रहे है लेकिन सरकार फिर से 'रेड लाइन ऑन गाड़ी ऑफ' का झुनझुना लेकर सामने आ गई है।

केजरीवाल छठ पर्व पर यमुना में डुबकी लगाकर दिखाएं : देवेन्द्र

सफेद झाग से भरी यमुना में नौका पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव व अन्य।

- पार्टी नेताओं के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कालिंदी कुंज से यमुना घाट का दौरा किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने के तमाम जतन अब तक कारगर साबित नहीं हुए हैं। प्रदूषण का स्तर बढ़ने के साथ ही झाग बनने लगा है। इस मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस सत्ता पक्ष पर हमलावर है। इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कांग्रेस नेताओं के साथ प्रदूषित यमुना में बढ़ते अमोनिया के कारण फैलती झाग की परत से चिंतित होकर दिल्ली वालों के प्रति संवेदनशीलता के मध्यनजर आज कालिंदी कुज यमुना घाट का दौरा किया क्योंकि 7 नवम्बर 2024 को छठ का पर्व है और लाखों श्रद्धालु आस्था रखकर मजबूरी में ही सही दूषित यमुना में डुबकी लगाकर अपना छठ का पर्व संपूर्ण करते है।

यादव ने कहा कि छठ पर्व पर वह अरविन्द केजरीवाल को यमुना में डुबकी लगाने के लिए आमंत्रित करते हैं क्योंकि उन्होंने वर्ष 2025 तक यमुना की सफाई का दावा करके कहा था कि वो यमुना में स्वयं डुबकी लगाऐंगे। यदि केजरीवाल एक बार भी यमुना में डुबकी लगाऐंगे तो मैं दावे के साथ कहता हूँ कि वो स्वस्थ बाहर नहीं आ सकते, जबकि हमारी माता बहने मजबूरी में अपनी जान पर खेलकर प्रदूषित यमुना में डुबकी लगाती हैं।

कालिंदी कुंज घाट पर यमुना का निरीक्षण करने वालों में पूर्व सांसद परवेज हाश्मी, कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक आसिफ मौहम्मद खान, निगम में कांग्रेस की नेता नाजिया दानिश सहित क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

तंग जगहों पर ड्रोन से कीट नाशक दवा का छिड़काव : शैली

- कहा, निगम आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों को बीमारियों से बचाने का कर रहा प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक फोटो।

महापौर शैली ओबरॉय

निगम कर्मचारियों का जहां पहुंचना संभव नहीं है वहां ड्रोन के माध्यम से मच्छररोधी दवा का छिड़काव किया जाएगा। महापौर शैली ओबरॉय ने पहली बार नरेला क्षेत्र के रानीखेड़ा में ड्रोन के माध्यम से मच्छररोधी दवा छिड़काव का काम शुरू किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम लोगों को मच्छरजनित बीमारियों से बचाने के हरसंभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे अपने आसपास पानी इकट्ठा नहीं होने दें।

इस अभियान के अंतर्गत व्यापक क्षेत्र में मच्छररोधी दवा का छिड़काव किया गया जिससे डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलेगी। शैली ने कहा कि इस वर्ष दिल्ली में रिकॉर्ड बारिश के कारण कई जगह जलजमाव की स्थिति का सामना करना पड़ा। इस इलाके में बारिश के पानी की निकासी न होने की वजह से मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। सबसे पहले हमें बारिश के बाद जलजमाव को खत्म करना है और उसके बाद मच्छर जनित सभी तरक की बीमारियों की रोकथाम की जायेगी।

पिछले 2-3 महीनो में मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए कई स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जैसे स्कूलों में बच्चों को जागरूक किया जा रहा है और आरडब्लूए के साथ बैठकें भी की जा रही हैं। मेयर ने कहा कि इसी कड़ी में दिल्ली में पहली बार ड्रोन के माध्यम से मच्छररोधी दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

लैंडफिल से कचरा हटाने के संबंध में उन्होंने कहा कचरा कम करने के लिए दिन रात काम चल रहा है। रानीखेड़ा वार्ड में कुछ जगहों पर पानी की निकासी की सुविधा नहीं है और इस साल रिकॉर्ड तोड़ बारिश होने के कारण यहां पर लार्वारोधी कार्य करने में काफी दिक्कतें आ रही थी। मेयर ने कहा कि इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखकर पहली बार ड्रोन के माध्यम से मच्छररोधी दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

दिल्ली में केंद्र कानून-व्यवस्था संभालने में सक्षम नहीं : आप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मंत्री सौरभ भारद्वाज।

आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी में आपराधिक गिरोह संबंधी हालिया गतिविधियों और गोलीबारी की घटनाओं को लेकर भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली में कानून-व्यवस्था को संभालने में असमर्थ रही है। उन्होंने दावा किया कि शहर में कई गिरोह सक्रिय हैं, जो शहर के लोगों को निशाना बना रहे हैं। भारद्वाज ने पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का रिपोर्ट कार्ड पेश करने की भाजपा से मांग की। उन्होंने सवाल किया, अगर भाजपा की केंद्र सरकार दिल्ली की कानून-व्यवस्था को संभालने में सक्षम नहीं है तो वह देश की सीमाओं की सुरक्षा कैसे करेगी। आप नेता ने रविवार को कश्मीर में प्रवासी मजदूरों समेत सात लोगों की हत्या का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में स्थिति को संभालने में भी असमर्थ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा-नीत केंद्र सरकार पूरी तरह विफल और बेनकाब हो गई है। कश्मीर तो छोड़िए, वे दिल्ली में भी कानून-व्यवस्था को संभालने में सक्षम नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट ने डूसू उम्मीदवारों से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने सितंबर 2024 में हुए दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) का चुनाव लड़ने वाले कई उम्मीदवारों को सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के कथित मामले में सोमवार को नोटिस जारी कर अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने उम्मीदवारों को कार्यवाही में पक्षकार बनाया और उन्हें 28 अक्टूबर को उसके समक्ष उपस्थित होकर अपने आचरण के बारे में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया।

चांदनी चौक पहुंची एक्ट्रेस मौनी रॉय

नई दिल्ली। एक्ट्रेस मौनी रॉय सोमवार को चांदनी चौक पहुंची। वो यहां चांदनी चौक स्थित ओमैक्स चौक मॉल में एक कार्यक्रम में पहुंची थीं। जहां त्यौहारों पर ग्राहकों को 10 नवंबर तक आकर्षक छूट दी जा रही है। फेस्टिवल में हिस्सा लेने वाले शॉपर्स के लिए आकर्षक ऑफर्स और इनामों की भरमार है। इस अवसर पर ओमैक्स समूह के कार्यकारी निदेशक जतिन गोयल का कहना है कि चांदनी चौक हमेशा से शादी की खरीदारी के लिए खास रहा है, और इस फेस्टिवल के जरिए हम शॉपर्स को एक अनोखा और यादगार शॉपिंग अनुभव दे रहे हैं।

कैंसर के इलाज में नर्सों की भूमिका महत्वपूर्ण

नई दिल्ली। कैंसर के इलाज में नर्सों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उनकी लगातार देखभाल और सेवाओं के कारण भी हम बड़े से बड़े इलाज में सफल हो पाते हैं। कैंसर देखभाल में अग्रणी संस्थान, राजीव गांधी कैंसर इंस्टिट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग कॉन्फ्रेंस 'नर्सीकॉन 2024' में मशहूर डाक्टरों एवं विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। नर्सिंग विभाग की निदेशक कर्नल मधुमिता ढल ने कैंसर देखभाल में नर्सों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, ऑन्कोलॉजी नर्सिंग सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं है, बल्कि एक नियति, मरीजों और उनके परिवारों के साथ उनके सबसे कठिन समय में साथ चलने की प्रतिबद्धता है। इस अवसर पर आरजीसीआईआरसी के सीईओ डीएस नेगी, डॉ. दीपिका सेसिल खाखा, इग्नेशियस डेलोस फ्लोरा व बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

थियेटर हमेशा जिंदा रहेगा : दया प्रकाश सिन्हा

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) 'संस्कृति सम्वाद श्रृंखला' में प्रसिद्ध नाटककार, निर्देशक और सांस्कृतिक प्रशासक 'पद्मश्री' दया प्रकाश सिन्हा के सम्मान में किया गया। भारतीय हिन्दी रंगमंच में सन् 1950 के बाद घटित 'रंग आन्दोलन' में दया प्रकाश सिन्हा ने अपनी विश्वसनीय उपस्थिति दर्ज कराई और अपने समृद्ध लेखन व निर्देशन के जरिये भारतीय हिन्दी रंगमंच को संजीवनी और ऊर्जा देने का काम किया। इस अवसर पर 'दया प्रकाश सिन्हा: नाट्य-सृष्टि एवं दृष्टि' का लोकार्पण भी किया गया। इस वअसर पर नृत्य गुरु डॉ. सोनल मानसिंह, डॉ. भरत गुप्त, डॉ. सच्चिदानंद जोशी, अनुराग पुनेठा मौजूद थे।

डीयू को फीस से पांच साल आय दोगुनी हुई

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) का विद्यार्थियों की फीस से होने वाला राजस्व संग्रह पिछले पांच वर्षों में बढ़कर दोगुना से अधिक हो गया है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। आंकड़ों के मुताबिक डीयू को पिछले वित्त वर्ष में विद्यार्थियों की फीस से 200 करोड़ रुपए से अधिक की आय हुई थी। डीयू के वित्त विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, विश्वविद्यालय की आंतरिक प्राप्तियां (फंड इनफ्लो), जिसमें मुख्य रूप से छात्रों की फीस शामिल है, 2019-20 में लगभग 100 करोड़ रुपए थी। वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा बढ़कर 200 करोड़ रुपए से अधिक हो गया।

दंगे के आरोपी को बहन की शादी के लिए जमानत मिली

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वर्ष 2020 में हुए दंगों से जुड़े आतंकवाद के मामले में आरोपी एक व्यक्ति को उसकी बहन की शादी में शामिल होने की इजाजत दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेई गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) से जुड़े एक मामले में आरोपी शादाब अहमद की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। दिल्ली पुलिस का विशेष प्रकोष्ठ मामले की जांच कर रहा है।

पूर्व न्यायाधीश को डीईआरसी प्रमुख के रूप में सेवा विस्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जयंत नाथ का दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) के अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल बढ़ा दिया, हालांकि वह सेवानिवृत्ति वाली आयु 65 वर्ष के होने जा रहे हैं। दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल कार्यालय के बीच गतिरोध को हल करने के लिए शीर्ष अदालत ने 4 अगस्त, 2023 को न्यायमूर्ति नाथ को डीईआरसी का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया था।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने लंबित मामले में दिल्ली सरकार की नई याचिका पर विचार किया, जिसमें कहा गया था कि अगर न्यायमूर्ति नाथ का कार्यकाल उनकी आयु 65 वर्ष होने के बाद भी बढ़ाया जाता है तो सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। डीईआरसी अध्यक्ष की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष निर्धारित है और पूर्व न्यायाधीश भी जल्द ही इस आयु तक पहुंच जाएंगे। उपराज्यपाल वी के सक्सेना के कार्यालय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय जैन ने कहा कि यदि पीठ इस मामले में आयु संबंधी मानदंड को कुछ समय के लिए हटा दे तो उन्हें इस याचिका पर कोई आपत्ति नहीं है।

डीआरडीओ वैज्ञानिक से लूटपाट के आरोप दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के एक सेवानिवृत्त वैज्ञानिक के यहां रोहिणी स्थित आवास से चाकू दिखाकर कथित तौर पर दो करोड़ रुपए नकद और सोने के जेवर लूटने के आरोप में वैज्ञानिक के एक पूर्व कर्मचारी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना प्रशांत विहार इलाके में 18 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजकर 50 मिनट पर हुई, जब पांच लोग कोरियर सेवा का कर्मी बनकर जबरन वैज्ञानिक के घर में घुस गए। जसमीन सिंह उर्फ गिफ्टी और वैज्ञानिक के पूर्व कर्मचारी गौरव कवात्रा को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने लुटेरों को जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि शेष आरोपियों को पकड़ने के लिए मामले में आगे की जांच जारी है। उन्होंने बताया कि घटना के वक्त वैज्ञानिक और उनकी पत्नी अकेले थे और इसी दौरान एक आरोपी ने वैज्ञानिक के पास पहुंचकर डिलीवरी के लिए कुछ कागजी काम करने का नाटक किया।

अधिकारी ने बताया कि इसके बाद वे वैज्ञानिक को धकेलते हुए घर के अंदर ले गए, उन्होंने वैज्ञानिक का मुंह बंद कर दिया था और चाकू दिखाकर उन्हें धमकाया तथा नकदी मांगी। उन्होंने कहा कि अपराधियों ने दंपति को वहीं रोक कर रखा और घर की दोनों मंजिलों की तलाशी ली तथा सोना और नकदी चुरा लिए। इसके बाद वे दंपति को घर के अंदर बंद कर वहां से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की और मामले में जांच शुरू की। इलाके से बरामद सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई जिसमें संदिग्ध नजर आ रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर छुपाया था।

सीलमपुर में लूट का विरोध करने पर युवक को जमकर पीटा

नई दिल्ली। उत्तर -पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में युवक से लूट की गयी ओर विरोध करने पर जमकर पिटाई करने का मामला सामने आया है। वारदात को अचानक आए आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने मिलकर अंजाम दिया है। पीड़ित की पहचान सौरभ (21) के रूप में हुई है। मामले में तीन लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित सौरभ सीलमपुर इलाके में परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में माता-पिता, बड़ा भाई व अन्य हैं। सौरभ के भाई विक्रांत ने बताया कि उनका भाई सौरभ रैपिडो ऐप से जुड़कर बाइक चलाने का काम करता है। शनिवार रात वह खाना खाने के बाद टहलने निकले थे।

फूलवालों की सैर गंगा जमुनी तहजीब का हिस्सा : आतिशी

- आयोजकों ने मुख्यमंत्री को उत्सव का प्रतीक पारंपरिक फूलों का पंखा भेंट कर की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री आतिशी को फूलों वाली सैर का पारंपरिक प्रतीक चिह्न सौंपते शहनाईवादक।

संस्कृति और एकता के परिचायक फूल वालों की सैर उत्सव का शुरू हो गया है। आयोजकों के सीएम आतिशी को उत्सव का प्रतीक पारंपरिक पंखा भेंट कर सात दिवसीय फूल वालों की सैर 2024 उत्सव की शुरुआत की। इस मौके पर आयोजक शहनाईवादकों के साथ सचिवालय पहुंचे और सीएम आतिशी को फूलों का पंखा भेंट किया।

आतिशी ने फूलवालों की सैर की शुरुआत के मौके पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि, फूलवालों की सैर सिर्फ एक सात दिन त्यौहार नहीं बल्कि हमारी गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है और आज के दौर में सभी को इन प्रतीकों की बहुत जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश के हर हिस्से के लोग, हर धर्म संप्रदाय, मान्यता के लोग रहते है और इस प्रकार के उत्सव सभी को साथ लाने का काम करते है। आज के समय में जब इंसान को इंसानियत से दूर किया जा रहा है, एक दूसरे से लड़ाया जा रहा है। धर्म-जाति, भाषा के नाम पर अलग-अलग दीवारें खड़ी की जा रही है।

ऐसे में फूलवालों की सैर लोगों को साथ लाने का त्यौहार है जो आपसी भेदभाव की भुलाकर प्रेम और सौहार्द को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि, हमें अपनी इन परंपराओं को संजोना और उनका जश्न मनाना जारी रखना चाहिए, क्योंकि ये ऐसे पुल हैं जो हमें हमारी जड़ों से, एक-दूसरे से और उस भविष्य से जोड़ते हैं।

भाजपा ने सीएम आवास को लेकर केजरीवाल पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भाजपा ने रविवार को एक असत्यापित सूची का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले से गायब हुई उच्च प्रौद्योगिकी वाली एक टॉयलेट सीट समेत घर के आधुनिक सामान पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री रहने के दौरान नौ साल से अधिक समय तक इस बंगले में रहे।

केजरीवाल ने इस महीने की शुरुआत में सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगला खाली कर दिया था। इस बंगले को आवंटित करने वाले दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने भाजपा द्वारा साझा की गई सामान की सूची पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

राज्य को 15 साल बाद मिली महिला स्वास्थ्य मंत्री

2009 में करतार देवी को मिला था यह पद, इस बार अटेली की विधायक आरती सिंह संभालेंगी जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा को 15 साल बाद आरती सिंह राव के रूप में महिला स्वास्थ्य मंत्री मिली हैं। आरती सिंह राव ने इस बार अटेली विधानसभा से चुनाव लड़कर जीत हासिल की है। वे केंद्रीय मंत्री एवं गुड़गांव से सांसद राव इंद्रजीत सिंह की बेटी हैं। हरियाणा में 15 साल पहले वर्ष 2004 से 2009 के बीच करतार देवी स्वास्थ्य मंत्री रहीं। अक्टूबर 2009 में चुनावों से ठीक पहले करतार देवी का मंत्री पद पर रहते हुए निधन हो गया था।

करतार देवी के निधन के बाद 2009 से 2014 के हरियाणा सरकार के कार्यकाल में राव नरेंद्र सिंह स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए थे। राव नरेंद्र सिंह विधायक तो हरियाणा जनहित कांग्रेस (हजकां बीएल) की टिकट पर चुनाव जीतकर आए थे, लेकिन बाद में उन्होंने हजकां को झटका देते हुए कांग्रेस को अपना समर्थन दे दिया था। भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार-2 में राव नरेंद्र सिंह को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया था। 2014 में हरियाणा में भाजपा की सरकार बनी। भाजपा की सरकार में भी स्वास्थ्य विभाग का दायित्व अनिल विज को दिया गया। 2019 में भी स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा अनिल विज को ही दिया गया। अब 2024 में हरियाणा मंत्रिमंडल में महिला को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया है। इस तरह से 15 साल बाद हरियाणा को महिला स्वास्थ्य मंत्री मिली हैं।

नवनियुक्त स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव।

डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ फिर से अपनी मांगों को लेकर होंगे सक्रिय: स्वास्थ्य विभाग बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग है। पहली बार विधायक बनकर ही आरती सिंह राव सीधे स्वास्थ्य मंत्री बनी हैं। उन्हें ना तो राजनीति का कोई अनुभव है और ना ही मंत्री पद का। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग को संचालित करना उनके लिए चुनौती हो सकती है।

हरियाणा में डॉक्टर्स, नर्सिंग ऑफिसर्स के कई मुद्दे हैं, जिनको लेकर लंबे समय से डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ आंदोलनरत हैं। अब नई सरकार का गठन हो चुका है। स्वाभाविक है कि अब ये कर्मचारी अपनी मांगों को फिर से सरकार, मंत्री से पूरी होने की उम्मीद करेंगे। हरियाणा में नर्सिंग ऑफिसर्स ने तो आंदोलन को तेज करने के लिए सितंबर माह में रोहतक में बैठक करके रणनीति तैयार की थी। उसी दिन दोपहर बाद ही विधानसभा चुनाव की घोषणा होते हुए आचार संहिता लागू हो गई। इसलिए आंदोलन को स्थगित करना पड़ा। इसी तरह से डॉक्टर्स भी अपनी मांगों को लेकर चुनाव से ठीक पहले आंदोलित रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री रहे अनिल विज के आश्वासन पर डॉक्टर्स ने अपना आंदोलन स्थगित किया, लेकिन उनकी मांगों को भी पूरा नहीं किया गया। अब फिर से डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ अपनी मांगों को लेकर आंदोलन की राह पकड़ सकते हैं। नवनियुक्त स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव पर यह निर्भर है कि वह कितनी सूझ-बूझ के साथ आंदोलनरत कर्मचारियों की मांगों का हल निकालती हैं।

शहर में पानी छिड़काव के माध्यम से किया जा रहा प्रदूषण पर नियंत्रण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रदूषण की रोकथाम के लिए टैंकर से पानी का छिड़काव करते कर्मचारी।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा लागू ग्रेडिड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) की पालना सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम द्वारा गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। इसके तहत एक ओर जहां सड़कों की मैकेनाइज्ड सफाई की जा रही है, वहीं दूसरी ओर टैंकरों व एंटी स्मॉग गन के माध्यम से सड़कों व पेड़ों पर शोधित पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

निगमायुक्त डॉ. नरहरि सिंह बांगड़ ने बताया कि ग्रेप की पालना सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम की टीमें क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रही हैं। इस दौरान प्रतिबंधित गतिविधियां करने वालों पर नजर रखी जा रही है तथा उल्लंघनकर्ताओं पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि ग्रैप के तहत कचरे में आग लगाने, बिना ढके निर्माण सामग्री, मलबा व कचरा परिवहन करने, तंदूर में लकड़ी या कोयला जलाने तथा बिना ढके निर्माण सामग्री रखने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके साथ ही निर्माण कार्यों में पर्यावरणीय नियमों की पालना जरूरी है। अगर कोई व्यक्ति नियमों की पालना नहीं करता है तो उस पर संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी जिसमें उल्लंघनकर्ता का चालान करने सहित एफआईआर भी दर्ज करवाई जा सकती है।

पुलिस के बिना सभ्य-सुरक्षित समाज की कल्पना नहीं: अरोड़ा

● पुलिस बलिदान दिवस पर 25 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पुलिस बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते सीपी विकास कुमार अरोड़ा।

देश की आंतरिक सुरक्षा में पुलिस की अहम भूमिका है। आज के परिवेश में पुलिस के बिना एक सभ्य ओर सुरक्षित समाज की कल्पना नही की जा सकती। यह बात गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा ने सोमवार को जिला पुलिस लाइन में पुलिस बलिदान दिवस के अवसर पर पुलिस शहीद फाउंडेशन, द्वारा पुलिस कर्मचारियों व उनके परिवारों के लिए आयोजित मेगा मेडिकल कैम्प के शुभारंभ अवसर पर कही।

पुलिस लाइन के मीटिंग हाल में आयोजित मेडिकल कैम्प में पुलिस के सभी आला अधिकारियों और शहर के गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा ने कहा कि आज देश और समाज को सुरक्षित रखने में पुलिस की भागीदारी काफी बढ़ गई है। नागरिकों की सुरक्षा के दौरान काफी चुनोतियो का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पुलिस की समाज के प्रति सेवाओं ओर बलिदान को किसी भी मायने में कम नही आंका जाना चाहिए।

पुलिस शहीद फाउंडेशन, हरियाणा के अध्यक्ष एडवोकेट आरएल शर्मा ने मंच संचालन करते हुए कहा कि आज के परिवेश में हम पुलिस के बिना सुरक्षित नहीं रह सकते। आरएल शर्मा ने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग में देश की सुरक्षा की प्रथम पंक्ति में तैनात सीआरपीएफ की 20 सदस्यीय छोटी सी टुकड़ी सीमा पर तैनात थी। जिसकी अगुवाई डीएसपी कर्मसिंह द्वारा की जा रही थी। तभी चीनी सेना द्वारा भारी संख्या में घात लगाकर 20 सदस्यीय टुकड़ी पर हमला किया गया। भारतीय सीआरपीएफ की 20 सदस्यीय टुकड़ी ने चीनी सेना का डटकर मुकाबला किया और उसे भारी नुकसान पहुंचाया। इस भीषण लड़ाई में भारतीय सीआरपीएफ के डीएसपी कर्मसिंह सहित 10 जवान वीरगति को प्राप्त हुए और उन्होंने अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

पुलिस शहीद फाउंडेशन के महासचिव दीपक मैनी ने कहा कि फाउंडेशन 2004 से ही पुलिस शहीद के परिवारों ओर सभी पुलिस कर्मचारियों के वेलफेयर के लिए कार्य कर रही है। इस अवसर पर जॉइंट पुलिस कमिश्नर नाजनीन भसीन रिटायर्ड डीजीपी यशपाल सिंघल ने भी उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित किया।

कार्यकम के दौरान पुलिस शहीद फाउंडेशन की ओर से ड्यूटी के दौरान बेहतरीन कार्य करने वाले 25 पुलिस कर्मियों को पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा के हाथों से सम्मानित भी करवाया गया।

मेडल विजेता उप-निरीक्षक राजबीर सिंह को सम्मानित करते पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा।

गुरुग्राम पुलिस के उप-निरीक्षक राजबीर सिंह ने जीता कांस्य पदक

गुरुग्राम। गोवा में 14 से 18 अक्टूबर 2024 तक 33वीं नेशनल बेंच प्रेस चैंपियनशिप में गुरुग्राम पुलिस के उप-निरीक्षक राजबीर प्रभारी सुरक्षा शाखा गुरुग्राम ने मेडल जीता है।

राजबीर सिंह ने इस प्रतियोगिता में 93 किलोग्राम कैटेगरी में भाग लिया। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया। उप-निरीक्षक राजबीर नेशनल बेंच प्रेस चैंपियनशिप में इससे पहले भी दो रजत पदक तथा दक्षिण अफ्रीका में वर्ल्ड चैंपियनशिप बेंच प्रेस में 1 कांस्य पदक जीत चुके हैं। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने उप-निरीक्षक राजबीर को सम्मानित करते हुए बधाई दी।

सेक्टर-10 अस्पताल में मरीजों को निःशुल्क मिलेगी डायलिसिस सुविधा

● 10 मशीनों से तीन शिफ्ट में डायलिसिस करने का दावा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिले में किडनी रोगियों को अब डायलिसिस के लिए पैसे खर्च नहीं करने होंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश के बाद सेक्टर-10 स्थित जिला के नागरिक अस्पताल में अब सभी श्रेणी के रोगियों के लिए निःशुल्क डायलिसिस सेवा शुरू हो गई है।

डीसी निशांत कुमार यादव ने सोमवार को बताया कि इसका फायदा यहां पंजीकृत मरीजों के साथ किडनी की बीमारी से जूझ रहे सेंकड़ों लोगों को मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार नागरिक अस्पताल में इस समय डायलिसिस के 57 मरीज पंजीकृत हैं। जिनका डायलिसिस हर महीने होता है। अब तक नागरिक अस्पताल में आयुष्मान भारत, एससी व बीपीएल श्रेणी के मरीजों सहित हरियाणा सरकार में कार्यरत व सेवानिवृत्त नागरिकों का निःशुल्क इलाज किया जाता है। वहीं अन्य श्रेणी के किडनी रोगियों की रियायती दरों पर डायलिसिस की जाती थी। अब इन सभी की निःशुल्क डायलिसिस होगी। अब किडनी रोगियों को डायलिसिस के लिए बीपीएल राशन कार्ड, कमजोर आर्थिक स्थिति का प्रमाणपत्र या जन प्रतिनिधियों से पत्र लिखवाने की आवश्यकता नहीं होगी।

डायलिसिस मशीनों की जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया कि सेक्टर 10 स्थित नागरिक अस्पताल में ऐसी मशीनों की संख्या 10 है। अस्पताल में सुबह 7 बजे से शाम 8 बजे बजे तक तीन शिफ्ट में डायलिसिस की जाती है। एक मरीज की डायलिसिस में करीब 4 घंटे का समय लगता है। वहीं मरीजों को शेड्यूल संबधी जानकारी देने के लिए अस्पताल प्रबंधन की ओर से बाकायदा फोन कर उनसे संबंधित स्लॉट की जानकारी भी दी जा रही है।

नागर को मंत्री बनाकर सीएम ने तिगांव के लोगों की भावना का आदर किया: संजीव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा सरकार में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (स्वतंत्र प्रभार) के राज्यमंत्री राजेश नागर का पूर्व सरपंचों जिसमें नीमका गांव के पूर्व सरपंच एवं वाल्मीकि महासभा के जिलाध्यक्ष संजीव कुमार, पूर्व सरपंच अजीत, पूर्व सरपंच रूपी, पूर्व सरपंच राजबीर, वाल्मीकि महासभा तिगांव के ब्लॉक अध्यक्ष दितेश कुमार चंदेलिया, योगेश कुमार एडवोकेट अरूआ, रवि नंबरदार तिगांव, विशाल, अमरजीत व ग्रामीणों ने फूलों का गुलदस्ता देकर और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संजीव कुमार ने कहा कि राजेश नागर को राज्यमंत्री बनाकर मुख्यमंत्री नायब सैनी और भाजपा हाईकमान ने तिगांव क्षेत्र की जनभावनाओं का आदर किया है। उन्होंने कहा कि राजेश नागर नेकदिल, ईमानदार और साफ छवि के इंसान है जो तिगांव क्षेत्र की तरक्की होते देखना चाहते है। जिसके लिए वो दिन रात मेहनत कर रहे है और इस काम में जनता भी उनके साथ है तभी तो उन्हें इतने भारी मतों से विजयी बनाया है।

संजीव कुमार ने कहा कि आने वाले 5 वर्षो में तिगांव क्षेत्र हरियाणा की सभी विधानसभाओं में सबसे ज्यादा खुशहाल और विकसित होगा ऐसी हमें उम्मीद है।

डा. प्रताप राठी बने एमडीयू के युवा कल्याण निदेशक

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण कार्यालय में सोमवार को डा. प्रताप राठी ने निदेशक युवा कल्याण का कार्यभार ग्रहण किया।

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. रणदीप राणा, पूर्व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. राजकुमार, पूर्व निदेशक युवा कल्याण एवं प्रतिष्ठित हरियाणवी कवि डा. जगबीर राठी, समाजसेवी संपूर्ण सिंह समेत अन्य गणमान्य जनों ने डा. राठी को निदेशक युवा कल्याण बनने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कार्यभार ग्रहण करवाया। डा. प्रताप राठी ने इस दायित्व के लिए कुलपति प्रो. राजबीर सिंह तथा कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा का आभार जताया। डा. प्रताप राठी ने कहा कि वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता से अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे। इस मौके पर निदेशक, एलुमनी रिलेशन्ज प्रो. सुमित गिल, यूथ रेड क्रॉस की कायक्रम समन्वयिका प्रो. अंजू धीमान, एनएसएस प्रोग्राम कोर्डिनेटर डा. सविता राठी, हेल्थ सेंटर प्रभारी डा. स्वाति दलाल, आउटरिच उप निदेशिका डा. एकता नरवाल, पीआरओ पंकज नैन, प्रतिष्ठित रंगकर्मी डा. आनंद शर्मा, पवन मल्होत्रा, डा. सौरभ वर्मा, राजबीर, नरेश अहलावत, केएल भाटिया एवं छात्र कल्याण कार्यालय कर्मी मौजूद रहे।

जिला जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर शुरू

फरीदाबाद। भारतीय रेड क्रॉस सचिव विजेंद्र सौरोत के नेतृत्व में जिला स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस के पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में किया जा रहा है जिसमें 20 विद्यालय से 100 विद्यार्थी व 20 जूनियर रेड क्रॉस काउंसलर भाग ले रहे हैं। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि अजीत सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी ने मां सरस्वती के सममुख दीप प्रज्वलित तथा रैड क्रॉस के संस्थापक सर जीन हेनरी ड्यूना के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रिंसिपल ज्योति मंगला ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्हें बुरी आदतों से दूर रहकर देश का सभ्य नागरिक बनना चाहिए।

एनसीसी कैडेट्स का हौसला बढ़ाने के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

महारानी किशोरी मेमोरियल कन्या महाविद्यालय के 73 एनसीसी कैडेट्स 4 हरियाणा गर्ल्स बटालियन के अंतर्गत सी ए टी सी-159 कैंप में भाग लिया। जिसमें से 37 सी सर्टिफिकेट और 36 बी सर्टिफिकेट की आगामी परीक्षा के अभ्यर्थी हैं। यह कैंप हरमन माइनर स्कूल फरीदाबाद के प्रांगण में 20 अक्टूबर तक आयोजित किया गया।

यह 10 दिवसीय कैंप था। जिसमें लगभग चार जिलों के 450 कैडेट्स ने हिस्सा लिया। जिसमें से 73 कैडेट्स महारानी किशोरी मेमोरियल कन्या महाविद्यालय की थी। इस शिविर में चार हरियाणा गर्ल्स बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर संजय चावला वीएसएम, सूबेदार मेजर रामू सिंह 4 एसोसिएट्स एनसीसी ऑफिसर 45 सीटीओ जीसीआई और पी आई स्टाफ शामिल था। इस शिविर के दौरान कैडेट्स को सुबह जल्दी जगाकर पीटी और शारीरिक व्यायाम कराया जाता है। इसके बाद ड्रिल फील्ड, क्राफ्ट बैटल, क्राफ्ट फायरिंग, वेपन ट्रेनिंग, मैप रीडिंग आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता था।

पावरग्रिड कंपनी ने दी नई एंबुलेंस व टिपर गाड़ी

● दृष्टि बाधित विद्यालय में बेहतर की जाएगी विद्युत व्यवस्था

● उपायुक्त के साथ कंपनी ने किया एमओयू साइन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारत सरकार की कंपनी पॉवरग्रिड एनआर-1 ने डीसी निशांत कुमार यादव के साथ सोमवार को एक एमओयू साइन कर पटौदी क्षेत्र के लिए एक एंबुलेंस गाड़ी और दो टिपर शुरू करवाए हैं। इसके अलावा कंपनी बहरामपुर के दृष्टिबाधित विद्यालय में सुचारू बिजली आपूर्ति के लिए एक जनरेटर व नई विद्युत लाईनें बिछाएगी। डीसी के साथ सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत साइन किए गए इस एमओयू के अनुसार पावरग्रिड ने गांव जमालपुर में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पंचायत को दो टिपर दिए हैं। ये घर-घर से कूड़ा उठाने का काम करेंगे। इसी प्रकार पटौदी सीएचसी के लिए एक एंबुलेंस दी गई है, जिसका आम नागरिक किसी आपात चिकित्सा सेवा के लिए लाभ उठा सकते हैं। कंपनी ने बहरामपुर स्थित दृष्टिबाधित विद्यालय में बिजली आपूर्ति के लिए एक जनरेटर सेट देने तथा वहां बिजली की नई लाइनें बिछाने का निर्णय लिया है। डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा कि गुरुग्राम को स्वच्छ बनाने में पावरग्रिड की यह एक सराहनीय पहल है।

रबी की बुवाई चरम पर, नहीं मिल रहा डीएपी खाद: तंवर

● दस वर्षों से निरंतर बनी है खाद की कमी, हो रही कालाबाजारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एसडीएम को खाद की कमी व कालाबाजारी के संबंध में ज्ञापन सौंपते किसान।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश प्रवक्ता सुखबीर तंवर के नेतृत्व में किसानों ने डीएपी खाद की कमी और कालाबाजारी, बीज की कमी के विरोध में उपमंडल अधिकारी (नागरिक), पटौदी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

उपमंडल अधिकारी (नागरिक) पटौदी दिनेश लुहाच को सौंपे ज्ञापन में कहा गया कि विगत 10 वर्षों की तर्ज पर रबी फसलों की बुवाई के समय डीएपी खाद की कमी व्याप्त है। कालाबाजारी जोर शोर से जारी है। खाद और वांछित बीज की कमी से कृषि उत्पादन में कमी और किसानों को हानि स्वभाविक है। मुख्यमंत्री से मांग की गयी है की अविलम्ब डीएपी खाद एवं बीज की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करते हुये खाद की कालाबाजारी पर अंकुश लगायें।

उन्होंने कहा कि अतीत की तर्ज पर केंद्र एवं राज्य सरकार का शोषण और पूंजीपतियों का पोषण कर रही है। क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि किसान को अपेक्षित मात्रा में खाद और बीज उपलब्ध कराये और कालाबाजारी पर अंकुश लगायें। स्वामीनाथन कमेटी के अनुपालन में न्यूनतम समर्थन मूल्य, किसान की दुगनी आय और न्यूनतम समर्थन मूल्य गारंटी कानून जुमला साबित हो चुके हैं। किसानों को एकजुट संघर्ष की आवश्यकता है। इस अवसर पर जगदेव यादव, बिशम्बर दयाल थानेदार, धनीराम, सुबे सिंह, जगमाल सिंह, देशराम, पंकज तंवर सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

नियम विरुद्ध सोलर पंप लगाए तो वापस देना होगा अनुदान: मीणा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

फसल की उत्पादन क्षमता बढ़ाने व लागत खर्च को कम करने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग हरियाणा द्वारा सोलर पंप लगाने के लिए किसानों को पीएम कुसुम योजना के तहत विशेष अनुदान दिया जा रहा है, ताकि किसानों पर वित्तीय बोझ न पड़े। उन्हें पारंपरिक पम्पों से छुटकारा मिल सके।

एडीसी हितेश कुमार मीणा ने सोमवार को बताया कि विभाग को इस प्रकार की शिकायतें मिल रही हैं कि कई किसानों ने अपने सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टमों को किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया है। या किसी अन्य स्थान पर स्थापित कर उन्हें अन्य कार्यों में उपयोग में लाया जा रहा है। एडीसी ने बताया कि जब पीएम कुसुम योजना के तहत किसानों को सोलर पंप लगाने की स्वीकृति दी जाती है तो उस समय किसानों से यह लिखित रूप में लिया जाता है कि वे अपने यहां लगने वाले सोलर पंप को ना तो किसी अन्य व्यक्ति को बेचेंगे व ना ही उसे अन्य जगह शिफ्ट करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर दिनेश गुप्ता बने आईएमए के प्रधान

फरीदाबाद। डॉक्टर दिनेश गुप्ता आईएमए फरीदाबाद के वर्ष 2025 के लिए प्रधान चुने गए है। जबकि उपप्रधान के लिये डॉ कविता सिरोही और डॉ कामना बक्शी चुनी गई। मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ राजेश जेटली की देखरेख में चुनाव सम्पन्न हुआ। नामांकन वापसी की 19 अक्तूबर शाम 5 बजे की समय सीमा पूरी होने के बाद चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए। उनकी इस नियुक्ति पर बल्लभगढ़ के विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरियाणा सरकार पंडित मूलचंद शर्मा ने उन्हें बधाई दी है। डॉ दिनेश गुप्ता के प्रेसिडेंट चुने जाने पर प्रदेश आईएमए के पूर्व प्रेसिडेंट डॉ सतीश चुग, डॉ एसएल वर्मा, डॉ नरेश जिंदल, डॉ अनिल गोयल, डॉ डीएस जसपाल, डॉ राज सरदाना, डॉ एपी सेतिया, डॉ अनिल मालिक के साथ ही प्रदेश के सीनियर आईएमए लीडर्स डॉ संदीप कालरा, डॉ अरुण गुप्ता, डॉ नीरज गुप्ता, डॉ रजनीश गुप्ता, डॉ सुभाष गोयल, डॉ शैलेश तोमर, डॉ आरपी गुप्ता, डॉ एसएस सिंघल, बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान सतेंदर भड़ाना, अग्रवाल विधा प्रचारिणी सभा बल्लभगढ़ के चेयरमैन देवेन्द्र गुप्ता व अग्रवाल पब्लिक स्कूल के सैक्रेटरी दिनेश गुप्ता एडवोकेट ने भी डा. दिनेश गुप्ता को उनकी जीत पर बधाई दी।

आईटीआई में प्रवेश की तिथि बढ़ाई

गुरुग्राम। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोहना में 30 अक्टूबर तक ऑन द स्पॉट दाखिले दिए जाएंगे। इच्छुक विद्यार्थी आईटीआई में अपना मेरिट कार्ड दिखाकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। आईटीआई सोहना की प्रिंसिपल सोनिका तक्षक ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के निदेशक के आदेश अनुसार सभी आईटीआई में अब तीस अक्तूबर तक विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं। उनके संस्थान में अभी 460 में से 143 सीटें विभिन्न ट्रेड की खाली हैं, जिन पर योग्य विद्यार्थियों को दाखिला दिया जाएगा। किसी विद्यार्थी ने अपना रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है तो वह एडमिशनआईटीआई की वेबसाईट पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकता है। इसके बाद मेरिट कार्ड लेकर विद्यार्थी दोपहर 12.30 बजे तक आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रिंसिपल ने बताया कि कौशल विकास व औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने कारपेंटर ट्रेड का नाम बदलकर वुडवर्क टैक्नीशियन कर दिया है। जो विद्यार्थी इस ट्रेड में दाखिला लेना चाहते हैं, वे वुडवर्क टैक्नीशियन में आवेदन करें।

नमाज बंद करने के लिए लामबंद हुए हिंदू संगठन

गुरुग्राम। समग्र हिंदू सेवा संघ हरियाणा तथा सनसिटी रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से उपायुक्त निशांत यादव को मांग पत्र देकर कहा है कि सेक्टर-54 स्थित सनसिटी रिहायशी कॉलोनी में एक खाली प्लॉट पर गैर कानूनी रूप से चल रही नमाज को बंद करवाया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से सनसिटी के निवासी वहां नमाज में बड़ी संख्या में आने वाले लोगों से परेशान है। समूचे निवासियों में एक डर एवं आतंक का माहौल व्याप्त हो गया है। उस प्लाट में 300 से अधिक संख्या में बाहरी लोग नमाज पढने के लिए आ रहे हैं। नमाज पढने वालों में सनसिटी कॉलोनी का कोई भी व्यक्ति नहीं है। वह प्लाट केवल रिहायश के लिए अलाट किया गया है। नियम अनुसार प्लाट का उपयोग अन्य किसी कार्य के लिए नहीं किया जा सकता। यह भी नियम है कि उपयोग की शर्तों को बदला नहीं जा सकता है।

गृह, सीआईडी और वित्त विभाग सीएम ने रखे अपने पास

हरियाणा सरकार ने बांटे मंत्रियों को विभाग, प्रोटोकॉल में विज का नंबर दूसरा, अरविंद, ढांडा व राव नरबीर के पास ज्यादा विभाग

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने रविवार आधी रात को प्रदेश के नवनियुक्त मंत्रियों को विभाग आवंटित कर दिए हैं। पूर्व मनोहर सरकार के दौरान विवाद का विषय रहा सीआईडी विभाग नायब सैनी ने अपने पास रख लिया है। हरियाणा में प्रोटोकॉल के अनुसार मुख्यमंत्री के बाद अनिल विज भले ही नंबर दो पर हैं लेकिन उन्हें न केवल औसत विभाग दिए गए हैं बल्कि उनके विभागों की संख्या तीन है। दूसरी तरफ अरविंद शर्मा, महिपाल ढांडा, राव नरबीर ऐसे मंत्री हैं जिन्हें विज के मुकाबले चार-चार विभाग आवंटित किए गए हैं।

हरियाणा सरकार द्वारा रविवार की रात 11.55 पर जारी की अधिसूचना के मुताबिक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने पास कुल 12 विभाग रखे हैं, जिनमें गृह विभाग, वित्त विभाग, आबकारी एवं कराधान विभाग, योजना विभाग, नगर एवं ग्राम नियोजन और शहरी संपदा विभाग सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा-संस्कृति विभाग अभियोजन विभाग, सामान्य प्रशासन हाउसिंग फॉर ऑल, सीआईडी, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, कानून एवं विधायी विभाग के अलावा वह सभी विभाग मुख्यमंत्री के पास होंगे जो किसी मंत्री को अलॉट नहीं किए गए हैं।

नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करते हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

सरकार में दूसरे नंबर की पोजिशन पर माने जाने वाले कैबिनेट मंत्री अनिल विज को परिवहन विभाग, श्रम विभाग, ऊर्जा विभाग, कृष्ण लाल पंवार को पंचायत एवं विकास, खान एवं भूविज्ञान विभाग, राव नरबीर को उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, पर्यावरण एवं वन विभाग, विदेश सहयोग विभाग,सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण दिया गया है।

कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा को शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग, संसदीय कार्य, अभिलेखागार विभाग, विपुल गोयल को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, शहरी स्थानीय निकाय विभाग,नागरिक उड्डयन विभाग, अरविंद शर्मा को सहकारिता विभाग। जेल विभाग, चुनाव विभाग, विरासत एवं पर्यटन विभाग, श्याम सिंह राणा को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मछली पालन विभाग दिया गया है।

इसी प्रकार कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा लोक निर्माण विभाग दिया गया है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) विभाग, आतिथ्य विभाग, वास्तुकला विभाग मिला है।

कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी को महिला एवं बाल विकास विभाग, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग आरती राव को स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, आयुष विभाग, राजेश नागर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (स्वतंत्र प्रभार)।

मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग(स्वतंत्र प्रभार), गौरव गौतम, राज्यमंत्री को युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता (स्वतंत्र प्रभार), खेल विभाग (स्वतंत्र प्रभार) तथा कानून एवं विधायी विभाग में मुख्यमंत्री के साथ जोड़ा गया है।

'हरियाणा से दिल्ली जा रहे पानी का बीओडी 2-3 एमजी प्रति ली.'

- मुख्यमंत्री नायब सिंह ने दिल्ली सरकार पर साधा निशाना
- दिल्ली सीमा से ओखला तक पानी में प्रदूषण के लिए कौन जिम्मेदार

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली सरकार द्वारा हरियाणा की ओर से दिए जाने वाले पानी को गंदा बताने वाले बयान पर जवाब देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार की आदत केवल झूठ बोलना और अपनी कमियों का दोष दूसरों पर मढ़ना है। दिल्ली सरकार को चलाने वाली आम आदमी पार्टी की यह रीत रही है कि उनको खुद के अलावा हमेशा सब में कमियां नजर आती ही हैं।

नायब सिंह सैनी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री द्वारा पानी में प्रदूषण को लेकर किए जा रहे दावों को खारिज करते हुए कहा कि हरियाणा से दिल्ली को जो पानी दिया जाता है, उसका बीओडी लगभग 2-3 एमजी प्रति लीटर होता है। इसके अलावा सीएलसी नहर के ज़रिए जो पानी दिल्ली को दिया जाता है उसका बीओडी शून्य के बराबर होता है। लेकिन दिल्ली सरकार यह बताए कि दिल्ली बॉर्डर से ओखला तक जो पानी के 28 नाले जाते हैं, उसमें प्रदूषण के लिए कौन जिम्मेदार है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार से पूछते हुए कहा कि दिल्ली सरकार यह भी बताए कि केंद्र सरकार से यमुना साफ करने के लिए दिल्ली सरकार को अभी तक 6,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा मिल चुके हैं।

शबाब पर है सरस मेला, खूब हो रही खरीदारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यहां सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली मैदान पर लगाया गया सरस आजीविका मेला-2024 अपने पूरे शबाब पर है। त्योहारी सीजन में मेला होने की वजह से यहां रोजाना हजारों लोगों की आवाजाही होती है। खरीदारी के साथ-साथ यह मेला पिकनिक स्पॉट भी बन गया है। गुरुग्राम समेत पूरे एनसीआर से मेट्रो से यहां लोग पहुंच रहे हैं।

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित व राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्थान द्वारा समर्थित सरस आजीविका मेला 2024 के प्रति लोगों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। देसी कला, संस्कृति और हस्तशिल्प के इस अनूठे महोत्सव ने गुरुग्रामवासियों को न सिर्फ भारतीय लोक कलाओं से रूबरू कराया है, बल्कि उन्हें ग्रामीण भारत की समृद्ध धरोहर से भी जोड़ा है। इस वर्ष मेले का आकर्षण और भी खास है, क्योंकि देशभर से आए कारीगर और शिल्पकार अपनी नायाब वस्तुओं और कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। सरस मेले में हर दिन बढ़ती भीड़ इस बात का प्रमाण है कि लोग इस आयोजन को लेकर बेहद उत्साहित हैं। मेलास्थल पर विभिन्न प्रकार की वस्तुएं, जैसे हस्तनिर्मित कपड़े, मिट्टी के बर्तन, जैविक खाद्य पदार्थ, और अन्य ग्रामीण उत्पाद लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। हर आयु वर्ग के लोग मेले में उमड़ रहे हैं और पारंपरिक वस्त्र, आभूषण, और घरेलू सजावट से लेकर स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा रहे हैं।

गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली मैदान पर सरस आजीविका मेले में गोवा पैवेलियन में पहुंची महिलाएं।

मेले के आयोजकों का कहना है कि इस बार सरस मेले में प्रदर्शकों और दर्शकों की संख्या में पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह मेला ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा है, जहां वे अपने उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचा रही हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं और स्वयं सहायता समूहों की मदद से ये महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपनी पहचान बना रही हैं।

सरस मेला न केवल ग्रामीण शिल्प और कला का उत्सव है, बल्कि यह शहरी और ग्रामीण भारत के बीच सेतु का काम भी कर रहा है। मेले में आए लोग न केवल उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन की झलक भी देख रहे हैं।

हरियाणा विधानसभा का विशेष सत्र 25 को, कादियान होंगे प्रोटेम स्पीकर

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

- पहले ही दिन होगा स्पीकर का चुनाव
- बेरी हलके से सात बार विधायक रह चुके हैं विधायक रघुबीर सिंह

हरियाणा विधानसभा का विशेष एक दिवसीय सत्र 25 अक्टूबर को होने जा रहा है। शक्रवार के सत्र में सभी विधायकों के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी।

विधायकों को शपथ दिलाने के लिए पूर्व स्पीकर और हरियाणा विधानसभा के सबसे वरिष्ठ विधायकों में शामिल डॉ. रघुबीर सिंह कादियान को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। सोमवार को हरियाणा विधानसभा सचिवालय की तरफ से कादियान की नियुक्ति के आदेश जारी किए जा चुके हैं। रघुबीर सिंह कादियान बेरी हलके से सात बार विधायक रहे हैं। इस बार उन्होंने कांग्रेस टिकट पर बेरी से जीत का सिक्सर लगाया है।

एक ही सीट से लगातार छह बार चुनाव जीतने वाले डॉ. रघुबीर सिंह कादियान पहले विधायक हैं। वह हरियाणा सरकार में विभिन्न विभागों के मंत्री भी रहे हैं। हुड्डा सरकार के पहले कार्यकाल में रघुबीर सिंह कादियान हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। ये चौथा मौका होगा जब वे विधायकों के शपथ दिलाएंगे।

17 अक्टूबर को नायब सरकार का गठन होने के बाद 18 अक्टूबर को कैबिनेट की पहली बैठक हुई। इस बैठक में विधानसभा सत्र को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ था। अलबत्ता कैबिनेट ने सत्र का निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अधिकृत किया था। अब सरकार ने शुक्रवार के सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में हरियाणा सरकार की ओर से विधानसभा सचिव को पत्र लिखकर तैयारियां करने को कहा है। इस पत्र में ही डॉ. रघुबीर सिंह कादियान को एक्टिंग स्पीकर बनाने का खुलासा किया है।

हरियाणा विधानसभा के स्पीकर (अध्यक्ष) का चुनाव शुक्रवार को ही होगा। पहले प्रोटेम स्पीकर डॉ. रघुबीर सिंह कादियान सभी विधायकों को शपथ ग्रहण करवाएंगे। इसके बाद स्पीकर का चुनाव होगा। भाजपा 48 विधायकों के साथ पूर्ण बहुमत से सरकार में है। ऐसे में स्पीकर के चुनाव में किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी।

माना जा रहा है कि घरौंडा से लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने वाले हरविंद्र सिंह कल्याण को विधानसभा स्पीकर बनाया जा सकता है। करनाल जिला की पांचों सीटों कमल खिला है। लेकिन कैबिनेट में एक भी विधायक को शामिल नहीं किया गया। करनाल को प्रतिनिधित्व देने के लिए ही हरविंद्र सिंह कल्याण को स्पीकर बनाने की अटकलें हैं।

लगातार चौथी बार विधायकों को शपथ ग्रहण कराने वाले कौन हैं रघुवीर सिंह?

पशु आहार में पीएचडी रघुबीर सिंह कादियान 16 वर्षों तक हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि के प्रोफेसर रहे। हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी के साथ-साथ रूसी भाषा के जानकार कादियान किसान परिवार से जुड़े हैं और समाजसेवा में उनके परिवार का अहम रोल रहा है। झज्जर के नेहरू कॉलेज के लिए भी उनके परिवार ने जमीन दान दी थी। विद्यार्थी जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रहे कादियान ने 1965-66 के दौरान हरियाणा छात्र संघ की स्थापना की। कई बड़े आंदोलन में सक्रिय रहे कादियान को 2004 में नई दिल्ली में 'हरियाणा रत्न' से सम्मानित किया गया। थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, नाइजीरिया, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, हांगकांग, स्विटजरलैंड, इटली, जापान, चीन, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, यूएसए व कनाडा सहित कई देशों का दौरा कर चुके डॉ. रघुबीर सिंह कादियान पहली बार 1987 में बेरी हलके से लोकदल टिकट पर विधायक बने। इसके बाद वे चुनाव हार भी गए। बाद में उन्होंने लोकदल को अलविदा बोल दिया और कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस टिकट पर पहली बार उन्होंने 2000 में बेरी से चुनाव जीता। 2000 के बाद से अभी तक हुए सभी छह चुनावों में उन्होंने जीत दर्ज की है। 2005, 2009, 2014 और 2019 के बाद इस बार भी उन्होंने बेरी से जीत हासिल की है। मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल यानी 2014 में भी उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाया गया और उन्होंने सभी विधायकों के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। 2019 में भी उन्हें ही प्रोटेम स्पीकर बनाया गया।

विद्यार्थी मानवता की सेवा के प्रति जागरूक हों: प्रो. प्रीति जैन

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विधि विभाग विधि विभाग के छात्र-छात्राओं को प्राथमिक चिकित्सा के बारे में ट्रेनिंग दी गई। इस अवसर डीन लॉ एवं विभागाध्यक्ष प्रो. प्रीति जैन ने कहा कि विद्यार्थियों मानवता की सेवा के प्रति जागरूक हो। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण द्वारा विद्यार्थियों में मानव सेवा के प्रति सेवा भावना जागृत होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पढाई के साथ सामाजिक गतिविधियों में भाग लेकर नशा एवं सामाजिक कुरीतियों का दूर करने में सहयोग करें ताकि एक स्वस्थ व खुशहाल समाज का निर्माण किया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक प्रो. डीएस राणा के निर्देशानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम में फील्ड कोऑर्डिनेटर डॉ. संतोष कुमार तथा प्राथमिक चिकित्सक व होम नर्सिंग व्याख्याता किरण कश्यप ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. संतोष कुमार कहा कि आजकल मशीनी युग है व्यक्ति तनाव ग्रस्त है वैसी स्थिति में जब कोई दुर्घटना हो जाती है तो लोग चाहते हुए भी पीड़ित व्यक्ति की मदद नहीं पाते।

बिश्नोई के खिलाफ जांच में सहयोग करेगी पुलिस: डीजीपी

- पड़ोसी राज्यों की पुलिस हरियाणा में कर रही जांच
- पुलिस शहीद दिवस पर डीजीपी ने बलिदानियों को दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा है कि गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के खिलाफ चल रहे हत्या व अन्य आपराधिक मामलों में हरियाणा पुलिस द्वारा पड़ोसी राज्यों की पुलिस को पूरी तरह से सहयोग किया जाएगा। कपूर ने सोमवार को पंचकूला पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर 'पुलिस शहीद स्मारक' पर पुष्प चक्र अर्पित कर भारतीय पुलिस बल के देशभर के 214 अमर शहीदों के बलिदानों को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में कपूर ने कहा कि चाहे बाबा सिद्दीकी मर्डर केस हो या कोई और हत्या का मामला हो जहां पर भी यह हुआ वहां की पुलिस मामले की जांच कर रही है। हरियाणा पुलिस का इसमें सहयोग होगा वह पूरी तरह से किया जाएगा। अपराधी किसी एक शहर का नहीं होता। अपराध को रोकने और अपराधी के विरूद्ध कार्रवाई के लिए सभी को एकजुट होना जरूरी है।

इससे पहले पुलिस महानिदेशक ने देश के पुलिस सेवा के सभी बलिदानियों को याद करते हुए कहा कि आज हम भारतीय पुलिस सेवा के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए हैं जिन्होंने देश की कानून-व्यवस्था को कायम रखने, देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने तथा नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा हेतु अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य के गठन से लेकर अब तक 83 पुलिसकर्मियों ने राज्य और इसके नागरिकों की सेवा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि आतंकवादी गतिविधियों से लड़ने के लिए हरियाणा पुलिस के जवानो को अत्याधुनिक हथियारों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वह समाज विरोधी तत्वों के द्वारा पेश की जा रही चुनौतियों का मुकाबला कर सकें तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके व राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान से बचाया जा सके।

कपूर ने आगे कहा कि हरियाणा पुलिस को सशक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। प्रदेश के सभी पुलिस थानों व चौकियों में आवश्यकता अनुरूप अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस तकनीकी उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं तथा सभी पुलिस थानों व पुलिस चौकियों को सीसीटीवी कैमरों से जोड़ा गया है। इसी प्रकार, शहीदों के परिजनों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को पहले से कई गुना बढ़ाया गया है। इतना ही नही, शहीद पुलिसकर्मियों के बच्चों को सरकारी नौकरी तथा आश्रित महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता भी दी जाती है। कपूर ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा 22 पुलिस पब्लिक स्कूलों की स्थापना की गई है। इनमें पुलिस कर्मचारियों के बच्चों को पढ़ाई के खर्च में 50 प्रतिशत छूट प्रदान की जाती है। इन स्कूलों में वर्ष 2022-23 से मृतक कर्मचारियों तथा मृतक एसपीओ के बच्चों को भी निशुल्क शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा रिटायर्ड पुलिसकर्मी तथा चतुर्थ श्रेणी के पुलिसकर्मियों के बेरोजगार बच्चों को रोजगार दिलवाने के लिए उनमें कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ऐसे युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता अनुसार प्रशिक्षित करते हुए नौकरियां दिलाई जा रही हैं। इसके लिए विभिन्न संस्थाओं से तालमेल स्थापित करते हुए काम किया जा रहा है।

बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों के लिए राष्ट्र कृतज्ञ: चारूबाली

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पुलिस व विभिन्न अर्धसैनिक बलों के बलिदानियों की स्मृति में पुलिस शहीद स्मारक भौण्डसी में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भौण्डसी पुलिस परिसर की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चारूबाली ने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों को शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र चढ़ाकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। बता दें 1 सितम्बर 2023 से 31 अगस्त 2024 तक पुलिस और विभिन्न अर्धसैनिक बलों के 214 जवान बलिदान हुए है।

चारूबाली ने कहा कि हरियाणा पुलिस के जवान विकट परिस्थितियों में अपने कर्तव्य निष्पादन करने में पूर्णतया सक्षम है। नागरिकों का विश्वास जीतकर हरियाणा पुलिस सदैव उनकी अपेक्षाओं पर खरी उतरी है। उन्होंने कहा कि कहा कि आज सम्पूर्ण राष्ट्र उन जवानों के प्रति कृतज्ञ है जिन्होंने हमारे देश को सुरक्षित रखने के लिए प्राण न्यौछावर किए। जवानों ने राष्ट्र हित को सर्वोपरी माना हैं। देश की स्वतन्त्रता व अखण्डता को कायम रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किल **श्रीमती शकुंतला** पत्नी श्री बिजेन्द्र सिंह एक निर्मित आवासीय मकान संख्या डी-25 की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज यानि 167.22 वर्ग मीटर और कवर्ड एरिया 20.00 वर्ग मीटर है, जो कि ग्राम सरपुर खादर, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश की पुरानी आबादी में स्थित है। यह पंजीकृत उपहार विलेख दिनांक 14.10.2022 को श्रीमती गुलकंदी देवी पत्नी स्वर्गीय श्री जयलाल द्वारा श्रीमती शकुंतला पत्नी श्री बिजेन्द्र सिंह के पक्ष में पंजीकरण संख्या 6974 के तहत एसआर-II। गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में निष्पादित किया गया है। उपरोक्त संपत्ति फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास बंधक होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/ग्रहणाधिकार, अधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत अधिवक्ता के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी/**एडवोकेट** विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली- 110092 के पते पर सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा। **एडवोकेट विशाल मेहन**, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली- 110092, मोबाइल - 9811215181

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public at large, on behalf of our client, **Mr. Sat Parkash Gupta S/o Mr. Banarsi Lal** R/o RZ-4, Jain Colony Part-2, Uttam Nagar West, Delhi-110059 (**"Mortgagor"**), that Conveyance Deed executed by POI Through DDA in favour of **Mr. Sat Parkash Gupta**, vide Conveyance Deed (PM Uday) dated 25.11.2021 Doc. No. 12561, Book No. 1, Vol. No. 11140, Page No. 167-172, on dated 14.12.2021 SRO-IX New Delhi.

Same property **Mr. Sat Parkash Gupta** (Mortgagor) mortgage the schedule property with Cholamandalam Investment & Finance Company Limited, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi. If any person race any objection for mortgaging the schedule property please **race your Objection with documentary proof within 7 days** of Publication below address:

Schedule Property

Residential Plot No. RZ-4, area measuring- 58.5 sq. yds., Out of Khasra No. 101/15/2, Situated in the area of Village Palam Delhi state, Colony known as Jain Colony T Block- II & III, Uttam Nagar.

Sachin Maheshwari & Associates (SMA) Law Offices, Sachin Maheshwari Advocate
Badarpur Border, New Delhi.
Ph.: 011-69653588, Mob.-9911380328

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that my client is intending to purchase the below mentioned schedule of property from its owner viz., Shri Surinder Singh son of Shri Tarsem Singh resident of 586-A, Gali No. 6, Govind Puri, Kalkaji, New Delhi-110019. If anybody is having any objection, claim, interest, dispute for the above intended sale transaction, he/she/they may contact the undersigned with the documentary proof substantiating his/her/their objections/claims/details of dispute/s within Fifteen (15) days from the date of this publication, failing which, my client will proceed to complete the sale transaction with the above owner as if there are no third party claims/objections/disputes in respect of the Schedule Property and there after no claims/objections/ disputes will be entertained. Schedule of Property All that the Property Premises is Second Floor (Left Side Portion), without roof rights, measuring 85 Sq. Yds., approx., of Property No. 1107-B, Gali No. 10, measuring 170 Sq. Yds., approx., carved out of Khasra No. 77, situated at Govind Puri, Kalkaji, New Delhi-110019 (India).

SATISH KHATANA (Advocate)
7-C, Mandakini Enclave, NRI Complex G.K.-IV New Delhi Mob:-99717-78737, 9810320525

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No.15434510N Hav Kotam Nageswara Reddy, R/o- VTC- Mahadevapalle, PO-Gangarapupalli, Sub Dist-Chakrayapet, Dist-Cuddapah, A.P.-516259, have changed my father's name from Kotam Gangireddy to Kotam Chinna Gangireddy for all future purposes, vide affidavit dated 21/10/2024 before Notary Public Delhi.

PD(866)C

It is for general information that I, MAMTA VERMA D/o ROHTASH, R/o C-140, 2nd Floor, Vivek Vihar, Vivek Vihar, PO: Jhilmil, DIST: East Delhi, Delhi-110095, declare that the name of my mother has been wrongly written as BABLESH in my 10th and 12th all Educational documents. the actual name of my mother is BABLI, which may be amended accordingly.

PD(867)C

I hitherto known as SITA RAM alias RAKESH S/o BHAGWAT PRASAD, R/o 3513, DARIBA PAN ARJUN GALI, PAHAR GANJ, Swami Ram Tirth Nagar S.O, DIST: Central Delhi, Delhi-110055, have changed my name and shall hereafter be known as SITA RAM .

PD(868)C

I hitherto known as HARPYARI W/o RAGHUVIR SINGH, R/o S-665 School Block, Shakarpur, Shakarpur, East Delhi, Delhi-110092, have changed my name and shall hereafter be known as HARPYARI DEVI.

PD(869)C

I hitherto known as Preeti W/o Deepak Garg, residing at Shanti Niketan Gali Number 4, Bagh colony Tibra Road, Modinagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204, have changed my name and shall hereafter be known as PREETI GARG.

PD(870)C

I hitherto known as Shagun Sharma D/o Late M.K. Sharma residing at H.No.9, VIJAY BLOCK, LAXMI NAGAR, EAST DELHI-110092, have changed my name as hereafter be known as SHAGUNN SHARRMA.

PD(871)C

It is for general information that I Vimlesh Devi W/o late Sh. SURINDRA PAL SINGH, residing at D-3, sector-23, sanjay nagar, Ghaziabad, UP-201002 declare that name of mine has been wrongly written as VIMLASH DEVI in my husband's PPO No-20127030290047. in my also medical Documents. The actual name of mine is VIMLESH DEVI which may be amended accordingly.

PD(872)C

I, DEEN MOHAMMED S/o NOOR AHMED R/o H.No. 36/293-94-95, Block-36, Trilokpuri East Delhi-110091, have changed the name of my minor son KAMIL MOHD aged 9 years and he shall hereafter be known as QAMIL MOHAMMED.

PD(873)C

किसानों को अब तक 4,783 करोड़ रुपए का भुगतान हुआ

- धान और बाजरा खरीद पर हरियाणा सरकार ने किया दावा
- अब तक 31 लाख 22 हजार, 866 मीट्रिक टन धान की हुई खरीद
- मंडियों से 21 लाख 35 हजार, 806 मीट्रिक टन धान का हुआ उठान
- कुरुक्षेत्र में हुई धान की सबसे ज्यादा खरीद

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में धान की खरीद व उठान की धीमी गति को लेकर किसान संगठनों तथा विपक्ष द्वारा किए जा रहे दावों के बीच सरकार ने दावा किया है कि अब तक प्रदेशभर की मंडियों में 35 लाख 63 हजार मीट्रिक टन धान की आवक हो हुई है, जिसमें से खरीद एजेंसियों द्वारा 31,22,866 मीट्रिक टन धान की खरीद एमएसपी पर की जा चुकी है। धान खरीद के लिए किसानों को 4,314 करोड़ रुपये का भुगतान सीधा किसानों के खातों में किया जा चुका है। अब तक मंडियों से 21,35,806 मीट्रिक टन धान का उठान किया जा चुका है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि इस बार ऑनलाइन गेट पास की सुविधा मिलने से किसानों को फसल बेचने में काफी सुविधा हो रही है। सरकार द्वारा कॉमन धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान का समर्थन मूल्य 2320 रुपए प्रति क्विंटल दिया जा रहा है।

विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि अब तक खरीदी गई कुल 31,22,866 मीट्रिक टन धान में से कुरुक्षेत्र में सबसे अधिक 7,19,497 टन धान की खरीद हुई है। इसके अलावा, कैथल जिला में 6,75,887 मीट्रिक टन, करनाल जिला में 6,26,219 मीट्रिक टन, अम्बाला जिला में 3,32,541 मीट्रिक टन, यमुनानगर जिला में 3,17,430 मीट्रिक टन, फतेहाबाद जिला में 1,93,373, जींद जिला में 1,01,912 मीट्रिक टन तथा पंचकूला जिला में 54,192 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। इसी प्रकार अन्य जिलों की मंडियों में भी आने वाली धान को खरीदा जा रहा है।

तीन लाख, 44 हजार मीट्रिक टन बाजरा खरीदा

प्रवक्ता ने बताया कि धान के साथ-साथ अन्य खरीफ फसलों की खरीद का कार्य भी एमएसपी पर किया जा रहा है। 1 अक्टूबर से एमएसपी पर बाजरे की खरीद भी जारी है। अब तक 3,44,795 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा जा चुका है। बाजरे की खरीद के लिए किसानों को 469 करोड़ का भुगतान सीधा उनके खातों में किया जा चुका है। उन्होंने जानकारी दी कि महेंद्रगढ़ जिला में सबसे अधिक 91,563 मीट्रिक टन बाजरा की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद की गई है। इसके अलावा, रेवाड़ी जिला में 82,300 मीट्रिक टन, भिवानी जिला में 50,805 मीट्रिक टन, गुरुग्राम जिला में 31,973 मीट्रिक टन, झज्जर जिला में 27,662 मीट्रिक टन, चरखी दादरी में 24,662 मीट्रिक टन तथा मेवात में 18,887 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद की गई है।

कैथल में पराली जलाने पर 14 किसान गिरफ्तार

चंडीगढ़। राष्ट्रीय राजधानी समेत हरियाणा में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के बीच कैथल जिले में अपने खेतों में पराली जलाने के लिए पिछले कुछ दिनों में 14 किसानों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। दिल्ली में खासतौर से अक्टूबर और नवंबर में, कटाई के बाद के मौसम के दौरान प्रदूषण का स्तर बढ़ने के लिए अक्सर हरियाणा और पड़ोसी पंजाब में पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

कैथल के पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) बीरभान ने फोन पर बताया, पिछले कुछ दिनों में पराली जलाने के लिए 14 किसानों को गिरफ्तार किया गया लेकिन बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया क्योंकि यह अपराध जमानती है। उन्होंने बताया कि पराली जलाने के लिए वायु (प्रदूषण रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम और कानून के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

बांग्लादेश की स्थिति

राजनीतिक उथलपुथल

बांग्लादेश में राजनीतिक उथलपुथल जारी है। ऐसे में 2025 में आम चुनाव से स्थिति सुधर सकती है। लंबी प्रतीक्षा के बाद बांग्लादेश में 2025 में आम चुनाव की संभावना बन रही है। बांग्लादेश के विधि सलाहकार आसिफ नज़रुल ने कहा था कि चुनाव-पूर्व तैयारियां पूरी करने के बाद अगले चुनाव 2025 में होंगे जिनमें नए निर्वाचन आयोग का गठन भी शामिल है। बांग्लादेश में गहराते बहुआयामी संकट के साथ ही नए आम चुनाव के लिए दबाव बढ़ रहा है ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल होकर देश में स्थायित्व आए। 2025 में आम चुनाव की संभावना राजनीतिक क्षेत्रों में चर्चा का केन्द्र बिंदु बन गई है। बहुत से लोग चुनाव को ऐसी वैध सरकार बनाने का आवश्यक कदम मानते हैं जो देश की आर्थिक समस्याओं का समाधान करे, कानून व्यवस्था की स्थिति बहाल करे तथा बांग्लादेश को ज्यादा स्थाई भविष्य की ओर ले जाए। लेकिन चुनाव के पहले अनेक बाधायें दूर करनी बाकी हैं। वर्तमान समय में व्यवस्था बनाए रखने का काम कर रही अंतरिम सरकार को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए उपयुक्त माहौल बनाना होगा। इसके लिए चुनावी धोखाधड़ी से निपटने, मतदाताओं और उम्मीदवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा चुनाव आयोग में सुधार जरूरी हैं क्योंकि पिछले वर्षों में 'पक्षपात' के कारण इसकी आलोचना हुई है। खासकर

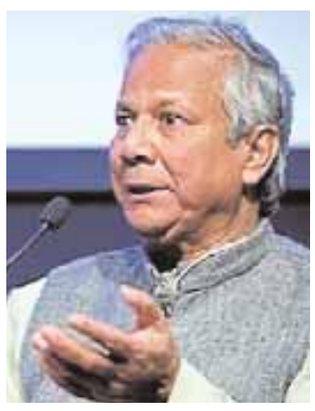

अमेरिका और यूरोपीय संघ से पड़ने वाला अंतरराष्ट्रीय दबाव बांग्लादेश में पारदर्शी व विश्वसनीय चुनाव कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। राजनीतिक समूहों के बीच संवाद विकसित करने तथा चुनाव सुधारों पर निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सहभागिता बहुत जरूरी है। हालांकि, 2025 में संभावित आम चुनाव आशा की किरण हैं, पर ये संपूर्ण समाधान की गारंटी नहीं हैं। स्थायित्व के रास्ते के लिए जटिल व संवेदनशील कदम जरूरी होंगे जनमें प्रभावी सत्ता-साझा व्यवस्थायें, अतीत की राजनीतिक गलतियों के लिए जवाबदेही तथा ऐसी आर्थिक नीतियां शामिल हैं जिनसे नागरिकों का वित्तीय बोझ कम हो सके। लोकरंजक लफ्फाजी तथा अतिवादी समूहों का उभार भी शांतिपूर्ण चुनावी परिवेश के लिए खतरा है। इसके साथ ही शेख हसीना निर्वासित हैं और उनकी अवामी लीग पार्टी का काफी बड़ा हिस्सा अराजकता का शिकार हो गया है। इसे देखते हुए बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य का बड़ा हिस्सा चुनाव प्रक्रिया से बाहर रह सकता है। शेख हसीना के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति की है। लेकिन उनके कार्यकाल में तानाशाही, विरोधियों को कुचलने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में बदलाव के आरोप भी लगे हैं। लोकतांत्रिक मानकों में गिरावट तथा बांग्लादेश नेशनललिस्ट पार्टी-बीएनपी समेत विपक्षी दलों पर कठोर कार्रवाई के कारण बांग्लादेश अत्यधिक राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा अशांति का शिकार है। राजनीति के हाशिए पर पहुंच चुके बांग्लादेश में 2025 में आम चुनाव कराने की संभावना आशंकाओं और उम्मीदों से भरी है। राष्ट्र का भविष्य मोटेतौर से अंतरिम सरकार की क्षमता और प्रबंधन पर निर्भर है। देखना होगा कि अंतरिम सरकार राजनीतिक हस्तांतरण का प्रबंधन कहां तक सटीक रूप से कर सकती है। इसके साथ ही यह सवाल भी बार-बार उठ रहा है कि क्या अंतरिम सरकार वास्तव में सच्ची लोकतांत्रिक प्रक्रिया का रास्ता खोलना चाहती है या नहीं। आने वाले महीने यह निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होंगे कि क्या बांग्लादेश वर्तमान उथलपुथल वाली स्थिति से उबर सकेगा और उसमें लोकतांत्रिक भावना पुन: पैदा होगी अथवा वह अराजकता और अस्थायित्व में घिरा रहेगा।

कनाडा में भारतीयों पर संकट

भारत और कनाडा के बीच पैदा राजनयिक संकट के कारण कनाडा में वीज़ा प्रक्रियायें, आप्रवास के मार्ग तथा भारतीय कामगारों व छात्रों के लिए अवसर बाधित हुए हैं।

के.एस. तोमर
(लेखक, रणनीति विशेषज्ञ हैं)

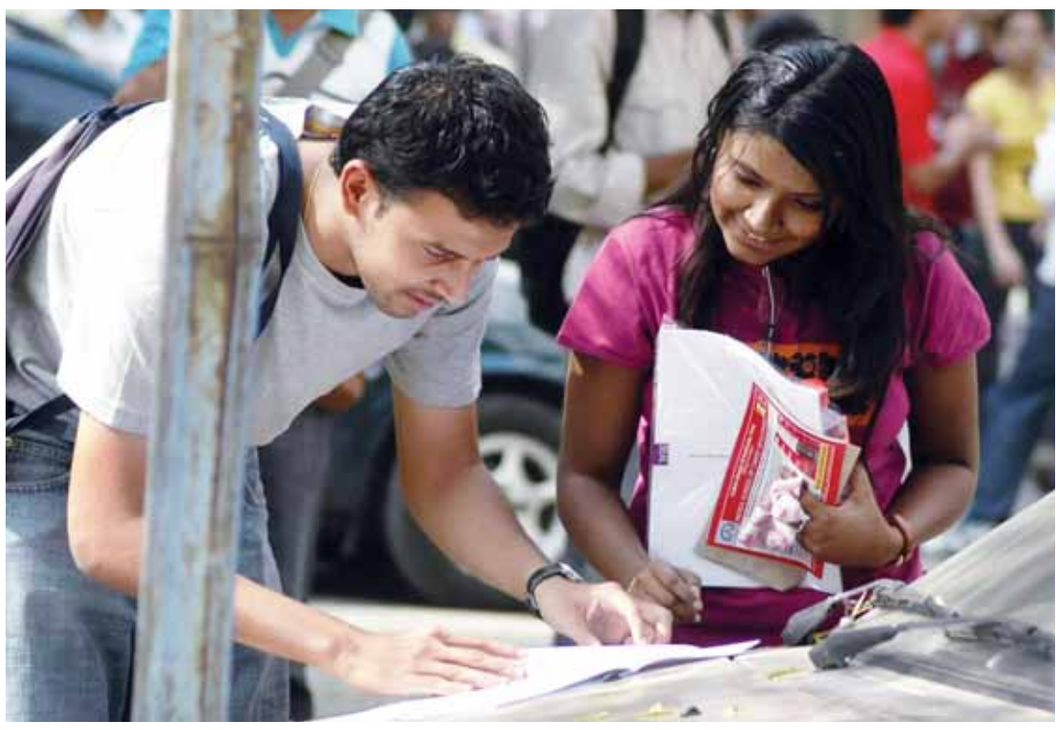

भारत और कनाडा के बीच वर्तमान राजनयिक तनावों के कारण वहां काम कर रहे या अध्ययनरत भारतीय नागरिकों अथवा कनाडा जाने की इच्छा रखने वालों पर संकट मंडरा रहा है। खासकर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा लगाए आरोपों तथा दोनों देशों द्वारा राजनयिकों के निष्कासन से स्थिति और गंभीर हुई है। ट्रूडो की लिबरल पार्टी सरकार का समर्थन घट रहा है और उनकी अल्पमत सरकार प्रमुख सिख राजनेता जगमीत सिंह के नेतृत्व वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी-एनडीपी के समर्थन पर निर्भर हो गई है। एनडीपी के समर्थन आधार में कनाडा की सिख जनसंख्या का बड़ा हिस्सा शामिल है और ट्रूडो उसका समर्थन पाने के प्रयास में भारत के खिलाफ कठोर दृष्टिकोण अपना रहे हैं। हालांकि, कनाडा में रहने वाले कुछ सिखों के विचार ये यह उनके हितों के खिलाफ है। भारत और कनाडा के बीच खराब होते संबंध अनेक प्रमुख क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं। इसमें कनाडा में कार्यरत भारतीय कामगारों पर प्रभाव सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

कनाडा के कुशल कामगारों में खासकर आईटी, स्वास्थ्यरक्षा, इंजीनियरिंग व फाइनेंस क्षेत्रों में भारतीयों का बड़ा हिस्सा है। अनेक वर्षों से कनाडा भारतीय पेशेवरों के लिए प्रमुख ठिकाना बना हुआ है जिसका कारण वहां की आप्रवास-हितैषी नीतियां हैं। हालांकि, कनाडा में कार्यरत भारतीय कामगारों पर तत्काल प्रभाव सीमित है, पर लंबे राजनयिक गतिरोध के कारण वर्क परमिटों, वीज़ा नवीनीकरण और स्थाई आवास-पीआर प्रार्थनाओं में विलंब हो सकता है। इनको निपटाने में लगने वाला समय बढ़ सकता है तथा कठोर जांच व्यवस्थायें लागू हो सकती हैं। ऐसे में भावी आप्रवासियों के लिए अनिश्चितता का माहौल है। संभावित आप्रवासियों या वर्क परमिटों की प्रतीक्षा कर रहे लोगों को वीज़ा स्वीकृति में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। यदि संबंध लगातार खराब होते रहे तो कनाडा भारतीय कामगारों के लिए ज्यादा कठोर आप्रवास नियम लागू कर सकता है जिससे उस देश में पेशेवरों का प्रवाह बाधित हो सकता है। कनाडा में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र हैं क्योंकि यह भारतीय छात्रों के लिए प्रमुख गंतव्य स्थल बन गया है। 2023 में कनाडाई विश्वविद्यालयों में लगभग 3,20,000 छात्र पढ़ रहे थे। देश की विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था, परास्नातक के बाद तुलनात्मक रूप से सरल आप्रवास के मार्ग तथा काम के विविधतापूर्ण क्षेत्रों के कारण कनाडा भारतीय छात्रों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। वर्तमान राजनयिक तनाव के कारण छात्र वीज़ा स्वीकृतियों में विलंब हो सकता है अथवा प्रार्थनापत्रों की ज्यादा कठोर जांच हो सकती है। हालांकि, फिलहाल ऐसे कोई संकेत नहीं हैं कि भारतीय छात्रों को फौरन अस्वीकार कर दिया जाएगा, लेकिन खासकर नए प्रार्थियों के लिए अनिश्चितता से प्रवेश प्रक्रियाओं में दबाव तथा विलंब बढ़ सकता है। अनेक भारतीय छात्र कनाडा में अपना अध्ययन पूरा करने के बाद 'पोस्ट ग्रेजुएशन वर्क परमिटों'- पीजीडब्लूपी के कारण रुके रहते हैं तथा अंतत: स्थाई आवास की प्रार्थना करते हैं। अब यह प्रक्रिया पूरी करने में तनाव बढ़ सकता है। इससे छात्रों को सहज ढंग से शिक्षा से रोजगार में जाने का रास्ता ज्यादा कठिन हो सकता है। वर्तमान स्थितियों से आप्रवास के तरीके भी प्रभावित हो सकते हैं। कनाडा का 'एक्सप्रेस इंट्री प्रोग्राम' भारतीय पेशेवरों तथा स्थाई आवास की मांग करने वाले छात्रों के लिए अत्यधिक लाभदायक रहा है। लेकिन यदि राजनयिक खाई बढ़ती है तो यह प्रक्रिया धीमी या ज्यादा कठोर हो सकती है। प्रार्थनापत्रों को निपटाने की प्रक्रिया लंबी हो सकती है, पृष्ठभूमि की ज्यादा कठोर जांच हो सकती है तथा संभावित नीतिगत परिवर्तनों से भी भारतीय प्रार्थी प्रभवित हो सकते हैं।

अनेक भारतीय नागरिकों के परिवारी सदस्य कनाडा में रहते हैं और उन्होंने परिवार एकीकरण या स्पांसरशिप कार्यक्रम की प्रक्रिया अपनाई है। राजनयिक गतिरोध के कारण उनकी प्रार्थनाओं पर विचार में विलंब हो सकता है। इसके साथ ही व्यापार एवं द्विपक्षीय समझौते तथा पेशेवर लोगों का आवागमन भी प्रभावित हो सकता है। यदि राजनयिक तनाव जारी रहा तो ऐसे पेशेवर लेनदेन, संयुक्त उद्यम तथा कार्पोरेट साझेदारी में विलंब हो सकता है जिसमें भारतीय और कनाडाई कंपनियां शामिल हों। इससे आईटी, दूरसंचार व कंसल्टेंसी जैसी कनाडाई कंपनियों में भारतीय पेशेवरों के रोजगार अवसर घट सकते हैं। वर्तमान गतिरोध से आप्रवास के तरीके भी प्रभावित होंगे। भारत और कनाडा के बीच समग्र आर्थिक साझेदारी समझौत-सीईपीए पर बातचीत चल रही थी जो अब ठंडे बस्ते में जा सकती है। इससे भारतीय पेशेवरों के आप्रवास को सुगम बनाने वाली पहलें प्रभावित हो सकती हैं तथा सहज व्यापार और रोजगार संबंधों के रास्ते भी प्रभावित हो सकते हैं। इन सभी आयामों को देखते हुए राजनयिक गतिरोध दूर करने के रास्ते खोजे जाने चाहिए। इसका सर्वाधिक प्रभावी तरीका राजनयिक संवाद विकसित करना है। दोनों देशों की सरकारों को समान आधार तलाश कर तनाव घटाने पर काम करना चाहिए। राजनयिक चैनलों को दोनों पक्षों के नागरिकों के हितों को संरक्षण देते हुए गलतफहमी दूर करने के प्रयास करने चाहिए। स्थितियों को सुधरने की प्रतीक्षा करते हुए छात्रों और पेशेवरों को वैकल्पिक देशों, जैसे ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया या जर्मनी जाने पर विचार करना चाहिए क्योंकि वे भी भारतीय नागरिकों के लिए शिक्षा के ऐसे ही अवसर तथा काम के अवसर प्रदान करते हैं। इस गतिरोध का कारण कनाडा में सिख समुदाय की भूमिका तथा वोटबैंक की राजनीति है। भारत के बाहर कनाडा में सिखों की जनसंख्या सबसे अधिक है। यहां लगभग 770,000 सिख हैं जो कनाडाई जनसंख्या का लगभग 2 प्रतिशत हैं। इनमें से अधिकांश सिख ब्रिटिश कोलम्बिया, ओंटारियो और अल्बर्टिया के चुनाव जिलों में हैं। कुछ चुनाव क्षेत्रों में सिख महत्वपूर्ण मतदाता समूह हैं जो चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। कनाडा में 2025 में चुनाव होने हैं जिनके चलते ट्रूडो को सभी प्रमुख समुदायों में अपना समर्थन आधार मजबूत करने की जरूरत है। वर्तमान सरकार के अल्पसंख्यक दर्जे को देखते हुए उनको गठबंधनों, जैसे एनडीपी के साथ गठबंधन पर जोर देना होगा। इसके साथ ही उनको समृद्ध आप्रवासी मतदाताओं में अपना आधार मजबूत करना होगा। इनमें सिखों का प्रभुत्व है।

जस्टिन ट्रूडो के वर्तमान राजनयिक कार्य इन समूहों के महत्वपूर्ण मुद्दों से स्वयं को जोड़ने तथा अपना समर्थन आधार बढ़ाने पर केन्द्रित हैं। ऐतिहासिक रूप से सिख समुदाय खासकर ट्रूडो के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी का समर्थन करता रहा है। उनकी कैबिनेट में अनेक लोग तथा हाईप्रोफाइल सिख नेता इसी समुदाय से आते हैं। इस प्रकार अगले चुनाव में सिखों का समर्थन प्राप्त करना लिबरल पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, कनाडा में रहने वाले सभी सिख खालिस्तान आंदोलन का समर्थन नहीं करते हैं, पर प्रभावशाली पैरोकारी समूह बनाने वाले लोगों ने कनाडा की राजनीति में इस मुद्दे को आगे बढ़ाया है। ट्रूडो का कामकाज मतदाताओं के इस हिस्से को प्रभावित करना है जिसे अपना वोटबैंक मजबूत करने के प्रयास की तरह देखा जा रहा है। भावी चुनाव के कारण उनकी सरकार पर भारी दबाव है। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रूडो की रणनीति स्वयं को कनाडाई संप्रभुता के रक्षक की तरह पेश करने की है। इस कदम से वे मतदाताओं में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा वरीयता पर लाना चाहते हैं। यह पश्चिमी देशों द्वारा घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप के मुद्दे को महत्व देने के भी अनुरूप है, हालांकि भारत ने कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इन आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंध बहुत खराब हो गए हैं कि भारतीय एजेंट कनाडा की धरती पर खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल थे। उनके अतिवादी राजनयिक कदम से दोनों देशों के संबंध बहुत खराब हो गए हैं। इसे वोटबैंक राजनीति तथा आगामी चुनावों को देखते हुए ट्रूडो पर घरेलू दबाव का परिणाम माना जा रहा है।

ना कहने की कला

> उत्पादकता, भलाई और पेशेवर अखंडता को बनाए रखने के लिए कुछ कार्यों या अनुरोधों को अस्वीकार करने की क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है।

साक्षी सेठी
(लेखक शिक्षक हैं)

सीमाएँ निर्धारित करने से कर्मचारी उच्च-मूल्य वाले कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं और उनकी भलाई की रक्षा होती है। आधुनिक कार्यस्थल में, पेशेवरों से अक्सर कई तरह के कार्यों और जिम्मेदारियों को संभालने की अपेक्षा की जाती है, जिससे अभिभूत होना आसान हो जाता है। जबकि कई कर्मचारी अच्छे पक्ष में रहने या अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए हाँ-बॉस की मानसिकता अपनाते हैं, ना कहने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो सकती है। कुछ अनुरोधों को अस्वीकार करना सीखना, प्रतिनिधिमंडल के प्रभावी उपयोग के साथ, समय प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने और कार्यों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पूरा करने की कुंजी है। आज के तेज़-तर्रार और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कार्य वातावरण को देखते हुए, ना कहना सीखना किसी भी पेशेवर के लिए सबसे मूल्यवान कौशल में से एक हो सकता है। जबकि कार्यस्थल अक्सर व्यक्ति को कर-सकने वाले रवैये के साथ पुरस्कृत करता है, लेकिन उत्पादकता, भलाई और पेशेवर अखंडता को बनाए रखने के लिए कुछ कार्यों या अनुरोधों को अस्वीकार करने की क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है।

अक्सर असहयोगी के रूप में देखे जाने, सहकर्मियों के साथ संबंधों को नुकसान पहुँचाने या भविष्य के अवसरों को खोने का एक अंतर्निहित डर होता है। इसका परिणाम एक अतिभारित शेड्यूल है, जो उत्पादकता में कमी, खराब कार्य गुणवत्ता और यहाँ तक कि बर्नआउट का कारण बन सकता है। यह व्यक्ति और संगठन दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, क्योंकि अत्यधिक काम के बोझ तले दबे कर्मचारियों को समय-सीमा को पूरा करने या घटिया काम करने में परेशानी हो सकती है। मना करने की क्षमता केवल अनुरोधों को अस्वीकार करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह उन

सीमाओं को निर्धारित करने के बारे में है जो किसी के समय और ऊर्जा की रक्षा करती हैं, यह सुनिश्चित करती हैं कि सबसे महत्वपूर्ण कार्यों को वह ध्यान मिले जिसके वे हकदार हैं। अनावश्यक या कम प्राथमिकता वाले कार्यों को न कहने से पेशेवरों को उच्च-मूल्य वाले काम पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति मिलती है, जिससे बेहतर परिणाम मिलते हैं, संगठन में अधिक योगदान मिलता है और व्यक्तियों को अपनी मुख्य जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करने से रोकने में मदद मिलती है। इसके स्पष्ट लाभों के बावजूद, न कहना अक्सर कहने में आसान होता है, करने में नहीं। कई कर्मचारियों को सांस्कृतिक या संगठनात्मक दबावों के कारण कार्यों को अस्वीकार करना मुश्किल लगता है जो मददगार होने को जितना संभव हो उतना काम लेने के बराबर मानते हैं। कुछ को तो यह भी डर है कि न कहने से उन्हें मुश्किल या टीम के खिलाड़ी बनने के लिए अनिच्छुक करार दिया जा सकता है, जिससे पदोन्नति या अवसर छूट सकते हैं। इसके अलावा, व्यक्ति अक्सर न कहने में व्यक्तिगत बाधाओं से जूझते हैं। पूर्णतावाद, संघर्ष का डर या दूसरों को खुश करने की इच्छा सीमाएँ निर्धारित करना कठिन बना सकती है, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारी यह चिंता करते हैं कि अतिरिक्त कार्यों को करने से मना करना उनकी अक्षमताओं या काम के प्रति समर्पण की कमी को दर्शाता है। लेकिन वास्तव में, कार्यस्थल पर मना करने से व्यक्ति और संगठन दोनों के लिए कई महत्वपूर्ण लाभ होते हैं। जब किसी कार्य को सीधे मना करना एक विकल्प नहीं होता है, तो प्रभावी प्रतिनिधिमंडल एक रचनात्मक विकल्प प्रदान कर सकता है क्योंकि यह काम को एक टीम में वितरित करने की अनुमति देता है, जो समग्र उत्पादकता को बढ़ा सकता है, आत्मविश्वास बनाने में मदद कर सकता है और टीम के भीतर स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दे सकता है। यह रणनीतिक कार्यों और उच्च प्राथमिकता वाली जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करने में भी मदद करता है, जिन पर उनका ध्यान देने की आवश्यकता होती है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यक्तियों की क्षमताओं में विश्वास प्रदर्शित करता है, जो टीम के मनोबल को बेहतर बना सकता है और अधिक सहयोगी कार्य वातावरण को प्रोत्साहित कर सकता है।

हालाँकि, मना करना और प्रभावी ढंग से काम सौंपना कार्यस्थल में सफलता के लिए दो महत्वपूर्ण कौशल हैं। मना करना सबसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए समय और ऊर्जा की रक्षा करने में मदद करता है, जबकि प्रतिनिधिमंडल नेताओं को काम को अधिक प्रभावी ढंग से वितरित करने और दूसरों को सशक्त बनाने की अनुमति देता है। मना करने और काम सौंपने की कला में महारत हासिल करके, पेशेवर न केवल अपने कार्यभार का प्रबंधन कर सकते हैं, बल्कि एक अधिक कुशल और सशक्त टीम को भी बढ़ावा दे सकते हैं।

आप की बात

आयुष्मान भारत योजना

आयुष्मान भारत योजना से बड़ी संख्या में लोग इलाज का लाभ उठा रहे हैं। बायोमीट्रिक पहचान के जरिए सही लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। मगर कुछ हॉस्पिटल इस योजना में गलत तरीके से फायदा उठाने से बाज नहीं आ रहे हैं। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक-कैग ने ऐसे 24 अस्पताल चिन्हित किए हैं जिन्होंने अपनी क्षमता से अधिक मरीजों की भर्ती बताकर सरकार से भुगतान प्राप्त किया है। इसके अलावा आयुष्मान योजना में इलाज पूर्णत: निशुल्क होने के बावजूद भी कुछ हॉस्पिटल मरीजों के परिवारों से दवाइयां व जांच व अन्य सामग्री के पैसे लेते हैं। यह सरासर बेइमानी है जिसका कारण इस योजना से लाभ उठाने वाले अधिकांश लोगों को पूरी जानकारी का अभाव है। इसके साथ ही शिकायतें मिली हैं कि आयुष्मान योजना के लाभार्थियों के प्रति हॉस्पिटल के स्टाफ और डॉक्टर उचित व्यवहार नहीं करते हैं। इससे मरीजों को अपमान झेलना पड़ता है। कई हॉस्पिटल तो आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज करने से मना कर देते हैं। आयुष्मान भारत योजना के लक्ष्यों को विफल करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के साथ इस योजना के लाभ सभी जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। इससे जनता को पूरा लाभ आसानी से मिलेगा।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

चंद्रबाबू नायडू की राय

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू उस सरकार का हिस्सा हैं जिसके अनेक नेता पिछले काफी समय से जनसंख्या नियंत्रण नीतियां लागू करने की मांग कर रहे हैं। कुछ भाजपा सदस्यों ने दो बच्चों की नीति पर जोर दिया है। मगर चंद्रबाबू नायडू ठीक इसके विपरीत जाते हुए अपने राज्य में ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में बुढ़ाते लोगों की संख्या चिंता का विषय है। राज्य सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए कानून बनाएगी। नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कई जिले ऐसे हैं जहां गांवों में सिर्फ बुजुर्ग ही बचे हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में प्रजनन दर लगातार गिरती जा रही है। देश में जहां औसत प्रजनन दर जहां 2.1 है, वहीं दक्षिण भारतीय राज्यों में यह गिर कर 1.6 तक पहुंच गई है। हालांकि, केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के अनुसार 2036 तक देश की 34.55 करोड़ आबादी ही युवा होगी जो अभी 47 प्रतिशत से ज्यादा है। अभी देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं, लेकिन अगले 15 साल में यह संख्या और तेजी से गिरेगी। हालांकि, चंद्रबाबू नायडू की चिन्ता दक्षिण भारत के लिए तो ठीक है, पर यही बात बिहार व उत्तर प्रदेश पर लागू नहीं होती है।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

चुनावी राजनीति

चुनावों की घोषणा होते ही मतदाताओं को लुभाने, भरमाने या भड़काने की होड़ मच जाती है। महाराष्ट्र और झारखंड में प्रमुख दो गठबंधन चुनाव मैदान में हैं तथा मतदाताओं को रिझाने के लिए लुभावनी घोषणायें कर रहे हैं। लेकिन जाति और धर्म के मुद्दे को उठाकर राजनीति करने वाले दलों के लिए विजय पथ अधिक पथरीला हो गया है क्योंकि जनता अब खोखले नारों की असलियत समझने का प्रयास कर रही है। मुस्लिमों को भाजपा का भय दिखाकर और भाजपा को उनका स्थाई दुश्मन बताने वाली कांग्रेस व उसके गठबंधन के साथियों के विरुद्ध मुस्लिमों के मन में लगातार बढ़ता संदेह यही सिद्ध करता है। अनेक प्रकार के मुल्ला-मौलवी सोशल मीडिया पर मुसलमानों को भाजपा के खिलाफ भड़काने वाली बातें करते हैं। इनमें से अधिकांश कांग्रेस या उसके सहयोगियों के बजाय छोटी मुस्लिम पार्टियों के समर्थक हैं। इनकी भड़काऊ बातें कई बार कानून और संविधान की सीमायें तोड़ती नजर आती हैं, लेकिन विडंबना है कि ऐसे तत्वों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। समय आ गया है कि सिर तन से जुदा जैसे नारे लगाने वालों के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई हर स्तर पर सुनिश्चित की जाए।

- सुधाकर आशावादी, मेरठ

सोने के दाम

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में सोने पर 6 प्रतिशत ड्यूटी घटाकर जो राहत और खुशी महिलाओं दी थी वो कुछ माह में ही गुम हो गई। ड्यूटी घटाने पर सोना 3000 रुपये प्रति 10 ग्राम कम होकर करीब 68800 हो गया था किन्तु अब तो वह 79000 पार हो गया। कहते हैं सोना जितना तपता है उतना ही निखरता है। लेकिन बढ़ती कीमतों ने तो उल्टे उसके खरीदारों को ही तपा दिया। धनतेरस तक तो इसके दाम और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। निर्मला जी ने सोना सस्ता कर महिलाओं का जितना दिल जीता था आज उतना ही महंगा होने से सोना नारियों के लिए अब दिलजला होता जा रहा है। सरकार को घरेलू बाजार में सोने के दाम कम करने के उपाय करने चाहिए। शायद ड्यूटी और घटाने पर विचार हो सकता है। सोने के दामों से उसके खरीदारों के साथ ही लाखों छोटे-बड़े कारीगरों की किस्मत भी जुड़ी है। यह देखना भी जरूरी हो गया है कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के लिए काम करने वाले कारीगरों की जिंदगी में कितनी चमक आई है।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

त्रेता युग का अनुभव कराएंगे संस्कृति विभाग के मंच

दीपोत्सव 2024

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

अयोध्या में आठवां दीपोत्सव होगा महाभव्य

दीपोत्सव 2024 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और रामनगरी अयोध्या में भव्य आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। इस वर्ष, दीपोत्सव का आठवां संस्करण पहले से भी अधिक भव्य और अद्वितीय होने जा रहा है। योगी सरकार के नेतृत्व में अयोध्या को त्रेता युग के स्वरूप में ढालने का प्रयास जारी है, जिससे भगवान श्रीराम के समय की पवित्रता और आध्यात्मिकता का अनुभव कराया जा सके। राम की पैड़ी, जहां लाखों दीप जलाए जाएंगे, को विस्तार देने का काम चल रहा है और नगर को पूरी तरह से सजाया और संवारा जा रहा है।

दीपोत्सव 2024 का आयोजन भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद पहली बार हो रहा है, जिससे इस पर्व की महत्ता और भी बढ़ गई है। योगी सरकार के नेतृत्व में अयोध्या को त्रेता युग के स्वरूप में ढालने का प्रयास हो रहा है। रामनगरी को सजाने और संवारने का काम दिन-रात जारी है, ताकि इस आयोजन को अद्वितीय और यादगार बनाया जा सके। संस्कृति विभाग द्वारा दीपोत्सव के लिए 10 बड़े सांस्कृतिक मंचों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें तीन बड़े और सात छोटे मंच शामिल हैं। इन मंचों पर आधुनिक तकनीक के सहारे त्रेता युग की झलकियों को प्रदर्शित किया जाएगा। रामकथा पार्क में एक विशाल प्रदर्शनी का आयोजन होगा, जो रामायण के विभिन्न प्रसंगों को आधुनिक तकनीकी माध्यमों से जीवंत करेगी। इस प्रदर्शनी में श्रद्धालु त्रेता युग का अनुभव कर सकेंगे और रामायण के महत्वपूर्ण पलों को करीब से देख पाएंगे। दीपोत्सव के भव्य आयोजन के लिए अयोध्या नगर निगम और संस्कृति विभाग मिलकर काम कर रहे हैं।

नगर निगम शहर की साफ-सफाई और पेंटिंग का कार्य कर रहा है, जबकि संस्कृति विभाग मठों, मंदिरों और धार्मिक स्थलों को सजाने-संवारने में जुटा हुआ है। मठ-मंदिरों की सजावट के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक और भव्य वातावरण का अनुभव हो। इस वर्ष, दीपोत्सव से पहले अयोध्या को राजधानी लखनऊ से जोड़ने वाले गोरखपुर-लखनऊ रोड को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। इस मार्ग पर रामायण से जुड़े प्रसंगों की जीवंत झलकियां प्रस्तुत की जाएंगी। मार्ग के दोनों ओर रामायण के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों को चित्रित करने की योजना बनाई गई है, जिससे दीपोत्सव की पवित्रता और महत्ता को बढ़ाया जा सके। दीपोत्सव 2024 के कार्यक्रम 28 से 30 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे।

इस दौरान अयोध्या के प्रमुख स्थलों पर दीपों की जगमगाहट के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम होगी। मुख्य आयोजन स्थल राम की पैड़ी को भव्य रूप से सजाया जाएगा और यहां लाखों दीप जलाए जाएंगे।

पूरे शहर में 10 सांस्कृतिक मंच बनाने की योजना

- रामकथा पार्क-यहां आधुनिक तकनीकी आधारित प्रदर्शनी का आयोजन होगा।
- गुप्तार घाट-यहां बड़े सांस्कृतिक मंच का निर्माण किया जाएगा।
- बड़ी देवकाली-यहां भी एक प्रमुख मंच बनेगा।
- नया घाट-यहां दीपोत्सव के दौरान सबसे बड़ा मंच होगा।
- रामघाट-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- बिड़ला धर्मशाला, भरतकुंड, तुलसी उद्यान, भजन संध्या स्थल, नाका हनुमानगढ़ी, बस अड्डा बाईपास, और धर्मपथ में भी छोटे-छोटे मंच बनाए जाएंगे।

यूपी में धार्मिक, आध्यात्मिक, ईको के साथ ही महत्वपूर्ण हेरिटेज साइट्सः जयवीर सिंह

भारत सरकार की स्वदर्शन 2.0 स्कीम के तहत संत गुरू गोरखनाथ की तपोभूमि गोरखगिरि पहाड़ी एवं रहिलिया सूर्य मंदिर तथा कीरत सागर झील का होगा पर्यटन विकास

लखनऊ। पर्यटन मंत्री ने जयवीर सिंह ने कहा कि महोबा जिले में स्थित गोरखगिरि पहाड़ी पूज्य संत गुरु गोरखनाथजी की तपोभूमि रही है। यहीं वह अपने शिष्यों के साथ रहते थे। केंद्र सरकार ने यहां के पर्यटन विकास की पहल की है। विशिष्ट ग्रेनाइट चट्टान संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध इस पर्वत के साथ-साथ रहिलिया सूर्य मंदिर और कीरत सागर झील के आसपास पर्यटन सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इस स्थल का भारत सरकार की स्वदेश दर्शन स्कीम 2.0 के तहत चयन किया गया।

पर्यटन मंत्री ने जयवीर सिंह ने बताया कि गोरखगिरि पहाड़ी के ऊपर, जो अपनी विशिष्ट ग्रेनाइट चट्टान संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध है। इस साइट पर गुफाएं और झरने हैं, जो एक मनोरम प्राकृतिक परिदृश्य पेश करते हैं। यहां आने वाले पर्यटक रॉक क्लाइम्बिंग के रोमांच का आनंद ले सकते हैं, जबकि अन्य लोग प्राकृतिक परिवेश के बीच शांतिपूर्ण पिकनिक का विकल्प चुन सकते हैं। साथ ही, यहां ग्रेनाइट से बना 9वीं शताब्दी का सूर्य मंदिर है। महोबा का समृद्ध इतिहास इसकी कई झीलों में परिलक्षित होता है, जिसमें कीरत सागर भी शामिल है। कीरत सागर झील को कीर्तिवर्मन ने 1060-1100 ई. के बीच बनवाया था। यह अपने प्रभावशाली ग्रेनाइट तटबंधों के लिए विख्यात है। पर्यटन मंत्रालय ने इस योजना को नया रूप दिया है, जिसके तहत देश भर में टिकाऊ और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के समग्र मिशन के साथ स्वदेश दर्शन 2.0 का शुभारंभ किया है। वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ, स्वदेश दर्शन 2.0 नामक संशोधित योजना का उद्देश्य पर्यटन स्थल के रूप में भारत की पूरी क्षमता का उपयोग करके आत्मनिर्भर भारत प्राप्त करना है। इसका उद्देश्य पर्यटन और संबद्ध बुनियादी ढांचे, पर्यटन सेवाओं, मानव पूंजी विकास, गंतव्य प्रबंधन और नीति और संस्थागत सुधारों द्वारा समर्थित संवर्धन को कवर करते हुए टिकाऊ और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करना है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में धार्मिक, आध्यात्मिक, ईको के साथ-साथ महत्वपूर्ण हेरिटेज साइट्स हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। इसमें महोबा जिले का नाम अग्रणी है। इस स्कीम के तहत हीरो पर्यटन आकर्षण का चयन करते हुए आसपास के पर्यटकों को आकर्षित करने वाले स्थलों का चयन कर वहां का पर्यटन विकास कराया जाता है। उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत प्रवेश द्वार, साइनेज, म्यूरल वाल, स्ट्रीट लाइट, इंटरप्रेटेशन सेंटर और ओपेन एयर थिएटर सहित अन्य पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि योजना को मूर्त रूप देने के लिए तीव्र गति से प्रक्रिया चल रही है। पिछले दिनों विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया की अध्यक्षता में पर्यटन विभाग और वास्तुविदों की टीम ने साइट्स का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, योजना के तहत नैमिषाण्य, सीतापुर और प्रयागराज का चयन किया गया है।

सीएम योगी ने पूर्व मंत्री किरणपाल सिंह के निधन पर जताया शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री किरणपाल सिंह का सोमवार को निधन हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। किरणपाल सिंह यूपी सरकार में बेसिक शिक्षा मंत्री का दायित्व संभाल चुके हैं। वर्तमान में वे रालोद से जुड़े थे। उन पर राष्ट्रीय सचिव का दायित्व था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री किरणपाल सिंह के निधन पर शोक जताया। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। बुलंदशहर के धमेड़ा कीरत गांव के मूल निवासी किरणपाल सिंह काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। सोमवार को मेरठ के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। किरणपाल सिंह बुलंदशहर की अगौता सीट से पांच बार विधायक रहे। वर्तमान में वे रालोद के राष्ट्रीय सचिव थे।

जन समस्याओं के समाधान के लिए तय होगी जवाबदेहीः केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो?, कठोर कार्यवाही की जाय। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार -बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए । जनता दर्शन में भूमि विवाद ,दुर्घटनाओं से संबंधित ,अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, , भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने,सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक- एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना।

केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में कृषि के विकास पर दिया गया जोर

लखनऊ। केंद्रीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण, भारत सरकार रामनाथ ठाकुर की अध्यक्षता में आज उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री, कृषि राज्य मंत्री और प्रमुख सचिव (कृषि) की उपस्थिति में केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश के विभिन्न कार्यों और योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री ने राज्य में चल रही कृषि योजनाओं का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया और किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने का कार्य एक सप्ताह में शुरू किया जाएगा, जिससे किसानों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। प्रमुख सचिव (कृषि) ने बताया कि उत्तर प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में देश में अग्रणी है, लेकिन उत्पादकता में वृद्धि के लिए कृषि में निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने दलहनी और तिलहनी फसलों के क्षेत्र को बढ़ाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि किसान रजिस्ट्री तैयार करने का अभियान शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही, उत्तर प्रदेश में वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य के तहत उत्पादन वृद्धि की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने अपने संबोधन में मिट्टी की जांच और मृदा स्वास्थ्य के सुधार की दिशा में कार्यों की समीक्षा की और राज्य में गुणवत्तायुक्त बीज एवं खाद वितरण की स्थिति पर भी जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी खाद और बीज की उपलब्धता में समस्या है, तो प्रभावी पर्यवेक्षण की आवश्यकता है। कृषि राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश ने केंद्रीय राज्य मंत्री और कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित थे।

'सुरक्षित स्नान' की तैयार हो रही ठोस कार्ययोजना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

महाकुंभ-2025 में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा को योगी सरकार सुनिश्चित करने जा रही है। विशेषकर संगम में डुबकी लगाकर पुण्य कमाने आने वाले एक भी श्रद्धालु के साथ अनहोनी न हो, इसके लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ठोस योजना पर काम कर रहे हैं। इन एजेंसियों के प्रशिक्षित जवान अत्याधुनिक उपकरणों के साथ गंगा, यमुना और संगम के घाटों व जल में तैनात रहेंगे। इस बार महाकुंभ में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। विशेष तिथियों के अलावा भी महाकुंभ में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाने आएंगे। देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं की जल में सुरक्षा की कार्ययोजना पर काम जारी है। यूपी एसडीआरएफ के कमांडेंट सतीश कुमार के अनुसार महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कार्ययोजना बनाई जा रही है। कहां, कितनी बटालियन और जवान काम करेंगे, उस पर मंथन जारी है। उन्होंने बताया कि महाकुंभ में घाटों और जल में जवानों को तैनात किया जाएगा। एसडीआरएफ से जुड़े एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जवानों को अंडर वाटर कैमरों व ड्रोन, स्पीड बोट्स, रेस्क्यू बोट्स, स्कूटर बोट्स, एंबुलेंस बोट्स, ड्रैगन लाइट के साथ तैनात किया जाएगा। सोनार सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। फ्लोटिंग जेटी की व्यवस्था की जाएगी।

सपा प्रमुख ने दी आर्थिक सहायता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार झांसी जनपद में सियार के आतंक के घायल रजनी की मौत की घटना की जानकारी एवं पीड़ित परिवार से शोक संवेदना प्रकट करने के साथ उनकी आर्थिक मदद करने के लिए समाजवादी पार्टी की ओर से 50 हजार रूपए का चेक समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह भोजला द्वारा दी गई। घटना 4 सितम्बर 2024 की शाम की है जब सियाराम अहिरवार की पत्नी रजनी अहिरवार अपने घरेलू कामकाज कर रही थी कि अचानक सियार ने रजनी पर हमला कर दिया था। जिसका इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। सियाराम अहिरवार की माली हालत ठीक नहीं है। मजदूरी करके किसी तरह से जीवनयापन कर रहे। प्रदेश की सरकार व वन विभाग द्वारा अभी तक पीड़ित परिवार की कोई मदद नहीं की गई है।

बनारस में पुराने स्टेडियम से जुड़ा बाबू संपूर्णानंद का नाम हटा देना शर्मनाकः अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि बनारस में पुराने प्रतिष्ठित स्टेडियम के आधुनिक निर्माण के प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन के साथ, स्टेडियम से जुड़ा बाबू सम्पूर्णानंद का नाम हटा देना आपत्तिजनक एवं शर्मनाक है। कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार के इस अमर्यादित कृत्य का पुरजोर विरोध करती है। राय ने कहा कि सम्पूर्णानन्द जैसे लोकप्रिय मनीषी राजनेता का नाम किसी प्रतिष्ठान से हटा दिया जाना महज उनका एवं काशीवासियों की भावनाओं का ही नहीं बल्कि समस्त प्रदेशवासियों की भावनाओं का अपमान है। यह वही भाजपा सरकार है जो लौह पुरुष सरदार पटेल गुजरात स्टेडियम, मोटेरा, अहमदाबाद तक का भी नाम बदलकर 'नरेन्द्र मोदी स्टेडियम' करने की धृष्टता एवं बेहयाई करती है। यह लोग लगातार महापुरुषों का अनादर करते हैं और अपने पूर्वाग्रह में लगातार उनके नामों पर बनाये गये संस्थानों का नाम बदलकर उनकी विरासत खत्म कराना चाहते हैं। राय ने अपने वक्तव्य में कहा है कि यह विडंबना है कि जिन सम्पूर्णानंद ने बनारस का वैदिक नामकरण 'वाराणसी' किया था आज उसी की आड़ लेकर सम्पूर्णानंद का ही नाम हटा दिया गया। दुर्भाग्य यह है कि इतना बड़ा आपत्तिजनक एवं अमर्यादित कार्य प्रधानमंत्री द्वारा अपने हाथों से किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी इस बात की मांग करती है कि त्वरित इस अनैतिक कार्य को रोका जाए एवं उस स्टेडियम का नाम सम्पूर्णानंद स्पोर्ट स्टेडियम के नाम से पुनः बहाल किया जाए।

माटीकला कारीगरों व उनके उत्पादों को प्रदेश सरकार दे रही प्रोत्साहनः राकेश सचान

खादी मंत्री ने 30 अक्टूबर तक चलने वाले 10 दिवसीय माटीकला मेले का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड, लखनऊ द्वारा उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तिलक मार्ग परिसर में 30 अक्टूबर तक 10 दिवसीय माटीकला मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए शिल्पकार मिट्टी से निर्मित अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों को 50 स्टॉलों के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे। मेले का उद्घाटन खादी एवं ग्रामोद्योग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम निर्यात प्रोत्साहन, रेशम उद्योग और वस्त्र उद्योग मंत्री राकेश सचान द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया, इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने माटीकला उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी का अवलोकन किया। शिल्पकारों द्वारा मिट्टी से निर्मित उत्कृष्ट कलाकृतियों और माटीकला उद्योग के कियात्मक प्रदर्शन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस मौके पर मंत्री राकेश सचान ने कहा कि योगी सरकार माटीकला कारीगरों और उनके उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्यरत है। मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत अब तक प्रदेश में 48,000 माटीकला कारीगर परिवारों को चिन्हित किया गया है। इसके तहत 13,607 विद्युत चालित चाक का वितरण किया जा चुका है और वर्ष 2024-25 के लिए 2,325 विद्युत चालित चाक और 375 पगमिल के वितरण का लक्ष्य है।

मंत्री ने बताया कि माटीकला कारीगरों को प्रोत्साहित करने के लिए 603 जोड़ी लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों की डाई, 31 पेंटिंग मशीन और 81 दीया मेकिंग मशीन भी वितरित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में 6 कॉमन फैसिलिटी सेंटर (पीलीभीत, रामपुर, कन्नौज, अमरोहा, फिरोजाबाद और बाराबंकी) की स्थापना की जा चुकी है, जो माटीकला उद्योग को सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। माटीकला उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अंतर्गत पिछले 4 वर्षों में 880 लाभार्थियों को बैंक ऋण स्वीकृत कराकर औद्योगिक इकाइयों की स्थापना कराई गई है। इस वर्ष 300 नई इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने माटीकला कारीगरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए हैं, जिसके तहत पिछले 5 वर्षों में 13,583 कारीगरों को 3 दिवसीय आधुनिक उपकरण संचालन का प्रशिक्षण दिया गया है, 880 कारीगरों को 7 दिवसीय उद्योग संचालन का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया है, और 5,286 कारीगरों को 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

700 साल बाद महाकुंभ की अभूतपूर्व निगहबानी करेंगे प्रयागराज के कोतवाल

दिन रात तेजी से चल रहा प्रयागराज के लेटे हुए हनुमान मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

महाकुंभ 2025 के महाआयोजन को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में अपने सबसे काबिल अफसरों की फौज तैनात कर दी है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप सभी अफसर महाकुंभ को ऐतिहासिक बनाने में जुट गए हैं। तमाम तैयारियों के बीच सीएम योगी ने संगम तट की शोभा और प्रयागराज के कोतवाल माने जाने वाले बड़े हनुमान मंदिर के जीर्णोधार पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। मंदिर के सौंदर्यीकरण के साथ ही कॉरिडोर का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने हाल ही में खुद आकर यहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया था। सीएम के आगमन के बाद महाकुंभ के पहले अब यहां श्रद्धालुओं की आमद में कई गुना इजाफा हो गया है। जो निर्माण कार्य चल रहे हैं, उसे देखते हुए स्पष्ट है कि इस महाकुंभ के दौरान बड़े हनुमान का यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए सबसे अधिक श्रद्धा और आकर्षण का केंद्र होगा।

महाकुंभ 2025 से पहले योगी सरकार प्रयागराज और यहां के धर्मस्थलों को सजाने संवारने में जुटी हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ 2025 को दिव्य, नव्य और भव्य बनाने के लिए प्रशासनिक टीमें दिन-रात लगी हुई हैं। करीब 700 वर्ष पुराने इस मंदिर को भव्य रूप देने का इससे पहले किसी के मन में विचार नहीं आया। पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर ध्यान दिया और अब उनकी पहल रंग ला रही है। सीएम के प्रयास से मंदिर का सौंदर्यीकरण ऐतिहासिक रूप से किया जा रहा है। प्रयागराज के लेटे हनुमान मंदिर के स्वरूप में बदलाव के तहत सबसे पहले मंदिर के गर्भगृह को बड़ा किया जाएगा। इसी के साथ परिक्रमा पथ, दुकानें, पार्किंग, प्रवेश द्वार और रैन बसेरा व हवन कुंड आदि बनाए जा रहे हैं। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं और जनता को पहली बार संगम स्नान के बाद बड़े हनुमान जी का मंदिर अभूतपूर्व ढंग से अपनी ओर आकर्षित करेगा।

प्रयागराज के कोतवाल माने जाने वाले लेटे हुए हनुमान मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 24 घंटे काम चल रहा है। हनुमानजी की यह प्रतिमा दक्षिणाभिमुखी और 20 फीट लंबी है। माना जाता है कि यह धरातल से कम से कम 6 या 7 फीट नीचे है। इन्हें बड़े हनुमानजी, किले वाले हनुमानजी, लेटे हनुमानजी और बांध वाले हनुमानजी के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि इनके दाएं पैर के नीचे अहिरावण दबा हुआ है। उनके दाएं हाथ में राम-लक्ष्मण और बाएं हाथ में गदा शोभित है।

बड़े हनुमान मंदिर को लेकर पौराणिक मान्यता है कि लंका पर जीत के बाद जब हनुमान जी सेना के साथ वापसी कर रहे थे, तो उन्हें थकान लगी। इसके बाद माता सीता के कहने पर वह यहीं पर संगम के तट पर लेट गए। इसी को ध्यान में रखते हुए लेटे हनुमानजी का मंदिर बन गया। ऐसा माना जाता है गंगा का पानी लेटे हनुमान जी की प्रतिमा को स्पर्श करता है, फिर नीच उतर जाता है।

ऐतिहासिक तीर्थ नगरी में बड़े हनुमान मंदिर को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं। माना जाता है कि अपने कार्यकाल के दौरान अकबर बंगाल अवध के साथ मगध और पूर्वी भारत में होने वाले विद्रोह पर नियंत्रण करना चाहता था, जिसके लिए साल 1582 में मंदिर को अपने किले के घेरे में लेने की योजना बनाई गए। उसने बाकायदा इसके लिए 100 सैनिकों की फौज खड़ी कर दी, मगर वह हनुमान जी की मूर्ति को एक इंच भी न हिला सके। जिसके बाद उसने किले की दीवार पीछे खिसका ली।

दिव्य, भव्य, स्वच्छ व ग्रीन महाकुंभ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगा यूपी रोडवेज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

बसों में चस्पा होंगे 'आओ चलें महाकुंभ' के स्टीकर, बसों के पीछे की जाएगी महाकुंभ से जुड़ी विनाइल रैपिंग

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम तट पर जनवरी 2025 से लगने जा रहे महाकुंभ की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ को दिव्य, भव्य, स्वच्छ और हरित स्वरूप देने के लिए कुंभ मेला प्रशासन के सभी विभाग इसमें अपना योगदान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन विभाग जहां एक तरफ श्रद्धालुओं का सफर आसान करने के लिए बड़ी संख्या में बसें चला रहा है तो वहीं महाकुंभ को स्वच्छ कुंभ बनाने के योगी सरकार के संकल्प को भी जन-जन तक पहुंचाने में लगा हुआ है। महाकुंभ के प्रचार प्रसार में भी यूपी रोडवेज बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहा है।

यूपी रोडवेज के प्रयागराज परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी का कहना है कि कुंभ के आयोजन के सरकार के संकल्प को लोगों के बीच पहुंचाने के लिए रोडवेज की बसों में 'आओ चलें महाकुंभ' के स्टिकर चस्पा किए जा रहे हैं। बसें महाकुंभ के रंग में रंगी नजर आएं इसके लिए रोडवेज बसों के पीछे कुंभ मेले से संबंधित पोस्टर, स्लोगन और दृश्य चित्रित किए जा रहे हैं। इस प्रयास से लोगों के बीच महाकुंभ के आयोजन और उसकी विशिष्टता की जानकारी साझा की जा रही है। सीएम योगी का स्पष्ट निर्देश है कि महाकुंभ 2025 प्रतिबंधित पॉलीथिन मुक्त हो । प्रयागराज का हर एक वार्ड- हर एक मोहल्ला स्वच्छ हो, मोहल्ला स्वच्छता समिति गठित कराएं। लोगों को जागरूक करें, मेला क्षेत्र समेत पूरा प्रयागराज स्वच्छता का मॉडल बनकर प्रतिष्ठित हो, इसके लिए हर किसी को योगदान करना होगा। यूपी रोडवेज ने मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप ही इसके लिए विभाग की तरफ से प्रयास शुरू कर दिए हैं। यूपी रोडवेज के प्रयागराज परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी बताते हैं कि रोडवेज की तैयारी है कि महाकुंभ के दौरान प्रदेश के सभी 75 जिलों के अलावा राज्यों के लिए प्रयागराज से सीधी बस सेवा हो। इन सभी शहरों को जाने वाली बसें महाकुंभ का प्रचार करेगी। प्रयागराज परिक्षेत्र की बसों के बाहरी हिस्से में विनाइल रैपिंग की जाएगी जिसमे कुंभ से जुड़े संदेश और तस्वीरें बनी होंगी। उनका यह भी कहना है कि रोडवेज पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सरकार के अभियान को भी आगे बढ़ा रहा है। परिवहन विभाग की बसों में पॉलीथीन मुक्त महाकुंभ के स्टीकर लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही चालकों व परिचालकों से महाकुम्भ को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए पॉलीथीन मुक्त अभियान को सफल बनाने की शपथ भी दिलाई गई है । बसों के संचालन के दौरान ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को जागरूक करने की अपील भी परिचालक और कर्मी कर रहे हैं।

गणित के सवाल नहीं हल कर सके बच्चे, सीडीओ ने बीईओ से मांगा स्पष्टीकरण

- **शिक्षक बनकर पहुंचे सीडीओ, बच्चों ने नहीं दिया गणित के प्रश्नों का जवाब तो टीचर पर हो गया एक्शन**
- **दो शिक्षिकाओं को प्रतिकूल प्रविष्टि, अग्रिम आदेशों तक वेतन बाधित नोटिस जारी**

लखीमपुर खीरी। सीडीओ अभिषेक कुमार ने सोमवार को बीआरसी परिसर छाउछ में संचालित संविलियन विद्यालय छाउछ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सीडीओ ने बच्चों से गणित के सवाल हल कराएए मगर वह हल नहीं कर सके और हिंदी की किताब भी ठीक से नहीं पढ़ सके। इस पर सीडीओ ने बीईओ सुभाष वर्मा को कड़ी फटकार लगाते हुए शिथिल पर्यवेक्षण के लिए स्पष्टीकरण तलब किया। वहीं दो शिक्षिकाओं को प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए वेतन रोकने और नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के लिए संविलियन विद्यालय छाउछ पहुंचने पर सीडीओ अभिषेक कुमार ने देखा कि अध्यापिका द्वारा कक्षा सात के बच्चों को हिंदी विषय पढ़ाया जा रहा था। सीडीओ के पूछने पर छात्रा शुभी से पर्यायवाची शब्द का अर्थ का सही जवाब दिया। छात्र जुब्राइल व अथर्व हिंदी की पुस्तक भी पढ़वाई। पर वह ठीक से नहीं पढ़ सके। इस पर गहरी नाराजगी जताई। सीडीओ ने क्रमश कक्षा 6, 7 और 8 की क्लास में जाकर गणित के प्रश्नों को जब बच्चों से हल करवाया तो बच्चे संतोषजनक ढंग से प्रश्न हल नहीं कर सके।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापिका और गणित की शिक्षिका गीता रानी व सहायक अध्यापिकाध्हिंदी विषय की शिक्षिका मंजुला बरनवाल को प्रतिकूल प्रविष्टि देनेए अग्रिम आदेशों तक वेतन बाधित करने के साथ.साथ नोटिस जारी किये जाने का निर्देश दिया।

सीडीओ स्वयं पूरी तरह से एक शिक्षक की भूमिका में आ गये और बच्चों व शिक्षिका को गणित का ज्ञान देने के साथ ही साथ गणित विषय को पढ़ाने के आसान और रुचिकर तरीकों के बारे में शिक्षिका को समझाया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में साफ सफाई पर गहरा असंतोष जताया। भविष्य के लिए सचेत करते हुए कहा कि यदि इसकी पुनरावृत्ति मिली तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने शौचालय की क्रियाशीलता भी जांची। निरीक्षण में विद्यालय की खेल सामग्री धूल फांकती नजर आई। इस पर कड़ी फटकार लगाई।

सीडीओ ने कहा कि डीएम ने निर्देश का अनुपालन करते हुए बच्चों के शैक्षिक हित में तीन दिवस के अध्ययन के उपरान्त पढ़ाए गए पाठों का रिवीजन अनिवार्य रूप से करायेए ताकि छात्र.छात्राएं पढ़ाई गई सामग्री को गहराई से आत्मसात कर सके। पीयर लर्निंग के माध्यम से छात्रों की दक्षता बढ़ाने का निर्देश दिया गया। मिड डे मील में मीनू के अनुसार रसोइया द्वारा रोटी सब्जी तैयार की गई।

प्राथमिक सेक्शन मिला बेहतर शिक्षिका की तारीफ, बच्चों को बाटी चॉकलेट, दुलारा

संविलियन विद्यालय छाउछ के प्राथमिक सेक्शन में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर मिली। कक्षा एक में शिक्षिका सिताशु वर्मा पढ़ाती मिली। सीडीओ के पूछने पर छात्रा अनुराधा ने गिनती और साईमा ने छह का पहाड़ा सुनाकर शाबाशी पाई। सीडीओ ने बच्चों को दुलारा और चॉकलेट का वितरण भी किया।

प्रसव के बाद प्रसूता की मौत, परिजनों ने एएनएम पर लगाया लापरवाही का आरोप

- **अत्यधिक रक्तस्राव से मौत, अस्पताल से डॉक्टर रहते नदारद**

असोथर (फतेहपुर)। प्रसव के बाद प्रसूता की मौत पर परिजनों ने एएनएम पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि प्रसूता की मौत अत्यधिक खून बहने से मौत हो गयी। जानिकपुर मजरे कौंडर निवासी पंकज रैदास की पत्नी उर्मिला देवी को प्रसव पीड़ा हुई। रविवार देर रात 9 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असोथर में भर्ती कराया गया। एएनएम मीनू गुप्ता की देखरेख में सोमवार करीब 9 बजे के करीब प्रसव कराया गया। जच्चा-बच्चा दोनों स्वास्थ्य थे। कुछ ही देर बाद प्रसूता का खून बहने लगा। तब एएनएम ने परिजनों से खून रुकने की दवा बाहर से मंगवायी। प्रसूता के पति पंकज ने दवा पहुंचायी, पर तब भी खून बहता रहा। प्रसूता का खून बहने की जानकारी एएनएम ने किसी को नहीं दी, रूपये ऐंठने के चक्कर में रोके रखा। एएनएम ने प्रसूता को आराम करने की बात कहकर परिजनों को बाहर ही रोके रखा। जब प्रसूता की दोपहर लगभग 11 बजे तबियत ज्यादा गंभीर हुई तो परिजनों को बताते हुए मौजूदा एएनएम शकुंतला ने प्राइवेट वाहन बुलाकर जनपद के ओमनी नर्सिंग होम अस्पताल भेजा गया पर चिकित्सकों ने प्रसूता को मृत घोषित कर दिया।

पति पंकज ने बताया कि चिकित्सकों के अनुसार अत्यधिक खून बहने से प्रसूता की मौत हुई है। प्रसूता के पांच बच्चे हैं। जिसमें एक की मौत हो चुकी है। प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने जच्चा का शव लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असोथर लाकर हंगामा काटना शुरू किया तो अफरा तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल शुरू किया है। वहीं परिजनों ने एएनएम और डॉक्टरों को मौके पर बुलाने की जिद पर अड़े हुए हैं। खबर लिखे जाने तक कोई भी नहीं पहुंचा। घटना के बाद से परिजनों में रोष व्याप्त है। परिजनों ने कहा कि एएनएम की लापरवाही से प्रसूता की जान चली गयी। प्रसूता के पति पंकज रैदास ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की घोर कमी है। चिकित्सकों की अनुपस्थिति में एएनएम प्रसव कराती है। जिससे आये दिन ऐसी घटनाएं होती है। एमबीबीएस और महिला चिकित्सक नहीं है। परिजनों ने बताया कि फिलहाल बच्चा स्वास्थ्य है। जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी नीरज गुप्ता से बात की गई तो कहा कि प्रसव केंद्र से हमारा कोई लेना देना नहीं है। एएनएम ही सारा कार्यभार संभालती हैं, वहीं प्रसूताओं की देखभाल समेत रिफर के कागजात बनाती हैं।

रेल सुरक्षा आयुक्त ने देखा रेलवे रूट के दोहरीकरण का कार्य

पुखरायां, कानपुर देहात। रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) मोहम्मद लतीफने मंगलवार को झांसी-कानपुर रेलमार्ग पर व्यवस्थित मलासा स्टेशन के निकट पटरी के दोहरीकरण के कार्य का बारीकी से निरीक्षण किया। उनके साथ डिविजन रेलवे मैनेजर झांसी सहित लगभग रेलवे के दो दर्जन बड़े अधिकारी भी मौजूद थे। सभी विशेष ट्रेन से निरीक्षण करने को पहुंचे थे। कुछ स्थानों पर खामी पाए जाने पर विभागीय अधिकारियों को जल्द ही सुधार करने की चेतावनी दी। रेल सुरक्षा आयुक्त मोहम्मद लतीफमंगलवार को एक विशेष रेलगाड़ी से भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के मलासा रेलवे स्टेशन सबेरे करीब नौ बजे पहुंचे। विशेष ट्रेन मलासा स्टेशन पर खड़ी करने के बाद ट्राली के जरिए मावर के निकट सेंगुर नदी पर नव निर्मित पुल एवं लालपुर और मलासा रेलवे स्टेशनों के मध्य नवनिर्मित रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई जगह कमी मिलने पर डीआरएम एवं पीडब्ल्यूआई को फटकार भी लगाई। ज्ञात हो कि दोहरीकरण का कार्य 2016 में प्रारंभ हुआ था और दो साल में पूरा कराने के निर्देश दिये गए थे। लेकिन निर्माण कार्य पांच वर्ष विलंब से 21 फरवरी 2023 पूर्ण हो सका है। जिस पर रेल सुरक्षा आयुक्त मोहम्मद लतीफने मौके पर पहुंचकर अप एवं डाउन लाइनों का बारीकी सी निरीक्षण किया। उनके हरी झंडी दिखाने के बाद रेलवे लाइन पर 110 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से ट्रेन दौड़ायी गई। सब कुछ सही पाये जाने पर कानपुर से झांसी के बीच कई सुपरफास्ट टेञनों के चलने हरी झंडी भी मिल गई है। उन्होंने बताया कि अब इस रूट के सबसे बड़े स्टेशन पुखरायां में कई सुपरफास्ट एवं पैसेंजर गाड़ियों का ठहराव होगा। बताया कि अब कई यात्री सुविधा को देखतक हुए कानपुर-झांसी के मध्य आज से सुपरफास्ट गाड़ियों के कारण पैसेंजर ट्रेनों को क्रासिंग के कारण रोकना नहीं पड़ेगा। जिससे यात्रियों के समय के साथ साथ रेलवे को भी नुकसान नहीं होगा।

जिले में डीएपी खाद की किल्लत पर जताई नाराजगी

- **भाकियू अरा. की बैठक, प्रति किसान 05 बोरी खाद दिए जाने की उठाई मांग**

फतेहपुर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की बैठक में जिले में इन दिनों डीएपी खाद की किल्लत को लेकर नाराजगी जाहिर की गई। मांग की गई कि प्रति किसान पांच बोरी खाद दी जाए। साथ ही प्राइवेट दुकानदारों की जांच की जाए। नहर कालोनी के निरीक्षण भवन में भाकियू अराजनैतिक की बैठक जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह गौतम की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में पदाधिकारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में किसानों ने हिस्सा लिया। बैठक में किसानों ने बताया कि सहकारी समितियों में डीपएपी खाद नहीं मिल रही है। जिससे उन्हें खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्राइवेट दुकानदार डीएपी खाद के साथ अन्य सामान भी जबरन दे रहे हैं। जिनको लेना उनकी मजबूरी है। इस समस्या पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि डीएपी खाद की किल्लत पर जिला प्रशासन को संज्ञान लेना चाहिए और प्रत्येक किसान को पांच-पांच बोरी खाद की मुहैया कराई जाए। साथ ही प्राइवेट दुकानदारों की जांच की जाए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बिंदकी मंडी में धान बेंचने पर किसानों से दो प्रतिशत सीडी के नाम पर कटौती की जा रही है। धर्मकांटा में तौल के नाम पर दो गुना रूपया लिया जा रहा है इसे तत्काल रोका जाए। बैठक में प्रीतम सिंह, छोटे सिंह, धर्मपाल सिंह, अंकित सिंह चौहान, दीपक गुप्ता, मो0 आजम, माता प्रसाद, उमेश सिंह, राजू सिंह, पुत्तन द्विवेदी, बब्लू सिंह, अजय सिंह, रंजीत यादव, शिवदेश मौर्या, गुलाब सिंह यादव, सर्वेश यादव मौजूद रहे।

एडीएम व सीएमओ ने क्षय रोगियों को बांटी पोषण सामग्री

फतेहपुर। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के संयोजकत्व में 121 क्षय रोगियों को पोषण सामग्री वितरण कार्यक्रम टीबी अस्पताल परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एडीएम अविनाश त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएमओ डॉ राजीव नयन गिरि उपस्थित रहे। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. निशात शहाबुद्दीन ने मुख्य अतिथि को शाल व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया तत्पश्चात अपर जिलाधिकारी ने पांच क्षय रोगियों को पोषण सामग्री वितरित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी आजीवन सदस्यों ने गोद लिए सभी 121 क्षय रोगियों को पोषण सामग्री प्रदान की। मुख्य अतिथि ने इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के उत्कृष्ट सेवाकार्यों का उत्साहवर्धन किया। सीएमओ ने सभी समर्थ लोगों से टीबी मरीजों को गोद लेने के लिए आवाहन किया।

क्विक न्यूज

गैंगस्टर के घर पर की गई धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई

गुरसहायगंज (कन्नौज)। जनपद न्यायालय में चले रहे गैंगस्टर एक्ट के मुकदमें में काफी समय से फरार चल रहे अभियुक्त के घर पर कोतवाली पुलिस द्वारा धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई करते हुये नोटिस चस्पा कर मुनादी कराइ गई है। स्थानीय कोतवाली पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 292/24 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट अभियुक्त शाहबाज, जीशान निवासीगण सरोजिनी नायडू नगर थाना बिल्हौर जनपद कानपुर नगर के विरुद्ध धारा 82 सीआरपीसी दिनांक 05.10.24 को न्यायालय से निर्गत करायी गयी थी। जिसमें कोतवाली के उपनिरीक्षक सुनील चौधरी ने पुलिस बल के साथ सोमवार को अभियुक्त के घर पर धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई करते हुये उसके घर पर नोटिस चस्पा कराकर गांव में मुनादी भी कराई गयी है।

बीमारी से तंग अधेड़ ने लगाई फांसी

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के ग्राम सातों धरमपुर में बीमारी से तंग 55 वर्षीय अधेड़ ने घर के अंदर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार सातों धरमपुर गांव निवासी स्व0 रामदास का पुत्र जयराम साहू पिछले कई सालों से मिर्गी के रोग से पीड़ित था। काफी इलाज करवाया गया लेकिन कोई फायदा न हुआ। जिससे तंग आकर उसने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

बिजली के पोल से टकराई बाइक, युवक की मौत

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के पखरौली के समीप रविवार की शाम अनियंत्रित होकर बाइक बिजली के पोल से टकरा गई। जिससे 28 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। थाने के शाह कस्बा निवासी रतीराम का पुत्र संदीप कुमार उर्फकल्लू रविवार की शाम बाइक से किसी काम से जा रहा था जब वह पखरौली गांव के समीप मोड़ पर पहुंचा तभी अनियंत्रित होकर बाइक बिजली के पोल से टकरा गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

टैम्पो की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के शाह कस्बा के समीप सोमवार की सुबह टैम्पो की चपेट में आ जाने से बाइक सवार 23 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। थाने के घनसोलपुर गांव निवासी शिवबरन साहू का पुत्र विवेक उर्फविनीत साहू की गांव में ही किराने की दुकान है। बताते हैं कि आज सुबह वह बाइक से शाह कस्बा सामान लेने गया था। वापस लौटते समय जब वह कुछ दूर पहुंचा तभी पीछे से आ रहे बाइक सवार ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे वह अनियंत्रित होकर विवेक टैम्पो से टकरा गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई।

दो लोगों ने पिया कीटनाशक दोनों की हालत गंभीर

कायमगंज फर्रुखाबाद। अलग अलग स्थानों पर क्षेत्र के गांव गंधिया निवासी रवी (18) व भुक्सा निवासी रिषीपाल का 12 वर्षोय पुत्र भरत सिंह ने संदिग्ध हालत में कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया उल्टियां होने पर परिजनों को जानकारी हुई। परिजन गंभीर हालत में सीएचसी लाये।

मार्ग दुर्घटना में 3 घायल एक की हालत गंभीर

कायमगंज फर्रुखाबाद। अलग अलग मार्ग दुर्घटना में क्षेत्र के गांव लखनपुर निवासी हरीशरन (45) अताईपुर ज़दीद निवासी सुनील कुमार (36) वाईपास रोड चीनी मिल निवासी आरती (35) पत्नी अजीत घायल हो गये घायलों को आसपास के लोगो ने सीएचसी भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद सुनील कुमार को लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

युवक को ज़हरीले सांप ने डसा हालत गंभीर

कायमगंज। थाना शमसाबाद क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर निवासी शिवकुमार (20) को ज़हरीले सांप ने डस लिया गंभीर हालत में परिजन सीएचसी लाये जहाँ उसका इलाज हुआ।

डॉ. शरद वैश्य को सीएचसी कर्मियों ने दी विदाई

संडीला (हरदोई)। सीएचसी अधीक्षक रहे डॉ. शरद वैश्य को स्थानांत्रित होने के बाद भावभीनि विदाई दी गयी। सीएचसी अधीक्षक रहे डॉ. शरद वैश्य के सीएचसी हरियावां में स्थानांत्रण के बाद उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया जिसमें नवीन चिकित्साधीक्षक दिनेश पाल भारती, सीएचसी के तमाम चिकित्सकों और अन्य स्टाफ़ने भाग लिया।

पति द्वारा बाजार करने के लिए साथ न जाने पर नाराज महिला ने कमरे के कुंड से दुपट्टे का फंदा लगाकर फांसी लगाई

फर्रुखाबाद। थाना मोहम्मदाबाद क्षेत्र के गांव उगरपुर गोंडा निवासी मुरारी लाल जाटव की पुत्री सीता उम्र 25 वर्ष थाना कमालगंज के गांव रजी पुर में संतोष जाटव को ब्याही थी। संतोष जाटव पत्नी सीता के साथ करीब डेढ़ माह से ससुराल उगरपुर में रहकर मजदूरी कर रहा था। 20 अक्टूबर को पत्नी सीता ने संतोष से बाजार चलकर सामान खरीदने की बात कही संतोष ने सीता को पैसे देकर खरीदारी करने की बात कह कर मजदूरी करने चला गया। शाम को दोनों ने खाना खाकर घर में बने कमरे में सो गए। रात 1. 00 बजे संतोष की आंख खुली तो उसने सीता को पास में लेटे हुए नहीं पाया। घर से बाहर खोजबीन की तथा अपने ससुरालजनों को दी। ससुरालीजनों ने सीता के शब को कमरे में बने कुंडे से दुपट्टे से लटकते देखा आनंन फानन में शव को उतार कर 108 एंबुलेंस से सामु. स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद लाये।

लाख कोशिश भारत सरकार और यूपी सरकार कर ले तीन तलाक रुकने वाला नहीं

बांदा। उत्तर प्रदेश के बाँदा मैं भारत सरकार सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की की लाख कोशिशों के बाद भी नहीं थम रहा 3तलाक देने का रिवाज अपने गहने व समान देने से मना करने पर गुस्सा, पति ने पत्नी को बोला 3 बार तलाक, पति पत्नी में पहले से कोर्ट में चल रहा है केस की अब पति ने दिया 3तलाकए पुलिस हुई सुस्त तीमारदार हुआ पस्त! महिला न्याय के लिए दरण्दर भटक रही है न्याय मिलने की उम्मीद नहीं आपको बताते चलें कि पीड़ित ने थाना पुलिस पर लगाया पति से मिले होने का आरोपए पीड़िता का आरोप है कि स्थानीय पुलिस मेरे पति से प्रभावित है इसीलिए मुझे न्याय नहीं मिल रहा मैं आज पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल के पास आई हूं न्याय की गुहार लगा रही हूं मैं आप लोगों के माध्यम से प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी से वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से न्याय की गुहार लगा रही हूं कि तीन तलाक के मामले में पति को मुल्जिम बनकर सजा दिलाई जाए। बार बार एसपी की चौखट पर आने के बाद भी पुलिस नहीं कर रही कोई कार्रवाई, सरकार की मंशा पर पानी फेर रही थाना पुलिस पीड़ित ने बेज्जत कर थाने से भागने का लगाया आरोप, तिंदवारी थाना क्षेत्र के तिंदवारी कस्बे के मामला।

डीएम ने नगर पंचायतों के डीपीआर का अनुमोदन कर दिए निर्देश

फतेहपुर। नगर पंचायतों के डीपीआर के अनुमोदन व परीक्षण हेतु समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। डीएम ने मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अंतर्गत निर्धारित बजट के अनुरूप नगर पंचायतों खागा, कोड़ा जहानाबाद, असोथर, खखरेरू, कारीकान धाता से तैयार किये गए कार्यों के प्रस्ताव व डीपीआर पर विस्तार से चर्चा की। संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि अधिशासी अधिकारी इस आशय का प्रमाण पत्र दें कि योजना के तहत कार्य सम्मिलित किए गए हैं। दूसरी योजना से अच्छादित नहीं है। साथ ही कार्यों का प्रस्ताव निर्धारित बजट के अनुसार से ही तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट/हाईमस्क लाईट लगाया जाना है का जेम पोर्टल से ही क्रय किया जाये और स्टाक रजिस्टर बनाकर अंकन भी किया जाये।

पालिका प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

गुरसहायगंज (कन्नौज)। नगर में फैले अतिक्रमण के कारण उत्पन्न हो रही जाम की समस्या से निजात दिलानें के लिये पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता एवं अधिसाषी अधिकारी अनिल पंडित के निर्देश पर पालिका कर्मियों द्वारा नगर में अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया जिसमें फुटपाथ पर कब्जा किये लोगों चेतावनी देकर अतिक्रमण हटवाया गया। सोमवार को अधिशासी अधिकारी के आदेशानुसार पालिका कर्मियों द्वारा फुटपाथ एवं रोड पटरी पर अवैध रूप से कब्जा किये वाहनों एवं दुकानदारों के विरुद्ध तिराहा, फर्रुखाबाद रोड, उपडाकघर के पास तथा चौराहे पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। जिसमे टैक्सी एवं डग्गामार वाहनों को रोड पटरी से हटाते हुए टैक्सी स्टैंड पर वाहन खड़े कराए गए तथा फुटपाथ पर अतिक्रमण किए हुए दुकानदारों एवं ठेली वालों से फुटपाथ खाली कराया गया तथा भविष्य में फुटपाथ पर किसी भी प्रकार के अतिक्रमण कानूनी कार्यवाही की चेतावनी दी गई। इस दौरान प्रधान लिपिक आरपी सिंह, प्रसन्नजीत मिश्रा, अतिक्रमण इंचार्ज अशोक कुमार वाल्मीकि, शिवशंकर तिवारी, आकाश कुमार, शरद श्रीवास्तव एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सडक किनारे से अबैध कब्जा हटाते पालिका कर्मी।

- **कब्जामुक्त कराया फुटपाथ टैक्सी स्टेण्ड पर खडे कराये वाहन**

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक का आयोजन

- **बैठक में 28 विभागों की 75 योजनाओं की समीक्षा की गई**
- **सीएमओ को स्वयं मॉनिटरिंग करने व रैंक क्यो खराब हुईए समाज कल्याण एणपंचायती राज विभाग की 15 वित्त आयोग की स्थिति खराब पाई गई**

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में किया गया। बैठक में 28 विभागों की 75 योजनाओं की समीक्षा की गईए समीक्षा में चिकित्सा विभाग की 108 एम्बुलेन्स सेवा की रैंक 71,102 एम्बुलेंस सेवा की 57 रैंक आईए जिलाधिकारी द्वारा सीएमओ को स्वयं मॉनिटरिंग करने व रैंक क्यो खराब हुई व खराव होनेपर क्या कार्यवाही हुई से अवगत कराने के निर्देश दिए समाज कल्याण की राष्ट्रीय पारवारिक लाभ योजना की रैंक 36एराष्ट्रीय वृद्धा अवस्था पेंशन योजना की रैंक 56ए पंचायती राज विभाग की15 वित्त आयोग की स्थिति खराब पाई गई।

कृषि विभाग की पीएम कुसुम योजना की रैंक 58, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की रैंक 68, डे एन आरएलएम की रैंक 42 एओ डी ओ पी की रैंक 75व मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की रैंक 75, पीडब्ल्यूडी की रैंक 67, विधुत विभाग की रैंक 62 पाई गई ए जिलाधिकारी द्वारा जहाँ जहाँ ट्रांसफार्मर खुले में रखे है उनके आसपास जाली लगवानेए तारो को टाइट कराने व त्योहारों पर सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति करने के लिये निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी व संवंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जल संरक्षण के लिये अटल भूजल योजना छह माह में साढ़े सात सौ प्रायवेट नलकूपों की बोरिंग

- **भूजल विभाग ने जतायी चिंता, टेढ़ा गांव में बारह सौ प्रायवेट व पचखुरा गांव मे एक हजार नलकूप, राठ व सुमेरपुर घोषित है सेमी क्रिटिकल जोन**

संवाददाता। हमीरपुर

हमीरपुर जिले में दो ब्लाक सेमी क्रिटीकल घोषित होने के बाद भी अंधाधुंध प्रायवेट की बोरिंग हो रही है जो चिंता जनक बतायी जा रही है यही नही जिले में एक तरफजल संरक्षण के लिये अटल भूजल योजना संचालित है वही दूसरी ओर छह माह में साढ़े सात सौ प्रायवेट नलकूपो की बोरिंग हो चुकी है। भूगर्भ जल विभाग ने इस मामले में चिंता व्यक्त कर उच्चाधिकारियों से वार्ता करने को कहा है। शासन बुंदेलखंड पानी के लिये विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित कर रहा है। वही दूसरी ओर जिले में जो सुमेरपुर व राठ दो ब्लाक सेमी क्रीटिकल घोषित किये गये है उन्ही में सर्वाधिक बोरिंग की जा रहीहै।

जिले में पिछले छह माह में साढे सात सौ प्रायवेट नलकूपों में सबसे ज्यादा नलकूप सुमेरपुर व राठ में बोरिंग किये गये है। यदि यही हालत रही तो दोनो ब्लाक शीघ्र ही डार्क जोन में जा सकते है। सुमेरपुर क्षेत्र के टेढागांव में बारस सौ प्रायवेट नलकूपों की अकेले बोरिंग है इसी प्रकार पचखुरा गाव में एक हजार नलकूपों की बोरिंग है।

हरेक किसान केपास दो या तीन नलकूप से ज्यादा बोरिंग कराये हुये है। इधर जिले में हर सास कम से कम दस से लेकर पंद्रह फीट तक जल स्तर नीचे जा रहा यहा तक कि मई जून माह में कई गांवों को नदी से पानी भरकर पीने के लिये लाना पड़ता है। सैकडो गांव एक एक बूद पानी को तरस रहे है। नलकूप विभाग के सहायक अभियंता अमित चौधरी का कहना है कि नलकूपों की संख्या जिले में लगातार बढती जा रही है जिससे सरकारी नलकूप जवाब दे रहे है यदि यही हाल रहा तो कुछ दिनों बाद न फसल के लिय न ही पीने के लिये पानी मिल सकेगा।

एई का कहना है कि सरकारी नलकूप स्थापना के लिये नियम व कानून है जिसके तहत काम किया जाता है,यही नही विजली विभाग में नलकूपों को विजली कनेक्शन देता जा रहा है जिससे हालात और खराब होते जा रहे है। यदि विजली विभाग कनेक्शन देने से एतराज करे तभी इस काम में रोक लगायी जा सकती है।

पानी देता प्रायवेट नलकूप

क्या बोले जिम्मेदार

जिले में एक भी नलकूप का पंजीकरण नही, जल दोहन रुकना अनिवार्य: एक्शियन

हमीरपुर। भूगर्भ जल विभाग के अधिशासी अभियंता शिवम दिवेदी का कहना है कि नलकूपों का पंजीकरण होता है इसके बाद गठित समिति तय करती है कि संबंधित क्षेत्र व गांव में प्रायवेट नलकूप की बोरिंग होगी या नही मगर जिले में एक भी नलकूप का पंजीकरण नही है जिससे अंधाधुंध नलकूपों की बोरिगं की जा रही है यही नही सरकार एक तरफअटल भूजल योजना के तहत जल संचय करने के लिये कार्यक्रम संचालित कर रही है दूसरी तरफजमकर जल दोहन हो रहा है जो अपने आप में विरोधाभास है। विभाग के नोडल अधिकारी योगेश कुमार का कहना है कि इसके लिये शासन की तरफ से अधिनियम बना हुआ है मगर घरेलू व कृषि कार्य के लिये बोरिंग रोकने के लिये कोई नियम नही बनाया गया है इसलिये किसी किसान नियमानुसार रोका नही जा सकता है। मगर जिस प्रकार से बोरिंग हो रही है बह बेहद चिंताजनक बात है।

धान की पैदावार की उपज से किसानों के मन में जागा लालच

हमीरपुर। जिले में धान की उपज में ज्यादातर किसानों ने एक नही तीन या चार नलकूपों की बोरिंग एक किसान के पास है। डीडी कृषि हरीशंकर भार्गव का कहना है कि शासन के साफ आदेश है कि बुंदेलखंड में पानी की समस्या को देखते हुये कम पानी वाली फसल बोयी जाये मगर किसानों का कहना है धन से उनकी बहुत फायदा हुआ है। दो फसलो का लाभ मिल जाताहै वही धान की पैदावार अधिक होने व अच्छा मूल्य मिलने के कारण किसान भविष्य की चिंता पूरी तरह भूल गया है शासन ने जिले में धान का टारगेट केवल 39 हेक्टेएअर दिया है मगर जिले में कम से कम तीस हजार हेक्टेएअर धान की बोआई हो रही है जिससे जल दोहन जरुरत से ज्यादा हो रहा है।

आतंकवाद, घुसपैठ, धार्मिक तनाव भड़काने के प्रयासों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भले ही जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र और नक्सल प्रभावित इलाकों में अपेक्षाकृत शांति स्थापित कर ली गई है लेकिन आतंकवाद, घुसपैठ और धार्मिक तनाव पैदा करने की साजिश के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि शहीद पुलिसकर्मियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और देश निश्चित रूप से 2047 तक पूरी तरह विकसित राष्ट्र बनेगा। लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स में 21 अक्टूबर 1959 को भारी हथियारों से लैस चीनी सेना के घात लगाकर किए गए हमले के दौरान 10 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। उसके बाद से ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले इन शहीदों तथा सभी अन्य पुलिसकर्मियों की याद में हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शाह ने कहा, पिछले 10 वर्ष में हमारे सुरक्षा बलों की निष्ठा और कार्यकुशलता के चलते जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा वामपंथी नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों में अपेक्षाकृत शांति स्थापित कर ली गई है। हालांकि, हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हम ड्रोन, मादक पदार्थों के व्यापार, साइबर अपराध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से अशांति फैलाने के प्रयास, धार्मिक भावनाओं को भड़काने की साजिश, घुसपैठ, अवैध हथियारों की तस्करी और आतंकवाद जैसे उभरते खतरों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे, जो वर्तमान में हमारे सामने आने वाली चुनौतियां हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से देश की सुरक्षा के लिए 36,438 पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है, जिनमें से 216 बलिदान पिछले वर्ष दिए गए। उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा में उनके बलिदान के लिए देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। शाह ने कहा, मैं शहीदों के परिवार के सदस्यों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। देश सुरक्षित रहेगा, किसी भी चुनौती के बावजूद अपने लक्ष्य को हासिल करेगा और भारत 2047 तक निश्चित रूप से एक विकसित राष्ट्र बनेगा।

एक जुलाई से लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित करने पर काम पांच साल पहले शुरू हुआ था और बाकी का काम अगले तीन साल में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा, मैं देश को बताना चाहता हूं कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली दुनिया में सबसे आधुनिक होगी और प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई तक पूरा न्याय दिया जा सकता है।

पुलिसकर्मियों के हित में उठाए कदमों के बारे में जानकारी देते हुए शाह ने कहा कि पुलिसकर्मी और उनके परिवार के सदस्य आयुष्मान सीएपीएफ योजना लागू होने के बाद किसी भी आयुष्मान अस्पताल में इलाज करा सकते हैं। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मियों को आवास उपलब्ध कराने पर उन्होंने कहा कि 13,000 मकानों के निर्माण के लिए स्वीकृति दे दी गई है जिनमें से 11,276 मकान अगले साल मार्च तक तैयार हो जाएंगे। शाह ने कहा कि पुलिस बल के जवान कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से किबिथु तक भारत की सीमाओं की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के जवान हमेशा देश और सीमाओं की रक्षा करते हैं, चाहे दिन हो या रात, त्योहार हो या आपदा, भीषण गर्मी, बारिश या शीतलहर।

हमले में मारे गए डॉक्टर को हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर। बडगाम के नईदगाम गांव में दो हफ्ते पहले ही डॉक्टर शाहनवाज मीर के घर में खुशी का माहौल था जब उनकी बेटी की शादी में सैकड़ों लोग शामिल हुए थे। सोमवार को उनके आवास और आस-पास की सड़कों पर लोग गम में डूबे थे। जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले के गगनगीर में रविवार को आतंकी हमले में मारे गए 52 वर्षीय डॉक्टर को श्रद्धांजलि देते हुए हजारों लोगों ने नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर (अल्लाह सबसे महान है) के नारे लगाए। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादियों ने डॉक्टर और छह मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आतंकी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन के पैतृक गांव से कुछ ही दूरी पर स्थित नईदगाम गांव में शोक का माहौल था, जहां समुदाय के लोग अपने प्रिय चिकित्सक को अंतिम विदाई देने के लिए एकत्र हुए थे। डॉक्टर मीर के पड़ोसी अली मोहम्मद ने कहा, यह आसमान से बिजली गिरने जैसा है। परिवार शादी का जश्न मना रहा था और अब यह खबर आ गई।

डॉ. मीर के अंतिम संस्कार के लिए जुलूस गांव की गलियों से होते हुए उनके पैतृक कब्रिस्तान तक गया। इस दौरान सभी की आंखें नम थीं। मीर के अंतिम संस्कार के लिए बडगाम के सोइबुघ इलाके के नईदगाम और आसपास के इलाकों से लोग पहुंचे। गमगीन माहौल में मीर साहब जिंदाबाद के नारे गूंजने लगे। एम्बुलेंस से डॉ. मीर के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव में लाए जाने से पहले ही बड़ी संख्या में लोग वहां इकट्ठा हो चुके थे। लोगों ने प्रार्थना समारोह में भाग लिया और अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। मीर के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित मोहसिन ने आईएएस अधिकारी बनने और समाज की सेवा करने की आकांक्षा व्यक्त की।

पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने डॉ. मीर को ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया, जिन्होंने न केवल अपने बच्चों की, बल्कि अपने भाई-बहनों की भी उनके माता-पिता के असमय गुजरने के बाद निस्वार्थ भाव से देखभाल की। मीर की बहन ने कहा, वह हमारे पिता और माता दोनों थे...आज हम सचमुच अनाथ हो गए हैं। मीर को एपीसीओ इंफ्राटेक नामक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी में सुरंग निर्माण स्थल पर चिकित्साकर्मी के तौर पर तैनात किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादियों ने देर शाम अपने शिविर में वापस आए एक समूह पर अंधाधुंध गोलीबारी की। हमले में पांच लोग घायल हो गए और उनका इलाज चल रहा है। डॉ. मीर के एक पड़ोसी ने कहा कि यह जघन्य अपराध की घटना है। उन्होंने कहा, डॉक्टर साहब बेकसूर थे, वह बेहद नेक शख्स थे और जरूरतमंद लोगों की मदद करते थे।

आतंकी हमला : व्यापक तलाशी अभियान शुरू एनआईए ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल में एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए आतंकवादी हमले के एक दिन बाद सुरक्षा बलों ने सोमवार को क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। साथ ही राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अधिकारियों ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। गांदरबल जिले के गुंड में रविवार को एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए आतंकवादी हमले में कश्मीर के एक डॉक्टर एवं छह प्रवासी मजदूरों समेत सात लोगों की जान चली गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सेना, सीआरपीएफ और पुलिस के जवान कश्मीर में गैर-स्थानीय मजदूरों पर हुए सबसे घातक हमलों में शामिल आतंकवादियों और उनके सहयोगियों का पता लगाने के लिए निर्माण स्थल के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

एक अधिकारी ने कहा, अभी तक गिरफ्तारी के मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है, लेकिन हमें कुछ सुराग मिलने की उम्मीद है, जिससे हम हमले में संलिप्त आतंकवादियों तक पहुंच सकेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के गुंड इलाके में एक सुरंग परियोजना पर कार्यरत मजदूर एवं अन्य कर्मी देर शाम जब अपने शिविर में लौटे तब अज्ञात आतंकवादियों ने उनपर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने मजदूरों के समूह पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें स्थानीय और बाहरी लोग दोनों शामिल थे। माना जाता है कि आंतकवादियों की संख्या कम से कम दो थी। अधिकारियों ने बताया कि दो श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल श्रमिकों एवं एक डॉक्टर ने बाद में दम तोड़ दिया। एनआईए के अधिकारियों ने आज दोपहर घटनास्थल का दौरा किया ताकि वे साक्ष्य एकत्र कर सकें।

आतंकी हमला: करवाचौथ और वह वीडियो कॉल जो कभी नहीं आई

जम्मू। शशि अबरोल की पत्नी सज-संवरकर फोन की घंटी बजने का इंतजार कर रही थी ताकि वह करवाचौथ का व्रत खोल सके जो उसने अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखा था। लेकिन इसके बजाय यह खबर आई कि कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए एक आतंकी हमले में उसके पति की मौत हो गई है। शशि अबरोल की मौत की खबर रविवार देर रात चांद निकलने के काफी समय बाद आई। करवाचौथ का व्रत रखने वाली लाखों हिंदू महिलाएं अपना दिन भर का उपवास चंद्रमा देखने के बाद तोड़ती हैं। रुचि अबरोल ने भी अपने पति के लिए करवा चौथ का व्रत रखा था।

रविवार को श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादियों के हमले में मारे गए सात लोगों में शशि अबरोल भी शामिल थे। वह आर्किटेक्चरल डिजाइनर के तौर पर कार्यरत थे। हमला उस समय हुआ जब कर्मियों की टीम देर शाम काम से अपने शिविर लौट चुकी थी। अगली सुबह, शशि की पत्नी रुचि अपनी तीन साल की बेटी को सीने से लगाए खड़ी थी- क्रुद्ध, व्यथित। उसके चेहरे पर जो भाव थे, वह साफ दिखा रहे थे कि उसके लिए खबर पर यकीन करना मुश्किल था। दंपति का एक बेटा भी है जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है।

रुचि ने सिसकते हुए पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने उनसे (शशि) शाम को बात की थी। उन्होंने किसी धमकी का जिक्र नहीं किया। मैं करवाचौथ व्रत के लिए मंदिर जा रही थी और हमारी थोड़ी सी बातचीत हुई। मंदिर से लौटने के बाद मैंने उन्हें फोन करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। उसके बाद उनका फोन बंद हो गया। जम्मू के तालाब तिल्लो इलाके में स्थित अपने घर पर अपनी सास के साथ बैठी रुचि ने कहा, मैंने उनके फोन का इंतजार किया, लेकिन मुझे हमले के बारे में कुछ पता नहीं था।

परिवार ने कहा कि देर रात तक किसी ने उन्हें नहीं बताया कि क्या हुआ और बाद में भी हमले के बारे में जानकारी मीडिया के माध्यम से ही हुई।

रुचि की भाभी दिव्या ने कहा कि रुचि अपना उपवास तोड़ने से इनकार कर रही थी। उन्होंने कहा, उनकी (रुचि) जिंदगी बिखर गई है। करवाचौथ का त्यौहार हमारे लिए तबाही का दिन बन गया। हमारे शशि जी को आतंकवादियों ने कायराना हरकत में मार डाला। रुचि ने अपनी पूजा कर ली थी और अपने पति के वीडियो कॉल का इंतज़ार कर रही थी। दिव्या ने कहा, देर रात शशि जी का फोन बंद होने पर हम चिंतित हो गए थे। हालांकि हमने रुचि को सांत्वना देने की कोशिश की। हमें उनकी मृत्यु के बारे में मीडिया से ही पता चला, जिसने हम सभी को चौंका दिया।

शशि परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे। दिव्या ने कहा, इससे उन्हें क्या मिला? अब वह अपने बच्चों का भरण पोषण कैसे करेगी? हम उन्हें श्राप देते हैं। सोनमर्ग में निर्माण कंपनी एपीसीओ के लिए पिछले छह वर्षों से काम कर रहे शशि आखिरी बार दो महीने पहले अपने बेटे के कॉलेज एडमिशन के दौरान घर आए थे। दिव्या ने कहा, उनका लक्ष्य अपने बेटे को एक होनहार इंजीनियर के रूप में देखना था।

शशि की मृत्यु की खबर फैलते ही सैकड़ों पड़ोसी, रिश्तेदार और अन्य लोग शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचे। परिवार ने सरकार की इसलिए आलोचना की कि उन्हें तुरंत सूचित नहीं किया गया। उन्होंने अधिकारियों से अंतिम संस्कार के लिए शशि के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द लाने का आग्रह किया। आतंकी हमले की घटना के बाद शशि की बहन उर्वशी ने आक्रोशित स्वर में कहा, यह इस बात का सबूत है कि कैसी शांति और कैसी सामान्य स्थिति बहाल हुई है। सात लोगों की हत्या कर दी गई। हमने अपना भाई खो दिया। यह घटना उमर अब्दुल्ला के जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के ठीक चार दिन बाद हुई। परिवार ने सरकार से वित्तीय सहायता प्रदान करने का आह्वान किया। शशि के पिता जे एल अबरोल ने कहा कि उन्हें कश्मीर में कभी किसी खतरे की आशंका नहीं रही थी। हम अपनी बहू के लिए नौकरी की मांग करते हैं ताकि परिवार का भरण-पोषण हो सके। परिवार के एक रिश्तेदार नवीन सूरी ने कहा, परिवार में कोई कमाने वाला नहीं बचा है। उनकी पत्नी, जो गृहिणी हैं, बच्चों का भरण पोषण कैसे कर पाएंगी? उन्हें सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए।

बहराइच हिंसा में अब तक 104 लोग गिरफ्तार

बहराइच (उप्र)। बहराइच जिले के महाराजगंज कस्बे में सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में अब तक 104 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और वहीं ध्वस्तीकरण का नोटिस पाने वाले लोगों ने 15 दिन की राहत के लिए सोमवार को उच्च न्यायालय का धन्यवाद किया तथा न्यायालय से राहत की उम्मीद जताई। दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन जुलूस के दौरान गोली लगने से एक युवक की मौत और फिर हुई हिंसा की घटना के बाद बहराइच के कुंडासर-महसी-नानपारा-महाराजगंज मार्ग पर कथित अवैध निर्माण को लेकर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने 23 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए हैं, जिनमें से 20 मुस्लिमों के हैं। ए नोटिस रोड साइड भूमि नियंत्रण अधिनियम, 1964 के तहत जारी किए गए हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊपीठ ने रविवार को इन लोगों को बड़ी राहत देते हुए जवाब दाखिल करने के लिए 15 दिन का समय बढ़ा दिया और राज्य के अधिकारियों को उनके जवाबों पर विचार करने और तर्कसंगत आदेश पारित करने का निर्देश दिया। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 23 अक्टूबर तय की है। जिनके घरों को नोटिस जारी किए गए, उनमें से एक मुस्लिम महिला ने कहा, अब हमें तसल्ली है। हमें भूखे रहने की चिंता नहीं है। अब हमारी उम्मीदें अदालत के आदेश पर टिकी हैं और हमें उम्मीद है कि हमें राहत मिलेगी। एक हिंदू महिला ने कहा, हम बस यही चाहते हैं कि हमारे घरों को टूटने से बचाया जाए। हम गरीब हैं और इस घर के बिना हमारे सिर पर छत नहीं रहेगी। राम प्रसाद के बेटे ननकऊ के घर की बाहरी दीवार पर अभी भी पीडब्ल्यूडी का नोटिस चस्पा है। महिला ने संवाददाताओं से कहा, कल तक मैं बहुत चिंतित थी। मैं खाना नहीं बना पा रही थी, यह सोचकर कि अगर हमारा घर और दुकान चली गई तो हम क्या करेंगे, हम कैसे रहेंगे। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, मेरे पास संपत्ति के कागजात हैं। मेरे पिता यहां रहते थे, अब मैं भी अपनी आधी से ज्यादा जिंदगी जी चुका हूं। मैं कागजात अदालत में पेश करूंगा और उम्मीद करता हूं कि अदालत हमारे साथ न्याय करेगी। महाराजगंज में 13 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन जुलूस के दौरान तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर हुए विवाद में 22 वर्षीय राम गोपाल मिश्रा की गोली लगने से मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी। आगजनी और तोड़फोड़ की घटना के बाद इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया और चार दिन के लिए इंटरनेट बंद रहा। हालांकि, सोमवार को भी महाराजगंज का बाजार पूरी तरह नहीं खुला। अलग-अलग गलियों और सड़कों पर कुछ किराना और बर्तन की दुकानें, पान भंडार, जलपान गृह, फल विक्रेता और सरकारी बैंक की शाखाएं खुली दिखीं, लेकिन उनमें ग्राहकों की आवाजाही न के बराबर रही। महराजगंज हिंसा में कथित तौर पर शामिल हिन्दू पक्ष के 17 लोग रविवार को गिरफ्तार किए गए, इनके अलावा नौ अन्य का चालान कर उन्हें पाबंद किया गया है। रविवार की 17 गिरफ्तारियों को मिलाकर अभी तक दर्ज 11 मुकदमों में दोनों पक्षों के कुल 104 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार, इसके अलावा फखरपुर थाने के बिज्जापुरवा निवासी सरफुद्दीन नामक व्यक्ति को रविवार को सोशल मीडिया पर एक समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने हिंसा के सिलसिले में 11 प्राथमिकी दर्ज कीं और सैकड़ों संदिग्ध अज्ञात दंगाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इससे पहले उत्तर प्रदेश पुलिस ने मिश्रा की हत्या के सिलसिले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद समेत पांच लोगों को मुठभेड़ के बाद उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे कथित तौर पर नेपाल भागने की कोशिश कर रहे थे। राम गोपाल के घर पर पुलिस की कड़ी निगरानी है और गांव की ओर जाने वाले रास्तों पर अवरोध लगा दिए गए हैं। लोगों को पूछताछ के बाद ही गांव में जाने दिया जा रहा है। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने सोमवार को सिटी मजिस्ट्रेट को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। परिषद के जिला अध्यक्ष दीपक त्रिवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री को भेजे गए आठ सूत्री ज्ञापन में मिश्रा की मौत के बाद ब्राह्मणों पर पुलिस द्वारा प्रताड़ित किए जाने की शिकायत की गई है।

● ध्वस्तीकरण नोटिस पाने वालों को अदालत से राहत की उम्मीद

तेलंगाना के मंदिर में मूर्ति खंडित करने की घटना की एनआईए करे जांच : भाजपा

हैदराबाद (भाषा)। भाजपा की तेलंगाना इकाई ने यहां एक मंदिर की मूर्ति क्षतिग्रस्त करने के मामले की सोमवार को एनआईए से जांच कराने की मांग की और आरोप लगाया कि एक विशेष समुदाय के सैकड़ों लोगों को राज्य भर में हिंदू मंदिरों को अपवित्र करने के लिए एक होटल में प्रशिक्षण दिया गया था। तेलंगाना के भाजपा सांसदों, विधायकों और पार्टी नेताओं वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से भेंट की और एक ज्ञापन सौंपकर उनसे राज्य के डीजीपी को 14 अक्टूबर को सिकंदराबाद के मुथ्यालम्मा मंदिर में मूर्ति को अपवित्र करने के मामले को एनआईए को सौंपने के निर्देश देने और घटना पर विस्तृत रिपोर्ट मांगने का अनुरोध किया। भाजपा ने कहा, व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण की आड़ में विभिन्न राज्यों से लोगों को जुटाना और उनके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित करना गंभीर अपराध है।

वक्फ बोर्ड से अनुमति के बाद तीन मंजिलों को गिराने का काम शुरू

शिमला। शिमला में विवादित संजौली मस्जिद की तीन अनधिकृत मंजिलों को गिराने का काम सोमवार को शुरू हो गया। मस्जिद की प्रबंध समिति के अध्यक्ष मुहम्मद लतीफ ने बताया कि वक्फ बोर्ड की अनुमति के बाद यह कदम उठाया गया है। लतीफ ने सोमवार शाम पीटीआई-भाषा को बताया कि पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिद की छत को हटाने के साथ ही ध्वस्तीकरण की कार्वाई शुरू हो गई। वक्फ बोर्ड ने हमें अनुमति दे दी, जिसके बाद मजदूरों को बुलाया गया और आज छत हटाने का काम शुरू हो गया। लतीफ ने संवाददाताओं को बताया कि निगम आयुक्त (एमसी) अदालत का पांच अक्टूबर का आदेश प्राप्त होने के बाद इसकी सूचना वक्फ बोर्ड को दे दी गई। एमसी अदालत के आदेश में वक्फ बोर्ड और संजौली मस्जिद समिति के अध्यक्ष को पांच मंजिला विवादित ढांचे की तीन मंजिलों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया था।

एमसी अदालत के आदेश के मुताबिक वक्फ बोर्ड और मस्जिद समिति के अध्यक्ष को दो महीने में मस्जिद के अनधिकृत हिस्से को अपने खर्च पर गिराना होगा। उन्होंने कहा, वित्तीय मदद मुख्य मुद्दा है क्योंकि न तो जनता और न ही सरकार ढांचे को ध्वस्त करने के लिए धन देगी और मस्जिद समिति को अपने सीमित संसाधनों से खर्च वहन करना होगा। लतीफ उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे जिसने 12 सितंबर को मस्जिद की अनधिकृत मंजिलों को ध्वस्त करने की पेशकश करते हुए ज्ञापन सौंपा था। इससे एक दिन पहले संजौली क्षेत्र में मस्जिद के एक हिस्से को ध्वस्त करने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन में 10 लोग घायल हो गए थे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि यह शायद प्रदेश में पहला ऐसा उदाहरण है, जहां मुस्लिम समुदाय के लोग शांति बनाए रखने के लिए खुद ही मस्जिद के अनधिकृत हिस्से को गिराने के लिए आगे आए।

समुदाय विशेष को 31 दिसंबर तक खंसर घाटी छोड़ने की चेतावनी संबधी खबर का प्रशासन ने किया खंडन

गोपेश्वर। उत्तराखंड के चमोली जिला प्रशासन ने गैरसैंण तहसील में खंसर घाटी के माईथान गांव के स्थानीय लोगों और व्यापार मंडल द्वारा एक समुदाय विशेष के लोगों को 31 दिसंबर तक क्षेत्र को छोड़कर चले जाने की चेतावनी देने की खबरों का सोमवार को खंडन करते हुए कहा कि उन्होंने केवल बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की मांग की थी। चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि गैरसैंण में समुदाय विशेष को लेकर प्रचारित खबरों का वहां के व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने खंडन किया है।

वहां के व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने स्पष्टीकरण दिया है कि उन्होंने एक जनचेतना रैली निकाली थी जिसकी मंशा थी कि वहां रेहड़ी और फड़ लगा रहे बाहरी व्यक्तियों का प्रशासन से सत्यापन कराया जाए। उसका उददेश्य यह था कि इलाके में किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना या कानून और व्यवस्था को लेकर कोई समस्या उत्पन्न न हो। तिवारी ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति सौहार्दपूर्ण है और किसी तरह का कोई तनाव नहीं है। माईथान के व्यापार मंडल और स्थानीय लोगों ने जिले में बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों पर चर्चा के लिए 16 अक्टूबर को बुलाई एक बैठक में वहां रह रहे एक समुदाय विशेष के लोगों को कथित रूप से 31 दिसंबर तक इलाके को छोड़ देने की चेतावनी देते हुए कहा था कि ऐसा न होने पर उन्हें तथा उनके मकान मालिकों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

इस बैठक में खंसर घाटी के अन्य गांवों के लोग भी शामिल हुए थे। माईथान व्यापार मंडल के अध्यक्ष बलदेव सिंह नेगी ने कथित रूप से कहा था कि पिछले कुछ समय से पूरे जिले में खासतौर पर महिलाओं से जुड़ी आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही हैं और इनमें समुदाय विशेष के लोगों की संलिप्तता देखी जा रही है।

कथित रूप से कहा था कि ऐसी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए व्यापार मंडल और क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने यह निर्णय लिया है। नेगी ने कथित रूप से कहा था, इस मसले पर सभा कर सर्वसम्मति से दो प्रस्ताव पारित किए। पहला, यहां रह रहे दूसरे समुदाय के लोगों को क्षेत्र से बाहर जाने के लिए 31 दिसंबर तक की मोहलत दी गई और दूसरा, फेरी के नाम पर क्षेत्र में आने वाले लोगों को 31 दिसंबर के बाद यहां रूकने पर रोक लगाई गई। कथित रूप से कहा था कि चमोली जिले के नंदानगर और उसके बाद गौचर की घटना तथा हाल के दिनों में खंसर घाटी में बिना सत्यापन के आ रहे फेरीवालों और दूसरे समुदाय के लोगों की बढ़ रही संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। अल्मोड़ा जिले की सीमा से सटे चमोली जिले की गैरसैंण तहसील का सुदूरवर्ती गांव माईथान रामगंगा घाटी में कर्णप्रयाग-नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग से बछुवाबाड़ जाने वाली सड़क पर स्थित है।

पेज 1 का शेष

एलएसी...

लिबरेशन आर्मी (पीएलए) पर देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों से पीछे हटने का दबाव बना रहा है। पिछले महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि चीन के साथ 'अलगाव की समस्याओं' में से लगभग 75 प्रतिशत का समाधान हो चुका है, लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर सैन्यीकरण का बढ़ना है। जिनेवा सेंटर फॉर सिक्योरिटी पॉलिसी में उन्होंने कहा, 'अब वे वार्ताएं चल रही हैं। हमने कुछ प्रगति की है। मैं मोटे तौर पर कह सकता हूं कि अलगाव की समस्याओं में से लगभग 75 प्रतिशत का समाधान हो चुका है।' उन्होंने कहा, 'हमें अभी भी कुछ काम करने हैं।' रूस में आगामी सम्मेलन के संबंध में, कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, जिसका विषय 'न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना है', नेताओं को प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, शिखर सम्मेलन ब्रिक्स पहलों पर प्रगति की समीक्षा करने और सहयोग के लिए नए क्षेत्रों की खोज करने का अवसर प्रदान करता है। प्रधानमंत्री मोदी से इस यात्रा के दौरान रूस के कज़ान में ब्रिक्स देशों के नेताओं और अन्य आमंत्रित प्रतिभागियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है। मूल रूप से ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से बना यह समूह अब ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल करने के लिए विस्तारित हो गया है।

दिल्ली बम...

का आम तौर पर चहल-पहल वाला बाजार डर के कारण सुनसान रहा। इससे व्यवसायी परेशान हैं। उन्हें दिवाली के त्योहार से पहले घाटा हो रहा है, जो आमतौर पर आभूषणों सहित वस्तुओं की बिक्री का चरम समय होता है। इसके अलावा, घटनास्थल के पास के दो स्कूलों, जिनमें सीआरपीएफ स्कूल और लैंसेंट कॉन्वेंट शामिल हैं, में छात्रों की कम उपस्थिति देखी गई, क्योंकि माता-पिता उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विस्फोट को खालिस्तान से जोड़कर, सोशल मीडिया पर एक कथित टेलीग्राम पोस्ट प्रसारित किया जा रहा था, जिसमें दावा किया गया था कि यह विस्फोट कथित तौर पर भारतीय एजेंटों द्वारा खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों को 'निशाना' बनाने के प्रतिशोध में किया गया था।' 'जस्टिस लीग इंडिया' द्वारा एक टेलीग्राम पोस्ट में लिखा गया, अगर भारतीय कायर एजेंसी और उनके मालिक सोचते हैं कि वे हमारी आवाज़ को दबाने के लिए हमारे सदस्यों को निशाना बनाने के लिए गुंडों को किराए पर ले सकते हैं, तो वे मूर्खों की दुनिया में रहते हैं। वे कल्पना नहीं कर सकते कि हम उनके कितने करीब हैं और हम किसी भी समय हमला करने में कितने सक्षम हैं 'खालिस्तान जिंदाबाद जेएलआई' । रविवार की देर शाम सोशल मीडिया पर यह पोस्ट सामने आई, जिसमें विस्फोट के पीछे खालिस्तानी अलगाववादियों की संभावित संलिप्तता की ओर इशारा किया गया। एक पुलिस सूत्र ने कहा, पुलिस ने - जस्टिस लीग इंडियन - के बारे में जानकारी के लिए टेलीग्राम को लिखा है, जिसमें विस्फोट का सीसीटीवी खालिस्तान जिंदाबाद वॉटरमार्क के साथ साझा किया गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने अब तक घटनास्थल के आसपास और घटनास्थल की ओर जाने वाले मार्गों पर लगे 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। सूत्र ने बताया, जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में किसी भी ठोस संदिग्ध की पहचान नहीं की गई है। केवल दो व्यक्तियों की धुंधली तस्वीरें देखी गई हैं, लेकिन उनके चेहरे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं, जिसमें विस्फोट से एक रात पहले विस्फोट स्थल पर देखा गया एक सफेद टी-शर्ट वाला संदिग्ध भी शामिल है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की टीमें मामले की जांच कर रही हैं। भारतीय न्याय संहिता की धारा 326 (जी) (सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर परिणाम वाली शरारत), सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान से बचाव अधिनियम और विस्फोटक अधिनियम के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्रशांत विहार थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। जांच के दौरान, लोगों से पूछताछ से पता चला कि सफेद धुएं के साथ तेज आवाज हुई थी। विस्फोट से स्कूल की बाउंड्री वॉल में छेद हो गया। इसके अलावा, विस्फोट के प्रभाव से सीआरपीएफ स्कूल के सामने की दुकानों की खिड़की के शीशे और साइनबोर्ड क्षतिग्रस्त हो गए। कॉलर आकाश पुत्र अजय सिंह निवासी बी-10, प्रशांत विहार, दिल्ली से पूछताछ की गई और उसने खुलासा किया कि वह अपने घर पर सो रहा था और उसने विस्फोट की आवाज सुनी, इसलिए उसने पीसीआर को फोन किया।

दिल्ली की हवा...

हृदय संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने 16 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा कि अध्ययन के अनुसार, भारी धातु जोखिम सूचकांक (एचईआई) का सबसे अधिक स्तर लुधियाना (21.78) में पाया गया, उसके बाद पूर्वी दिल्ली (21.45) और पंचकूला (10.74) का स्थान रहा।

फर्जी बम...

करना चाहते हैं कि इस तरह की घटनाएँ न हों। मंत्री ने कहा कि कॉल आने के बाद से हितधारकों के साथ कई बैठकें की गई हैं ताकि इस तरह की धमकियाँ देने वाले लोगों की पहचान होने के बाद उन्हें नो-फ्लाई सूची में डाला जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार यात्रियों की सुरक्षा से समझौता नहीं करेगी। मंत्री ने कहा कि बम की धमकियों के मद्देनजर देश भर के हवाई अड्डों पर लगभग 10 प्रतिशत सुरक्षा बढ़ा दी गई है। संबंधित घटनाक्रम में, सोमवार को गृह मंत्रालय में एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक भी हुई, जिसमें विमानन सुरक्षा निकाय नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से अपडेट जानकारी ली गई। ये बल हवाई अड्डों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के महानिदेशक (डीजी) जुल्फिकार हसन और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी ने यहां नॉर्थ ब्लॉक स्थित मोहन के कार्यालय में उनसे मुलाकात की। तीनों अधिकारी करीब आधे घंटे तक एक कमरे में बंद रहे। हालांकि, बैठक का ब्योरा तत्काल उपलब्ध नहीं है। सीआईएसएफ देश के 68 नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा करता है। इसके करीब 40,000 जवान आतंकवाद रोधी सुरक्षा कवर प्रदान करते हैं, यात्रियों की तलाशी लेते हैं और सामान की जांच करते हैं।

पर्याप्त...

अदालत ने मौखिक रूप से कहा, हम आपके लिए अपवाद नहीं बना सकते। यदि आप उन्हें संग्रहीत करते हैं, तो (दुरुपयोग) की संभावना है। हम एक सील लगा देंगे। इसकी वीडियोग्राफी की जाएगी। दिल्ली सरकार ने 14 सितंबर को शहर भर में सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया, जो 1 जनवरी तक प्रभावी है। घोषणा करते हुए, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के निवासियों से वायु प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया।

देश भर में...

निर्माण 2010 में शुरू हुआ था। ऐसे और रिएक्टर विभिन्न स्थानों पर लगाए जा रहे हैं।' रमेश ने कहा, 'यह इस बात का एक और उदाहरण है कि हमारे विकास में कितनी निरंतरता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस के शासनकाल में ही काकरापार में दो परमाणु रिएक्टरों को मंजूरी दी गई थी।

उप्र में ...

भारतीय सेवा में कार्यरत उत्तर प्रदेश के 115 शहीद कार्मिकों के आश्रितों को 36 करोड़ 20 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है। वहीं जिलों में तैनात पुलिस कर्मियों की सुख सुविधा के लिए 3 करोड़ 50 लाख, कल्याण के लिए 4 करोड़, कार्यरत, सेवानिवृत पुलिसकर्मी एवं उनके आश्रितों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 2,66 दावों के निस्तारण के लिए 30 लाख 56,000 रुपए की राशि दी गयी। इसी तरह पांच लाख से अधिक चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 3,12 प्रकरण के लिए 12 करोड़ 60 लाख, 135 पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों की गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए अग्रिम ऋण के रूप में 5 करोड़ 5 लाख , जीवन बीमा योजना के तहत 3,06 मृतक पुलिस कार्मिकों के आश्रितों की सहायता के लिए 9 करोड़ 8 लाख रुपए, पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों द्वारा कराए गए कैशलेस उपचार के तहत 31 लाख 16 हजार रुपए, पुलिस कार्मिकों के 205 मेधावी छात्रों को शिक्षा निधि के माध्यम से 53 लाख 30,000 रुपये की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया।

चंद्रबाबू नायडू ने अधिक बच्चे पैदा करने का आह्वान किया

भाषा।अमरावत

आंध्र प्रदेश की गिरती जन्म दर को लेकर मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की महिलाओं से जनसंख्या स्थिर करने के लिए कम से कम दो बच्चे पैदा करने का आह्वान किया है।

इस टिप्पणी का कांग्रेस की आंध्र प्रदेश इकाई ने स्वागत किया है, जबकि सत्तारूढ़ युवजन श्रमिक रायतु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने इस मामले पर मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण पर सवाल उठाया है। नायडू ने कहा कि दक्षिण भारत में आबादी बूढ़ी हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्एक महिला को अपने जीवनकाल में दो से अधिक बच्चों को जन्म देना चाहिए। चेन्नई में, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भी जनसंख्या के मुद्दे को उठाया और इसे परिसीमन कवायद से जोड़ा। आंध्र प्रदेश की जन्म दर प्रति महिला 2.1 जीवित जन्मों के प्रतिस्थापन स्तर से नीचे है। मुख्यमंत्री ने अमरावती में हाल में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान कहा, हमें अपनी जनसंख्या को प्रबंधित करने की आवश्यकता है। 2047 तक, हमारे पास जनसांख्यिकीय लाभांश होगा, अधिक युवा होंगे। 2047 के बाद, अधिक बूढ़े लोग होंगे... यदि दो से कम बच्चे (प्रति महिला) जन्म लेते हैं, तो जनसंख्या कम हो जाएगी। यदि आप (प्रत्एक महिला) दो से अधिक बच्चों को जन्म देती हैं, तो जनसंख्या बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य की जन्म दर गिरकर 1.6 हो गई है। उन्होंने आशंका जताई कि वर्तमान स्थिति जारी रहने से जन्म दर और गिरकर एक या उससे भी कम हो सकती है, जहां समाज में केवल बूढ़े लोग ही दिखाई देंगे। नायडू ने कहा, भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए सभी को अधिक बच्चे पैदा करना अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। यह काम मैं (अधिक बच्चे पैदा करने का आह्वान) न केवल आपके लिए कर रहा हूं, बल्कि राष्ट्र के लिए, व्यापक भलाई के लिए कर रहा हूं। उन्होंने कहा, हम कोई भी काम करके पैसा कमा सकते हैं, लेकिन हम तभी काम करेंगे, जब हमारे बच्चे होंगे या जनसंख्या बढ़ेगी। यूरोप, जापान और अन्य क्षेत्रों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ए देश बुजुर्ग होती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं, जहां वृद्धों की संख्या बढ़ रही है और युवाओं की संख्या घट रही है। नायडू ने तर्क दिया कि दक्षिण भारत भी ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहा है। वहीं, वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता जे. प्रभाकर राव ने नायडू के दृष्टिकोण के प्रभाव पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने लोगों से करीब 10 साल पहले कम बच्चे पैदा करने और अब अधिक बच्चे पैदा करने के लिए कहा। राव ने पीटीआई-भाषा से कहा, उनके (नायडू) बारे में क्या कहा जाए। उनका एक ही बेटा है और उनके बेटे (नारा लोकेश) का भी एक ही बेटा है। वह दूरदर्शी व्यक्ति हैं। वाईएसआरसीपी नेता ने कहा कि राज्य के लोगों ने नायडू की सलाह पर ध्यान देते हुए जन्म नियंत्रण का पालन नहीं किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को सलाह दी कि वह अपनी तुलना किसी पूर्व चीनी नेता से न करें, जिनके अतीत में ऐसे आह्वान के सफल नतीजे मिले थे। कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने जनसंख्या बढ़ाने के नायडू के आह्वान का स्वागत किया। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के उपाध्यक्ष कोलानुकोंडा शिवाजी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दक्षिण भारत के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसा आह्वान किया है। शिवाजी ने कहा, परिसीमन के तहत हमारे क्षेत्र (दक्षिण भारत) की संसद सीटें कम हो जाएंगी और वे उत्तरी राज्यों में जुड़ जाएंगी। इसलिए, इससे उबरने के लिए समय नहीं है। इसलिए, जब यहां की आबादी बढ़ेगी, तो हमारी सीटें हमारे पास होंगी। इस बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि लोकसभा परिसीमन प्रक्रिया से कई दंपतियों के 16 (तरह की संपत्ति) बच्चों की तमिल कहावत की ओर वापस लौटने की उम्मीदें बढ़ सकती हैं, लेकिन नतीजे जो भी हों, लोगों को अपने बच्चों को तमिल नाम देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, संसदीय परिसीमन प्रक्रिया से दंपतियों को अधिक बच्चे पैदा करने और छोटा परिवार का विचार छोड़ने के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है। लेकिन परिणाम जो भी हों, लोग अपने बच्चों को तमिल नाम दें। उन्होंने कहा कि अतीत में, बुजुर्ग नवविवाहित जोड़ों को 16 बच्चों का नहीं बल्कि 16 तरह की संपत्ति अर्जित करने और खुशहाल जीवन जीने का आशीर्वाद देते थे, जिसमें प्रसिद्धि, शिक्षा, वंश, धन आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे लोग खुशहाली के लिए परिवार छोटा रखने के महत्व को समझने लगे हैं। स्टालिन ने कहा, उस आशीर्वाद का मतलब 16 बच्चे पैदा करना नहीं है...लेकिन अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जहां लोगों को लगता है कि अब उन्हें सचमुच 16 बच्चे पैदा करने चाहिए, न कि एक छोटा और खुशहाल परिवार रखना चाहिए।

परिसीमन क्वायद से अधिक बच्चे रखने की उम्मीद जग सकती है बच्चों को तमिल नाम दे : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को कहा कि लोकसभा परिसीमन प्रक्रिया से कई दंपतियों के 16 (तरह की संपत्ति) बच्चों की तमिल कहावत की ओर वापस लौटने की उम्मीदें बढ़ सकती हैं, लेकिन नतीजे जो भी हों, लोगों को अपने बच्चों को तमिल नाम देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने जनगणना और लोसकभा परिसीमन प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि नवविवाहित जोड़े अब कम बच्चे पैदा करने का विचार त्याग सकते हैं।हिंदू धार्मिक मामलों के विभाग के तत्वावधान में आयोजित एक समारोह में 31 जोड़ों की शादी संपन्न कराने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, संसदीय परिसीमन प्रक्रिया से दंपतियों को अधिक बच्चे पैदा करने और छोटा परिवार का विचार छोड़ने के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है। लेकिन परिणाम जो भी हों, लोग अपने बच्चों को तमिल नाम दें। उन्होंने कहा कि अतीत में, बुजुर्ग नवविवाहित जोड़ों को 16 बच्चों का नहीं बल्कि 16 तरह की संपत्ति अर्जित करने और खुशहाल जीवन जीने का आशीर्वाद देते थे, जिसमें प्रसिद्धि, शिक्षा, वंश, धन आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे लोग खुशहाली के लिए परिवार छोटा रखने के महत्व को समझने लगे हैं। स्टालिन ने कहा, उस आशीर्वाद का मतलब 16 बच्चे पैदा करना नहीं है... लेकिन अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जहां लोगों को लगता है कि अब उन्हें सचमुच 16 बच्चे पैदा करने चाहिए, न कि एक छोटा और खुशहाल परिवार रखना चाहिए।

बरामद सोना जौहरी को बेचने के आरोप में थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी हुए निलंबित

कानपुर। (भाषा) उत्तर प्रदेश के कानपुर में चोरी किए जेवरात बरामद किए जाने के बाद उन्हें पिघलाकर जौहरी को बेचने के आरोप में एक थाना प्रभारी और प्रशिक्षु दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) हरीश चंदर ने बताया कि बर्रा थाना क्षेत्र में एक अक्टूबर को अध्यापिका शालिनी दुबे के घर में घुसे चोरों ने सोने के आभूषण समेत कीमती सामान पर हाथ साफ कर लिया जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ही कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। चंदर ने बताया, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि अध्यापिका के घर में चोरी के मामले में उन्हें रेल बाजार थाने की पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस दौरान उन्होंने अपना अपराध कुबूल करते हुए पुलिस को उस जौहरी के बारे में भी बताया था जिसे उन्होंने लूटा हुआ सोना बेचा था। अपर पुलिस आयुक्त के अनुसार, जांच में पता चला कि रेल बाजार थाने के पुलिसकर्मियों ने बताए गए जौहरी को बुलाया था जिसने अपना अपराध कुबूल करते हुए पुलिस को करीब 25 लाख रुपए का सोना लौटा दिया। जौहरी ने उसके खिलाफ मामला दर्ज न करने का अनुरोध किया था। उन्होंने दावा किया, आरोपी पुलिसकर्मियों ने गहनों को पिघलाकर शुद्ध सोना निकाला और बाद में उसे दूसरे जौहरी को बेच दिया। इन गंभीर आरोपों की जांच के लिए एक टीम गठित की गई थी। जांच में पुलिसकर्मियों को अवैध रूप से सोना बेचने और कर्तव्य पालन में लापरवाही बरतने का दोषी पाया गया। चंदर के मुताबिक इस आधार पर रेल बाजार थाने के प्रभारी विजय दर्शन शर्मा, प्रशिक्षु दारोगा नवीन श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल सुभाष तिवारी और आमिल हफीज को सोमवार को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ कानूनी कार्वाई की जा रही है।

संभल में पूर्व मंत्री के बेटे और सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के खिलाफ बिजली चोरी का केस

संभल।(भाषा) संभल जिले में बिजली विभाग ने एक पूर्व मंत्री के बेटे और समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व जिलाध्यक्ष के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। संभल के बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता नवीन गौतम ने बताया कि शनिवार को बारादरी रोड सराय तरीन कस्बे में अकिल उर रहमान के बेटे आमिर बिन अकिल से जुड़े एक परिसर की जांच में बिजली चोरी पाई गई जिसके बाद आमिर के खिलाफ एंटी पावर थेफ्ट थाने में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया।अकिल उर रहमान बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सरकार में मंत्री रहे और अब वह समाजवादी पार्टी (सपा) में हैं। इस मामले में आमिर बिन अकिल की तरफ से एक लाख 65 हजार रुपए का जुर्माना भर दिया गया है। आमिर ने पीटीआई-भाषा से कहा, जिस दिन बिजली विभाग की टीम ने जांच की, हम एक रिश्तेदार की मातमपुर्सी में गए थे। एक तार बिजली के मीटर से अलग निकला हुआ था।हमने इसमें पूरा जुर्माना बिजली विभाग में जमा करा दिया है, अब कोई बात नहीं है। हमने इसमें पूरा जुर्माना बिजली विभाग में जमा करा दिया है, अब कोई बात नहीं है। नवीन गौतम ने बताया कि रविवार को हयातनगर के पक्का बाग में जांच के दौरान फिरोज खान (सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष) के निजी कार्यालय में बिजली चोरी पकड़ी गई। उन्होंने बताया कि खान के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराया गया है और जुर्माने का आकलन किया जा रहा है। फिरोज खान ने पीटीआई-भाषा को बताया, मेरे यहां जेनरेटर लगा हुआ है, उसी से लाइट आती है। खान ने आरोप लगाया, यह मुकदमा राजनीति के चलते किए जा रहे हैं क्योंकि मैं कुंदरकी विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए सपा से टिकट मांग रहा हूं। उन्होंने दावा किया, मुझे उलझाने के लिए यह मुकदमा किया गया है, मुझे अपनी जान का भी खतरा लग रहा है। मैं मंगलवार को संभल के पुलिस अधीक्षक से मिलूंगा।

दुनिया में उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की किरण बना: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है। एक समाचार चैनल की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है भारत की शताब्दी। दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है।मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं।उन्होंने कहा, भारत आज एक विकासशील देश भी है और उभरती हुई शक्ति भी है। हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानते हैं। हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही हैं। उन्होंने कहा, आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के शुरुआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है>

जितने भी माफिया है अखिलेश यादव उनके सरगना: केशव प्रसाद

हरदोई। (भाषा) उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जितने भी माफिया हैं, अखिलेश यादव उनके सरगना और सरदार हैं। मौर्य ने हरदोई के शाहाबाद में प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के पति एवं पूर्व विधायक उपेंद्र तिवारी की श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए दावा किया, माफिया जिस दिन समाजवादी पार्टी को छोड़ देंगे उस दिन समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी बन जाएगी। उन्होंने कहा, अपराधियों के खिलाफ, माफिया के खिलाफ, दंगाइयों के खिलाफ कार्यवाही होती है तो अखिलेश यादव विचलित हो जाते हैं, क्योंकि जिस दिन गुंडे अपराधी माफिया दंगाई सपा का साथ छोड़ देंगे उसी दिन सपा समाप्तवादी पार्टी हो जाएगी। मौर्य ने दोहराया कि गुंडे, अपराधी, माफिया, भू माफिया, नकल माफिया जितने भी माफिया हैं, अखिलेश यादव उनके सरगना है सरदार हैं। उपमुख्यमंत्री ने इस दौरान विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास एवं निरीक्षण किया। मौर्य ने उप्र में विधानसभा की नौ सीटों पर 13 नवंबर को होने वाले चुनाव को लेकर भरोसा जताते हुए कहा हमें पूरा विश्वास है कि यूपी के होने जा रहे उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी जीतेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी ने मिलकर झूठ बोलकर के गुमराह करके कुछ सफलता हासिल की है, जो गुब्बारे की तरह है। भाजपा नेता ने कहा कि जनता गुब्बारे की हवा निकाल देगी।

धर्मनिरपेक्षता को हमेशा संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा माना गया

नई दिल्ली।(भाषा) उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि धर्मनिरपेक्षता को हमेशा से भारतीय संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न अंग माना गया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिन्होंने संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल किए जाने को चुनौती दी है। पीठ ने कहा, इस न्यायालय ने कई निर्णयों में माना है कि धर्मनिरपेक्षता हमेशा से संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा रही है। अगर समानता के अधिकार और संविधान में प्रयुक्त बंधुत्व शब्द को सही से देखा जाए, तो इस बात का स्पष्ट संकेत मिलता है कि धर्मनिरपेक्षता को संविधान की मुख्य विशेषता माना गया है। इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 1976 में लाए गए 42वें संविधान संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द शामिल किए गए थे। इस संशोधन ने प्रस्तावना में भारत का उल्लेख संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्यै से बदलकर संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्यै कर दिया। सुनवाई के दौरान जैन ने दलील दी कि डॉ. बी.आर. आंबेडकर ने कहा था कि समाजवाद शब्द को शामिल करने से व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना को संशोधनों के जरिए संशोधित नहीं किया जा सकता।न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि समाजवाद के अलग-अलग अर्थ हैं और पश्चिमी देशों में अपनाए गए अर्थ को नहीं लिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, समाजवाद का अर्थ यह भी हो सकता है कि अवसर की समानता होनी चाहिए और देश की संपत्ति समान रूप से वितरित की जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं में शामिल अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि वह न तो समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्दों के खिलाफ हैं और न ही संविधान में उनके शामिल किए जाने के खिलाफ हैं, बल्कि वह इन शब्दों को 1976 में प्रस्तावना में शामिल किए जाने के खिलाफ हैं और वह भी 26 नवंबर, 1949 से पूर्वव्यापी प्रभाव के साथ। उन्होंने कहा कि एक शब्द जोड़ने से देश में कोई वास्तविक प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि भविष्य की सरकारों के लिए भानुमती का पिटारा खुल जाता है। उन्होंने कहा कि ए सरकारें इन शब्दों के साथ खेल सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना से एक शब्द हटाया जा सकता है। दूसरी ओर, स्वामी ने कहा कि प्रस्तावना 26 नवंबर, 1949 को की गई एक घोषणा थी, इसलिए बाद में संशोधन के माध्यम से इसमें और शब्द जोड़ना मनमाना था। उन्होंने कहा कि यह दर्शाना गलत है कि वर्तमान प्रस्तावना के अनुसार, भारतवासी 26 नवंबर, 1949 को भारत को एक समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य बनाने के लिए सहमत हुए थे। पीठ ने कहा कि वह मामले की पड़ताल करेगी। इसने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 नवंबर की तारीख निर्धारित की। शीर्ष अदालत ने नौ फरवरी को सवाल किया था कि क्या संविधान की प्रस्तावना को अपनाने की तारीख, 26 नवंबर, 1949 को बरकरार रखते हुए संशोधित किया जा सकता है। जैन ने कहा कि भारत के संविधान की प्रस्तावना एक विशिष्ट तिथि के साथ आती है, इसलिए, बिना चर्चा के इसमें संशोधन नहीं किया जा सकता। स्वामी ने कहा कि 42वां संशोधन अधिनियम आपातकाल (1975-77) के दौरान पारित किया गया था। शीर्ष अदालत ने दो सितंबर, 2022 को स्वामी की याचिका को अन्य लंबित मामले बलराम सिंह और अन्य के साथ सुनवाई के लिए संलग्न कर दिया था। स्वामी और सिंह दोनों ने प्रस्तावना से 'समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग की है। स्वामी ने अपनी याचिका में दलील दी कि प्रस्तावना को बदला या निरस्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना न केवल संविधान की आवश्यक विशेषताओं को इंगित करती है, बल्कि उन मूलभूत शर्तों को भी दर्शाती है जिनके आधार पर इसे एकीकृत समुदाय बनाने के लिए अपनाया गया था।

भदोही में इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की हत्या

भदोही।(भाषा) भदोही जिले मे एक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की सोमवार को कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल चौराहे पर स्थित इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य योगेंद्र बहादुर सिंह (56), अभिलौरी गांव स्थित अपने घर से कार मे सवार होकर निकले थे तभी घर से दो सौ मीटर की दूरी पर पूर्वाह्न करीब 10 बजे मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात युवकों ने कार के टायर पर गोली चला दी। उन्होने बताया कि इसके बाद उन्होने कार के पास पहुंचकर सिंह पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी और हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिंह को पास के एक सरकारी अस्पताल मे ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। उन्होने बताया कि आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है और हमलावरो को पकड़ने के लिए टीम ने घेराबंदी की है। कॉलेज के प्रबंधक एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के काशी प्रांत के क्षेत्रीय मंत्री आशीष सिंह बघेल ने बताया कि योगेंद्र 1994 से कॉलेज मे बतौर शिक्षक तैनात थे और इसी वर्ष एक जुलाई को उन्हे कॉलेज के प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नति दी गई थी।

न्यायालय ने गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों के संदर्भ मे एनसीपीसीआर की सिफारिश पर रोक लगाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बाल अधिकार निकाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की उस सिफारिश पर रोक लगा दी है जिसमे राज्यो से गैर-मान्यता प्राप्त मदरसो के छात्रो को सरकारी स्कूलो मे स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मुस्लिम संगठन जमियत उलेमा-ए-हिंद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता की दलीलो पर गौर किया कि एनसीपीसीआर की सिफारिश और कुछ राज्यो की ओर से इसके परिणामस्वरूप की गई कार्वाई पर रोक लगाने की आवश्यकता है। संगठन ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकारो के उस निर्देश को चुनौती दी है जिसमे कहा गया है कि गैर-मान्यता प्राप्त मदरसो के छात्रो को सरकारी स्कूलो मे स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि इस वर्ष सात जून और 25 जून को जारी एनसीपीसीआर के सिफारिश पर कार्वाई नही की जानी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि इसके परिणामस्वरूप किए गए राज्यो के आदेश भी स्थगित रहेंगे। न्यायालय ने मुस्लिम संस्था को उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा के अलावा अन्य राज्यो को भी अपनी याचिका मे पक्षकार बनाने की अनुमति दी।

वक्फ संबंधी समिति की बैठक में हुई नोकझोंक

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर सोमवार को संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में सांसदों के सवालों के जवाब दिए और विस्तृत प्रस्तुति दी, जिस दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों ने तर्क दिया नए कानून को लेकर मंत्रालय से वर्षों से कभी भी परामर्श नहीं किया गया। वर्ष 1976 में संविधान में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल करने को चुनौती के लिए उच्चतम न्यायालय में दायर याचिकाओं का असर भी बैठक पर पड़ा क्योंकि विपक्षी सांसदों द्वारा कुछ वकीलों से बयान लेने के समिति के फैसले पर सवाल उठाने के बाद नोकझोंक भी हुई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सांसद ने कहा कि किसी भी प्रस्तावित कानून में सभी भारतीय हितधारक जुड़े हैं और समिति अपने विवेक से किसी को भी मूल्यवान सुझाव देने के लिए बुला सकती है जिसे वह उचित समझे।

प्रधान न्यायाधीश पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे सपा महासचिव रामगोपाल

मैनपुरी (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ पर कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करके विवादों में घिर गए हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यादव के खिलाफ कानूनी कार्वाई की मांग की है। सपा नेता की टिप्पणी का एक वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हंगामा मच गया। हालांकि, राम गोपाल ने कहा कि उनकी टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश को लक्ष्य करके नहीं की गई थी और उन्होंने पूरे मामले की जांच की मांग की। राम गोपाल की विवादास्पद टिप्पणी कथित तौर पर मीडिया की ओर से पूछे गए उस सवाल के जवाब में आई जिसके तहत उनसे पुणे में दिए गए चंद्रचूड़ के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी। चंद्रचूड़ ने बयान दिया था कि उन्होंने अयोध्या विवाद के समाधान के लिए भगवान से प्रार्थना की थी और कहा था कि अगर कोई आस्था पर कायम रहता है तो भगवान रास्ता ढूंढ़ ही लेते हैं। सवाल का जवाब देते हुए राम गोपाल ने कहा, मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। जब आप मृतकों को जीवित करते हैं, तो वे भूत बन जाते हैं और आपके पीछे पड़ जाते हैं। इसी संदर्भ में मीडिया के एक अन्य प्रश्न पर यादव को एक अपशब्द का उपयोग करते हुए और यह पूछते हुए सुना गया कि उन्हें ऐसे सभी लोगों पर संज्ञान क्यों लेना चाहिए। टिप्पणी पर विवाद के बीच, यादव ने स्पष्ट किया कि उनसे प्रधान न्यायाधीश या न्यायपालिका से संबंधित कोई प्रश्न नहीं पूछा गया था और उन्होंने इस संबंध में कुछ भी नहीं कहा। उन्होंने एक्स पर हिंदी में किए गए एक पोस्ट में कहा, 'मैंने जिलाधिकारी और मैनपुरी के पुलिस अधीक्षक से (मामले की) जांच करने को कहा है। राम गोपाल ने कहा, आज समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार तेज प्रताप सिंह ने करहल विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। मैं भी मैनपुरी में था। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सैकड़ों लोग थे। उनमें से ज्यादातर करहल, मिल्कीपुर और बहराइच के बारे में पूछ रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ शरारती लोगों ने बहराइच के बारे में कुछ लोगों के अप्रासंगिक बयान पर मेरे जवाब पर एक काल्पनिक सवाल बनाया और उसमें प्रधान न्यायाधीश का नाम जोड़ दिया। राम गोपाल ने कहा कि उनसे प्रधान न्यायाधीश और न्यायपालिका से जुड़ा कोई सवाल नहीं पूछा गया और न ही उन्होंने इस संबंध में कुछ कहा है। उप्र भाजपा के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा, 'राम गोपाल की टिप्पणी न्यायपालिका की अवमानना है और समाजवादी पार्टी को उनके खिलाफ कार्वाई करनी चाहिए। वह एक प्रोफेसर के रूप में जाने जाते हैं, लेकिन उनकी हरकतें एक शरारती बच्चे जैसी हैं।

मथुरा सड़क हादसे मे तीन युवकों की मौत

मथुरा। मथुरा मे सोमवार तड़के यमुना एक्सप्रेसवे पर एक कार के अन्य वाहन से टक्कर जाने के कारण तीन लोगो की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) त्रिगुण बिसेन ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े चार बजे राया क्षेत्र की है जब जब कार वाराणसी से दिल्ली जा रही थी। बिसेन ने बताया कि संदेह है कि संभवतः कार चालक को झपकी आ गई, जिसके कारण यह टक्कर हुई।उन्होने बताया कि इस दुर्घटना मे दिल्ली के स्वरूप नगर निवासी पंकज वर्मा, बिहार के दरभंगा जिले के निवासी भावेश यादव और बिहार के सारण जिले के निवासी रोहित की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतकों की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

मनाइए त्योहारों की खुशियां अपनो के साथः वाराणसी त्योहारों का मौसम जैसे-जैसे करीब आ रहा है वैसे ही आपकी वॉर्डरोब को नया रूप देने और नए ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदने का भी बेहतरीन मौका बन रहा है। आप चाहे परिवार में त्योहारों के जश्न के लिए तैयार हो रहे होंए या फिर त्योहारों पर किसी पार्टी की मेज़बानी करने जा रहे हैं या बस यूंही त्योहारों के इस मौसम का मजा उठा रहे होंए अमेजन फैशन एंड ब्यूटी की ओर से खास तौर पर पेश किए गए कलेक्शन आपके हर त्योहारी लुक को और भी खास बना देंगे। अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2024 के दौरानए ग्राहकों को अपैरलए फुटवियरए एक्सेसरीज़ए लग्जरी ब्यूटी और ट्रैवल से जुड़े टॉप फैशन एंड ब्यूटी ब्रांड्स पर 80प्रतिशत तक की छूट का फायदा मिलेगा।

निष्कासित भारतीय उच्चायुक्त का कनाडा में सिख नेता की हत्या में संलिप्तता से इनकार

भाषा। वैंकूवर

वर्मा ने कहा इस मामले कोई सबूत नही दिया गया है- यह आरोप पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है

कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कनाडाई सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की पिछले साल ब्रिटिश कोलंबिया में हुई हत्या में किसी भी प्रकार की संलिप्तता से इनकार किया है। हालांकि, कनाडाई सरकार ने इस हत्या में उनकी संलिप्तता का आरोप लगाया है। कनाडा ने गत सोमवार को संजय कुमार वर्मा समेत पांच अन्य भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। वर्मा ने सीटीवी के क्रेश्चन पीरियड संडे में एक साक्षात्कार में कहा कि ए आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। यह पूछने पर कि क्या 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक सांस्कृतिक केंद्र के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर की गई हत्या में उनकी कोई भूमिका थी, इस पर वर्मा ने कहा, बिल्कुल भी नहीं। कोई सबूत नहीं दिया गया है। यह राजनीति से प्रेरित है। कनाडा में रह रहे चार भारतीय नागरिकों पर निज्जर की हत्या के आरोप लगाए गए हैं और उन पर मुकदमा चलाया जाना है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने गत सप्ताह आरोप लगाए थे कि भारतीय राजनयिक कनाडा में सिख अलगावदियों के बारे में अपने देश की सरकार के साथ सूचना साझा करके उन्हें निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि शीर्ष भारतीय अधिकारी उस जानकारी को भारत के संगठित आपराधिक समूहों को दे रहे हैं, जो गोलीबारी, वसूली और यहां तक कि हत्या कर ऐसे कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं जो कनाडाई नागरिक हैं। वर्मा ने कनाडा में भारत सरकार द्वारा सिख अलगावावादियों को निशाना बनाए जाने से इनकार किया। उन्होंने कहा, मैंने भारत के उच्चायुक्त के रूप में ऐसा कभी कुछ नहीं किया। कनाडा में भारतीय अधिकारियों द्वारा की गई कोई भी कार्वाई सबके सामने थी। वर्मा ने साक्षात्कार में निज्जर की हत्या की निंदा की। उन्होंने कहा, कोई भी हत्या गलत और बुरी बात है। मैं इसकी निंदा करता हूं। वर्मा ने कनाडाई विदेश मंत्री मेलानी जोली की उस टिप्पणी पर भी पलटवार किया, जिसमें भारत की तुलना रूस से की गई थी। जोली ने कहा था कि कनाडा के राष्ट्रीय पुलिस बल ने भारतीय राजनयिकों को कनाडा में हत्याओं और जान से मारने की धमकियों से जोड़ा है।

भारतीय राजदूत ने कहा, वह जिस बारे में बात कर रही हैं, मुझे उसका ठोस सबूत देखने दीजिए। जहां तक मैं जानता हूं, वह राजनीतिक बातें कर रही हैं। भारत, कनाडा के आरोपों को बेतुका बताकर खारिज कर चुका है और विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह इसके जवाब में कनाडा के कार्यवाहक उच्चायुक्त तथा पांच अन्य राजनयिकों को निष्कासित कर रहा है।वर्मा ने कहा कि कनाडाई आरोपों के बारे में हमारे साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया गया। आरसीएमपी ने कहा है कि इस महीने की शुरुआत में भारतीय अधिकारियों के साथ सबूत साझा करने के प्रयास असफल रहे थे। वर्मा ने कहा कि आरसीएमपी ने भारत की यात्रा करने के लिए उचित वीजा के वास्ते आवेदन नहीं दिया था। उन्होंने कहा, वीजा लगाना होगा। किसी भी सरकारी प्रतिनिधिमंडल के लिए किसी अन्य देश की यात्रा करने के वास्ते आपको एक एजेंडे की आवश्यकता होती है। उनका कोई भी एजेंडा नहीं था। कनाडा इकलौता देश नहीं है जिसने भारतीय अधिकारियों पर विदेशी सरजमीं पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। अमेरिका के न्याय विभाग ने न्यूयॉर्क में रह रहे एक सिख अलगाववादी की हत्या की कथित नाकाम साजिश के संबंध में बृहस्पतिवार को भारत सरकार के एक कर्मचारी के खिलाफ आपराधिक आरोपों की घोषणा की। मेरिकी न्याय विभाग ने विकास यादव पर सिख अलगावावादी गुरपतवंत सिंह पन्नून की हत्या की नाकाम साजिश में भूमिका के संबंध में, भाड़े के हत्यारों की मदद से हत्या को अंजाम देने का प्रयास करने और धन शोधन के आरोप लगाए गए हैं। इस पर वर्मा ने कहा, अभियोग, दोषसिद्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका की न्यायिक प्रक्रिया का पालन करेगा। कनाडा में निज्जर की हत्या के कारण भारत-कनाडा के संबंध एक साल से अधिक समय से तनावपूर्ण बने हुए हैं लेकिन वर्मा का मानना है कि इससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इसका गैर-राजनीतिक द्विपक्षीय संबंधों पर ज्यादा असर पड़ेगा।

बीजिंग के युद्धाभ्यास के एक सप्ताह बाद अमेरिकी व कनाडाई युद्धपोत ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरे

ताइपे।(एपी) चीन द्वारा ताइवान के पास बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास किए जाने के लगभग एक सप्ताह बाद अमेरिका और कनाडा के युद्धपोत रविवार को ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरे। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि सभी देशों के लिए नौवहन की स्वतंत्रता के सिद्धांत को कायम रखने के लिए विध्वंसक पोत यूएसएस हिगिंस और कनाडाई युद्धपोत एचएमसीएस वैंकूवर ताइवान जलडमरूमध्य से नियमित रूप से गुजरे। अमेरिकी नौसेना के पोत चीन को ताइवान से अलग करने वाले संवेदनशील जलमार्ग से नियमित रूप से गुजरते हैं। ऐसे में कभी-कभी मित्र देशों के पोत भी उसके साथ होते हैं। चीन ने इस युद्धाभ्यास की निंदा करते हुए कहा कि यह क्षेत्र में शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाता है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की ईस्टर्न थिएटर कमांड ने कहा कि उसने अमेरिकी और कनाडाई पोतों के पारगमन की निगरानी के लिए कानून के अनुसार नौसेना और वायु सेना को तैनात किया है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े ने बयान में कहा कि पोत ऐसे जल क्षेत्र से गुजरे जहां समुद्री नौवहन और हवाई क्षेत्र में उड़ान की स्वतंत्रता अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत लागू होती है। इसमें कहा गया है, ताइवान जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के नौवहन के अधिकारों और स्वतंत्रता को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। चीन ने सोमवार को ताइवान और उसके बाहरी द्वीपों के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया जिसमें युद्धक विमानों के साथ एक विमानवाहक पोत भी तैनात किया गया। उसका यह कदम ताइवान जलडमरूमध्य में तनावपूर्ण स्थिति को दर्शाता है। चीन ने सैन्य अभ्यासों में एक दिन में रिकॉर्ड 125 सैन्य विमानों का इस्तेमाल किया। चीन के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि यह अभ्यास ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बीजिंग की उन मांगों को मानने से इनकार करने की प्रतिक्रिया है कि ताइवान खुद को कम्युनिस्ट पार्टी के शासन के तहत चीन के हिस्से के रूप में स्वीकार करे।

फिलीपीन में अमेरिकी मिसाइलों की तैनाती युद्ध तैयारी के लिहाज से बहुत अहम : सैन्य अधिकारी

**मनीला, 21 अक्टूबर (भाषा) अमेरिका के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने सोमवार को कहा कि उत्तरी फिलीपीन में मध्यम दूरी की एक मिसाइल प्रणाली की हालिया तैनाती अविश्वसनीय रूप से अहम है और अमेरिका तथा फिलीपीन की सेनाओं को एशिया में ऐसे भारी हथियारों के संभावित इस्तेमाल के लिए संयुक्त तौर पर प्रशिक्षित करने में सक्षम बनाती है। अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने एशिया में ताइवान और अन्य विवादित इलाकों में संभावित टकराव सहित किसी भी अन्य स्थिति में चीन का बेहतर मुकाबला करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य गठबंधनों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। पिछले साल दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ बढ़ते विवाद के मद्देनजर फिलीपीन ने भी अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में काम किया है। चीन ने एशिया में अमेरिका की बढ़ती सैन्य उपस्थिति का कड़ा विरोध किया है। लेकिन अप्रैल में अमेरिकी सेना द्वारा फिलीपीनी फौज के साथ संयुक्त युद्ध अभ्यास के हिस्से के रूप में उत्तरी फिलीपीन में टायफ्न मिसाइल प्रणाली की तैनाती से वह खासतौर से चिंतित है। टायफ्न मिसाइल प्रणाली एक सतह-आधारित हथियार है, जो स्टैंडर्ड मिसाइल-6 और टॉमहॉक लैंड अटैक मिसाइल दागने में सक्षम है। यह पूछे जाने पर कि फिलीपीन में टायफ्न मिसाइल प्रणाली ने संयुक्त युद्ध अभ्यास में प्रतिभागी बलों की कैसे मदद दी, इस पर अमेरिका के हवाई में तैनात 25वें इंफैंट्री डिविजन के कमांडिंग जनरल मार्क्स इवांस ने कहा, 'यह सामूहिक रूप से क्या करता है, हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि उस क्षमता का कैसे इस्तेमाल किया जाए-यहां की पर्यावरणीय चुनौतियां क्षेत्र के किसी भी अन्य स्थान की तुलना में बहुत अनोखी हैं। मनीला में द एसोसिएटेड प्रेस को दिए साक्षात्कार में इवांस ने कहा, पिछले साल, हमने लंबी दूरी की मिसाइलें दागने में सक्षम एचआईएमएआरएस (हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम) की तैनाती की थी और हम विमान से उन्हें पूरे द्वीपसमूह में ले जाने में सफल रहे थे।

पाकिस्तान में कानून पारित

तीन वर्ष तक सीमित किया गया प्रधान न्यायाधीश का कार्यकाल

इस्लामाबाद।(भाषा) पाकिस्तान ने सोमवार को एक कानून पारित किया, जिसके तहत प्रधान न्यायाधीश का कार्यकाल तीन साल तक सीमित कर दिया गया और उच्चतम न्यायालय के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों में से शीर्ष न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए विशेष आयोग का गठन किया जाएगा। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के विरोध के बीच पाकिस्तान सरकार ने यह कदम उठाया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सोमवार को संविधान (26वां संशोधन) अधिनियम, 2024 को अपनी मंजूरी दे दी, जिसे संसद के दोनों सदनों - सीनेट और नेशनल असेंबली ने पहले ही पारित कर दिया था। छब्बीसवें संविधान संशोधन विधेयक के कानून बन जाने के बाद सरकार अब न्यायमूर्ति मसूर अली शाह को वर्तमान प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा का स्थान लेने से रोक सकती है, जो 65 वर्ष के होने के बाद 25 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 65 साल से बढ़ाकर 68 साल करने का मूल विचार संशोधन का हिस्सा नहीं था। रविवार को सीनेट ने दो तिहाई बहुमत से इस विधेयक को हरी झंडी दे दी। फिर, रविवार देर रात शुरू हुए और सोमवार सुबह 5 बजे तक जारी रहे सत्र के दौरान नेशनल असेंबली ने भी विधेयक पारित कर दिया। सदन के 336 सदस्यों में से 225 ने विधेयक का समर्थन किया। विपक्ष का आरोप है कि नए कानून का उद्देश्य स्वतंत्र न्यायपालिका की शक्तियों को कम करना है। नेशनल असेंबली सचिवालय की अधिसूचना के अनुसार, संविधान (26वां संशोधन) अधिनियम, 2024 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल गई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और सुन्नी-इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) ने नेशनल असेंबली में संशोधन का विरोध किया, लेकिन पीटीआई के समर्थन से अपनी सीट बरकरार रखने वाले छह निर्दलीय सदस्यों ने विधेयक का समर्थन किया। सरकार को संशोधन पारित करने के लिए 224 वोटों की आवश्यकता थी। रविवार रात सीनेट में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत के साथ संशोधन को मंजूरी देने के लिए इसे चार के मुकाबले 65 मत मिले। सत्तारूढ़ गठबंधन को संसद के ऊपरी सदन में 64 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता थी। इस विधेयक में कई संवैधानिक संशोधन शामिल हैं, जिनमें उच्चतम न्यायालय के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों में से एक को प्रधान न्यायाधीश नियुक्त करने के लिए विशेष आयोग का गठन भी शामिल है।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने चार्ल्स से कहा-आप मेरे राजा नहीं हैं

कैनबरा,(एपी)। ऑस्ट्रेलियाई संसद का दौरा करने पहुंचे राजा चार्ल्स तृतीय से यहां की एक सांसद ने सोमवार को कहा कि यह देश ब्रिटेन के राजा की जमीन नहीं है।आदिवासी सांसद लिडिया थोर्पे ने शाही दंपति के संसद में पहुंचने पर चिल्लाते हुए कहा कि ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की जमीनें और हड्डियां तक छीन ली थीं, जिसके बाद उन्हें (थोर्पे) को संसद से बाहर ले जाया गया। थोर्पे ने कहा, आपने (ब्रिटेन के राजा) हमारे लोगों का कत्लेआम किया। आपने हमारा जो भी लिया है, हमें लौटाइए- चाहे वे हमारी हड्डियां, हमारी खोपड़ियां, हमारे बच्चे और हमारे लोग ही क्यों न हों। आपने हमारी धरती तबाह कर दी। हमारे साथ संधि कीजिए। हमें संधि चाहिए। ब्रिटिश उपनिवेशवादियों और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों (आदिवासियों) के बीच आज तक कोई संधि नहीं हुई। चार्ल्स ने तुरंत ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से दबी आवाज में कुछ बातचीत की और सुरक्षा अधिकारियों ने थोर्पे को उनके करीब जाने से रोक दिया।सभागार से बाहर थोर्पे ने चिल्लाते हुए कहा, यह आपकी (चार्ल्स) जमीन नहीं है। आप मेरे राजा नहीं हैं। थोर्पे को उनके कई चर्चित विरोध प्रदर्शनों के लिए जाना जाता है।जब 2022 में थोर्पे को सांसद पद की शपथ दिलाई गई थी तब उन्हें तत्कालीन महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को उपनिवेशवादी कहने की अनुमति नहीं मिली थी।अल्बानीज चाहते हैं कि देश एक गणतंत्र बने और उसका राष्ट्राध्यक्ष कोई ऑस्ट्रेलियाई हो। उन्होंने चार्ल्स का स्वागत करते हुए अपने भाषण में इस मुद्दे का अप्रत्यक्ष रूप से संदर्भ दिया। उन्होंने कहा, आपने (चार्ल्स) ऑस्ट्रेलियाई लोगों के प्रति बहुत सम्मान दिखाया है। यहां तक कि उस समय भी जब हमने अपनी संवैधानिक व्यवस्थाओं के भविष्य और राजा के साथ अपने संबंधों को लेकर बहस की थी। प्रधानमंत्री ने कहा, कुछ भी स्थिर नहीं रहता।

महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला ने ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

कैनबरा> महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित किया और अपने शुभचिंतकों से मुलाकात की। चार्ल्स (75) कैंसर का इलाज करवा रहे है, जिसके कारण उनकी यात्रा का कार्यक्रम छोटा कर दिया गया है। यह चार्ल्स की ऑस्ट्रेलिया की 17वी यात्रा है और 2022 में ब्रिटेन का महाराजा बनने के बाद से उनकी पहली यात्रा है। चार्ल्स और कैमिला ने अपने आगमन के अगले दिन आराम किया और रविवार को सिडनी में चर्च सेवा में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद वे कैनबरा के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने अज्ञात ऑस्ट्रेलियाई सैनिक के स्मारक का दौरा किया। फिर उन्होंने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज द्वारा संसद भवन में आयोजित एक स्वागत समारोह में भाग लिया। दंपति ने युद्ध स्मारक से निकलकर सैकड़ों लोगों का अभिवादन किया। स्वागत समारोह में सभी छह ऑस्ट्रेलियाई राज्यों के सरकारी नेताओं ने भाग नहीं लिया।

इंडोनेशिया के नवनियुक्त राष्ट्रपति सुबियांतो ने 1966 के बाद के सबसे बड़े मंत्रिमंडल की घोषणा की

जकार्ता। इंडोनेशिया के नवनियुक्त राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने रविवार देर रात, 1966 के बाद देश के सबसे बड़े मंत्रिमंडल की घोषणा की और मजबूत सरकार का संकल्प जताया। नए राष्ट्रपति के मंत्रिमंडल में 109 सदस्य हैं। उन्होंने इंडोनेशिया के झंडे के रंगों का संदर्भ देते हुए अपने कैबिनेट मंत्रियों, उपमंत्रियों और राष्ट्रीय एजेंसियों के प्रमुखों को रेड एंड व्हाइट कैबिनेट नाम दिया। सुबियांतो रविवार को दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के आठवें राष्ट्रपति बने। पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो के मंत्रिमंडल में 34 मंत्री और सरकारी एजेंसियों के प्रमुख थे। सुबियांतो का मंत्रिमंडल 1966 के बाद सबसे बड़ा मंत्रिमंडल है। 1966 में इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो ने, 1965 के असफल तख्तापलट के बाद अत्यंत तनावपूर्ण राजनीतिक स्थिति में 132 मंत्रियों का भारी-भरकम मंत्रिमंडल गठित किया था। उनके तथाकथित द्विकोरा कैबिनेट 2 को एक महीने बाद ही बर्खास्त कर दिया गया था। सुबियांतो ने पहले कहा था कि उन्हें एक मजबूत प्रशासन की जरूरत है, हालांकि विश्लेषकों का कहना है कि उनका बड़ा मंत्रिमंडल नौकरशाही को बढ़ावा देगा पिछले हफ्ते अपने आवास पर साक्षात्कार के लिए 100 से ज्यादा लोगों को आमंत्रित करने से पहले सुबियांतो ने कहा था, मैं एक मजबूत सरकार बनाना चाहता हूं जो हमारे बहुसांस्कृतिक समाज और विविध राजनीतिक हितों को एकजुट करेगी। उन्होंने कहा, यह एक बड़ा गठबंधन होगा, और कुछ लोग कहेंगे कि मेरा मंत्रिमंडल विशाल है। मंत्रिमंडल में सात दलों के गठबंधन के नेता शामिल हैं, जिन्होंने फरवरी के चुनाव में सुबियांतो की जीत का समर्थन किया था। विडोडो के मंत्रिमंडल से संबद्ध लोग भी इनमें शामिल हैं क्योंकि सुबियांतो ने उन्हें अपने पद पर बने रहने के लिए पुन: नियुक्त किया है। विश्लेषकों का कहना है कि यह कदम चुनाव में विडोडो के मौन समर्थन का इनाम है।

वियतनाम ने महीनों की उथल-पुथल के बाद सैन्य जनरल को नया राष्ट्रपति नियुक्त किया

हनोई। वियतनाम ने सोमवार को सैन्य जनरल लुओंग कुओंग को अपना नया राष्ट्रपति चुना। वह 18 महीनों में इस पद पर नियुक्त चौथे अधिकारी हैं। नेशनल असेंबली ने कुओंग (67) को टो लैम की जगह राष्ट्रपति बनाया है। टो लैम अगस्त में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव के रूप में औपचारिक रूप से नियुक्त होने के बाद भी राष्ट्रपति बने रहे। कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव की भूमिका वियतनाम में सबसे शक्तिशाली पद है जबकि राष्ट्रपति पद काफी हद तक औपचारिक है। चार दशकों से अधिक समय तक वियतनाम सेना में सेवा दे चुके कुओंग 2021 से पोलित ब्यूरो के सदस्य हैं। कुओंग की नियुक्ति वियतनाम की राजनीति में महीनों तक चली उथल-पुथल और पूर्व पार्टी महासचिव गुएन फू ट्रोंग के निधन के बाद हुई है जो 2011 से देश के नेतृत्व पद पर थे। सिंगापुर के आईएसईएएस-यूसुफ इशाक इंस्टीट्यूट में वियतनाम अध्ययन कार्यक्रम के विजिटिंग फेलो गुएन खाक गियांग ने कहा कि नए राष्ट्रपति के रूप में कुओंग की नियुक्ति अशांति के दौर के बाद व्यवस्था को स्थिर करने का प्रयास है।

भारतीय अमेरिकी हैरिस को वोट देने से हिचकिचा रहे

**वाशिंगटन। (भाषा) वरिष्ठ भारतीय अमेरिकी नेता स्वदेश चटर्जी ने कहा है कि अमेरिका में रह रहा भारतीय समुदाय पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को वोट देने से हिचकिचा रहा है, क्योंकि सीनेटर या कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के रूप में अपनी पिछली भूमिकाओं में हैरिस ने भारतीय समुदाय के बीच अपना जनाधार विकसित नहीं किया। वर्ष 2001 में पद्म भूषण से सम्मानित भारतीय समुदाय के डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े नेता ने इंडियन अमेरिकन्स फॉर हैरिस नामक समूह बनाया है, जो उपराष्ट्रपति के पक्ष में न सिर्फ कैलिफोर्निया में चुनाव प्रचार कर रहा है बल्कि अन्य राज्यों में भी उपराष्ट्रपति का समर्थन कर रहा है। चटर्जी ने स्वीकार किया है कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय उन्हें भारी मत देने से हिचकिचा रहा है, क्योंकि वे उन्हें अच्छी तरह से नहीं जानते। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के रूप में हैरिस ने भारतीय अमेरिकी समुदाय में अपना जनाधार नहीं बनाया और सीनेटर के रूप में वह समुदाय की किसी भी बैठक या उनके किसी भी कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बनी।उन्होंने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, हालांकि वह भारतीय मूल की है, लेकिन उनके पास उस तरह का जनाधार नहीं है। चटर्जी ने कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए ऐतिहासिक चुनाव प्रचार का अंतिम पखवाड़ा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए हैरिस के सामने आने वाली चुनौतियों पर उनका अवलोकन भारतीय अमेरिकियों से उन्हें और उनकी टीम को मिली जानकारी पर आधारित है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह एक चुनौती हो सकती है। हालांकि वे (हैरिस की चुनाव प्रचार अभियान टीम) इसका समाधान करने की कोशिश कर रहे है। वे अच्छी तरह जानते थे कि एशियाई अमेरिकी और दक्षिण एशियाई समुदाय दोनों में ही कमला हैरिस को लेकर विश्वसनीयता की कमी है। भारतीय-अमेरिकी नेता ने कहा कि समुदाय पूरी तरह बंटा हुआ है। उन्होंने कहा, जो भारतीय अमेरिकी थोड़े समृद्ध है, उन्हें लगता है कि (रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार) डोनाल्ड ट्रंप कर घटाएंगे। साथ ही हिंदू धर्म के बारे में थोड़ा बहुत जानने वाले लोगों को लगता है कि टेक्सास और अहमदाबाद में क्रमशः हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप कार्यक्रमों के कारण अमेरिका-भारत संबंधों के लिए ट्रंप बेहतर होंगे।

तुर्किए के स्व-निर्वासित आध्यात्मिक नेता फ्तेहुल्ला का निधन

सैलोखर्ग (अमेरिका)। तुर्किए में 2016 में तख्तापलट की नाकाम कोशिश के मास्टरमाइंड होने के आरोपों का सामना करने वाले इस्लामी धर्म गुरु फ्तेहुल्ला गुलेन का अमेरिका में स्व निर्वासन में निधन हो गया।अमेरिका में रह रहे धर्मगुरु ने वैश्विक सामाजिक आंदोलन को प्रेरित किया था। गुलेन से संबंधित ट्वीज़ जमां अखबार के पूर्व संपादक अब्दुल्ला बुजकुर्त ने कहा कि उन्होंने गुलेन के भतीजे कमाल गुलेन से बातचीत की है और उन्होंने फ्तेहुल्ला गुलेन के निधन की पुष्टि की है। फ्तेहुल्ला गुलेन की उम्र 83 साल थी और वह लंबे वक्त से बीमार थे। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलू की खबर के मुताबिक, विदेश मंत्री हाकन फिदान ने कहा है कि तुर्किए की खुफिया एजेंसियों ने फ्तेहुल्ला गुलेन के निधन की पुष्टि की है। गुलेन ने अपनी जिंदगी का अंतिम दशक स्व-निर्वासन में बिताया और वह पेंसिल्वेनिया के पोकोनो माउंटेन में रह रहे थे। वह इसी स्थान से तुर्किए और दुनियाभर के अपने लाखों अनुयायियों के संपर्क में रहते थे।

पुतिन ब्रिक्स की मेजबानी से रूस की अहमियत साबित करने के प्रयास में

वाशिंगटन। (एपी) रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन सहित दुनियाभर के कई नेताओं की मेजबानी करेंगे। ए सभी नेता ब्रिक्स समूह के शिखर सम्मेलन के लिए मंगलवार को रूस के शहर कजान में होंगे और इसी के साथ यूक्रेन में जारी युद्ध एवं पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट की वजह से रूस के राष्ट्रपति के अलग-थलग पड़ने की संभावनाएं खारिज हो जाएंगी। विकासशील देशों के समूह ब्रिक्स का उद्देश्य पश्चिमी नेतृत्व वाली वैश्विक व्यवस्था को संतुलित करना है। शुरुआत में इसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे लेकिन इस साल इसका तेजी से विस्तार हुआ। ईरान, मिस्र, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जनवरी में इसमें शामिल हुए। तुर्किए, अजरबैजान और मलेशिया ने इसमें शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आवेदन किया है तथा कई अन्य देशों ने सदस्य बनने की इच्छा व्यक्त की है। रूसी अधिकारी इसे पहले से ही एक बड़ी सफलता के रूप में देख रहे हैं। पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि 32 देशों ने भागीदारी की पुष्टि की है और 20 से अधिक देश इसमें अपने शासन प्रमुखों को भेजेंगे। उशाकोव ने कहा कि पुतिन लगभग 20 द्विपक्षीय बैठकें करेंगे और यह शिखर सम्मेलन रूसी धरती पर अब तक का सबसे बड़ा विदेश नीति कार्यक्रम बन सकता है।विश्लेषकों का कहना है कि पश्चिम के साथ जारी तनाव के बीच इस सम्मेलन के जरिए रूस यह दिखाने की कोशिश करेगा कि वह अपने वैश्विक सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इसके साथ ही वह रूस की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और उसके युद्ध प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ समझौते भी करना चाहेगा। सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य देशों के लिए यह अपनी बात रखने का एक मौका होगा। कार्नेगी रूस यूरेशिया सेंटर के निदेशक अलेक्जेंडर गबुएव ने कहा, ब्रिक्स की खूबसूरती यह है कि यह आप पर बहुत अधिक दायित्व नहीं डालता है। गबुएव ने कहा कि पुतिन के लिए यह शिखर सम्मेलन व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन्हें अलग-थलग करने के पश्चिमी प्रयासों की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन देश और विदेश में यह प्रदर्शित करेगा कि रूस वास्तव में एक अहम खिलाड़ी है जो ऐसे नए समूह का नेतृत्व कर रहा है जो पश्चिमी प्रभुत्व को समाप्त करेगा। गबुएव ने कहा कि रूस, भारत और चीन जैसे अहम देशों के साथ व्यापार बढ़ाने और पश्चिमी प्रतिबंधों को दरकिनार करने के बारे में बात करेगा। उन्होंने कहा कि भारत रूसी वस्तुओं के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। रूस यह भी चाहता है कि अधिक से अधिक देश ऐसी भुगतान प्रणाली परियोजना में शामिल हों जो वैश्विक बैंक मैसेजिंग नेटवर्क स्विफ्ट का विकल्प हो ताकि मॉस्को प्रतिबंधों की चिंता किए बिना अपने भागीदारों के साथ व्यापार कर सके। भारत के पश्चिमी मित्र चाहते हैं कि भारत मॉस्को को युद्ध समाप्त करने के लिए मनाने में अधिक सक्रिय भूमिका निभाए जबकि मोदी ने शांतिपूर्ण समाधान पर जोर देते हुए रूस की निंदा करने से परहेज किया है।

चीन ने रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी शी की मुलाकात के बारे में पूछे गए सवालों को टाल दिया

बीजिंग। (भाषा) चीन के विदेश मंत्रालय ने रूस में इस सप्ताह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच संभावित मुलाकात के बारे में सोमवार को पूछे गए सवालों को टाल दिया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, अगर कोई बात सामने आती है तो हम आपको सूचित करेंगे। रूस के कजान में मंगलवार को शुरू हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी और शी भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कजान यात्रा से पहले विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को नई दिल्ली में कहा कि भारत और चीन के वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने के बारे में एक समझौते पर पहुंच गए हैं। मिसरी द्वारा घोषित समझौते पर बीजिंग से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद भारत और चीन के संबंधों में खटास आ गई थी। इस झड़प को पिछले कई दशक में दोनों देशों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष माना जा रहा है। चीन ने पिछले शुक्रवार को घोषणा की थी कि शी रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जहां वह ग्लोबल साउथ के लिए एकजुटता हासिल करने के वास्ते एक नए युग की शुरुआत को लेकर अन्य पक्षों के साथ मिलकर काम करेंगे। आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों या विकासशील देशों को ग्लोबल साउथ कहा जाता है।

दीपिका ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता, धीरज हारे

भाषा। टिलेक्सकला (मैक्सिको)

भारत की शीर्ष रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी ने विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता। वह फाइनल में चीन की लि जियामैन से 0 .6 से हार गई। दिसंबर 2022 में अपनी बेटी के जन्म के बाद विश्व कप फाइनल में लौटी चार बार की ओलंपियन दीपिका को आठ तीरंदाजों में तीसरी वरीयता मिली थी। सेमीफाइनल तक दीपिका को कोई दिक्कत नहीं हुई लेकिन स्वर्ण पदक के मुकाबले में वह पेरिस ओलंपिक में टीम स्पर्धा का रजत पदक जीतने वाली जियामैन से हार गई। दीपिका नौवीं बार विश्व कप फाइनल खेल रही थी।

भारत के लिए विश्व कप फाइनल में सिर्फ डोला बनर्जी ने स्वर्ण पदक जीता था जब दुबई में 2007 में वह अव्वल रही थी। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मादेवरा 4-2 से आगे रहने के बावजूद पहले दौर में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक से हार गए। पांच सदस्यीय भारतीय दल में तीन कंपाउंड और दो रिकर्व तीरंदाज थे।

भारत की झोली में सिर्फ एक पदक गिरा। सेमीफाइनल में मैक्सिको की अलेजांद्रा वालेंशिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली दीपिका उस लय को कायम नहीं रख सकी। पहला सेट उसने एक अंक से (26-27) गंवाया। दूसरे सेट में वापसी की लेकिन ली ने 30-28 से जीता। तीसरे सेट में ली ने 27-25 से जीत दर्ज की। पुरुषों के रिकर्व वर्ग में धीरज अकेले भारतीय चुनौती पेश कर रहे थे। उन्हें 4.6 (28-28, 29-26, 28-28, 26-30, 28-29) से पराजय झेलनी पड़ी।

टी-20 विश्व कप विजेता न्यूजीलैंड की महिला टीम के बीच पुरस्कार राशि को बांटा जाएगा

एपी। वेलिंगटन

महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराने वाली न्यूजीलैंड व्हाइट फर्न्स क्रिकेट टीम को पुरस्कार राशि में मिली 2.3 मिलियन डॉलर (लगभग 19.33 करोड़ रुपए) को खिलाड़ियों के बीच बांटा जाएगा।

इससे टीम के प्रत्एक सदस्य के हिस्से में लगभग 155,000 डॉलर (1.31 करोड़ रुपए) आएंगे। पिछले कई वर्षों से पुरुष खिलाड़ियों की तरह वित्तीय समानता हासिल करने के लिए वर्षों तक संघर्ष कर रही महिला टीम के सदस्यों के लिए यह बड़ी रकम है। क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप में न्यूजीलैंड की पहली जीत अप्रत्याशित है। टूर्नामेंट के अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराने से पहले व्हाइट फर्न्स ने लगातार 10 टी20 मैच गंवाए थे।

न्यूजीलैंड ने अपने अभियान के दौरान लीग चरण में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया जबकि उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में छह बार की चैम्पियन और खिताब के दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराया था लेकिन फाइनल में यह टीम दबाव में एक बार फिर बिखर गई। न्यूजीलैंड ने फाइनल में पांच विकेट पर 158 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 38 गेंदों पर 43 रन बनाए और फिर 24 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने ब्रूक हैलिडे (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 57 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। कप्तान सूजी बेट्स ने भी 32 रन का योगदान दिया।

फाइनल में 25 रन पर तीन विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की गेंदबाज रोजमेरी माएर ने कहा, इमानदारी से कहूं तो यह अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा, हम बस एक-दूसरे की बहुत परवाह करते हैं। पिछले 18 महीनों में हम कई कठिनाइयों से गुजरे हैं और हम एक-दूसरे के साथ बने रहे और एक-दूसरे के लिए कड़ी मेहनत करते रहे।

घरेलू टेस्ट मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन से मोहम्मद सिराज पर बढ़ा दबाव

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टीम चयन में निरंतरता में विश्वास करते हैं जिससे घरेलू परिस्थितियों में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अंतिम एकादश में जगह बनाए रखने के लिए संघर्ष करना होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा टेस्ट 24 अक्टूबर से पुणे में शुरू होगा। टीम में स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर को शामिल करना एक संकेत है कि कोच गौतम गंभीर और रोहित स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल पिच पर उन्हें खिलाना चाहेंगे।

हैदराबाद के इस 30 साल के गेंदबाज ने अपने 30 टेस्ट के करियर में 80 विकेट लिए है जिसमें से 61 विकेट दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 17 टेस्ट मैचों में आए हैं। भारत में उनके नाम 13 मैचों में 192.2 ओवर की गेंदबाजी में सिर्फ 19 विकेट है। यह आंकड़े बताते है कि सिराज उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाजों इतने कारगर नहीं है। बुमराह और शमी के पास किसी पर पिच और परिस्थितियों में विकेट निकालने की क्षमता है। सिराज भारत में इनमें से चार मैचों में एक भी विकेट लेने में विफल रहे है उनमें से दो मैचों में उन्हें क्रमश 10 और छह ओवर ही गेंदबाजी करने के लिए मिले। ए मुकाबले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल इंदौर और दिल्ली में खेले गए थे। सिराज के लिए सबसे बड़ी निराशा की बात यह है कि वह नई गेंद से विकेट निकालने में विफल रहे हैं जिससे बुमराह पर दबाव काफी बढ़ता जा रहा है। भारत के नई पीढ़ी के गेंदबाजों के साथ काम करने वाले एक गेंदबाजी कोच ने कहा कि सिराज की गेंदबाजी में भारतीय परिस्थिति के लिए तकनीकी खामियां है। उन्होंने गोपनीयता की शर्त पर कहा, आप अगर सिराज के रिकॉर्ड को देखे तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में पारी में पांच विकेट लिए हैं जहां ज्यादा उछाल है। टेस्ट मैचों में गेंद को बल्लेबाज से छह से आठ मीटर की दूरी पर टप्पा खिलाने को टेस्ट मैचों में आदर्श लंबाई मानी जाती है। अलग-अलग देशों में हालांकि उछाल के आधार पर परिस्थितियां अलग होती है।

अपने समय में घरेलू क्रिकेट के शीर्ष गेंदबाजों में शामिल रहे इस खिलाड़ी ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में आदर्श लंबाई आठ मीटर है, इंग्लैंड में यह लगभग छह मीटर है और कम उछाल वाले भारतीय विकेटों पर यह 6.5 मीटर है। आप इसे 6.5 मीटर के आसपास टप्पा खिलाने के साथ गति सही रखते है तो गेंद थोड़ी हरकत करती है और बाहरी किनारा लगने की संभावना रहती है। उन्होंने समझाते हुए कहा, सिराज बल्लेबाज से लगभग आठ मीटर दूर गेंद को टप्पा खिला रहे है और भारत में इस लंबाई के साथ विकेट निकालना मुश्किल है। उन्होंने कहा, भारतीय परिस्थितियों पिच की धीमी गति के कारण आठ मीटर की लंबाई वाली गेंद को परखने के लिए बल्लेबाज के पास अधिक समय होता है।

रणजी ट्रॉफी

दिल्ली ने तमिलनाडु को ग्रुप डी में जीत से रोका

भाषा। नई दिल्ली

सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान की 83 रन की संयमित पारी से दिल्ली ने सोमवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच में तमिलनाडु को जीत दर्ज करने से रोक दिया। दिल्ली ने सुबह पहली पारी आठ विकेट पर 264 रन से शुरू की और बचे हुए दो विकेट महज दो रन जोड़कर गंवा दिए जिससे शतकवीर यश धुल (नाबाद 105 रन) दूसरे छोर पर नाबाद रहे।

फॉलो ऑन खेलते हुए दिल्ली ने शुरू में ही धुल का विकेट गंवा दिया लेकिन सांगवान ने बल्ले से शानदार जज्बा दिखाते हुए 231 गेंद में 12 चौके से अर्धशतकीय पारी खेली। उन्हें कप्तान हिम्मत सिंह (36 रन) और जोंटी सिद्धू (23 रन) से अच्छा सहयोग मिला। दिल्ली ने अंतिम दिन 83 ओवर में आठ विकेट पर 193 रन बनाकर मैच डड्रॉ कराया। भारतीय खिलाड़ी वाशिंगटन सुंदर (45 रन देकर तीन विकेट), सोनू यादव (37 रन देकर दो विकेट) और अजीत राम (52 रन देकर दो विकेट) ने तमिलनाडु के लिए विकेट झटके।

तमिलनाडु को मैच से तीन अंक मिले। गुवाहाटी में चंडीगढ़ ने असम को नौ विकेट से हराकर पूरे अंक हासिल किए। सात विकेट पर 144 रन से आगे खेलते हुए असम की दूसरी पारी 185 रन पर सिमट गई जिससे चंडीगढ़ को जीत के लिए 78 रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने 17.2 ओवर में हासिल कर लिया। उसके लिए मनन वोहरा 51 रन बनाकर नाबाद रहे। ग्रुप डी के एक अन्य मैच में झारखंड और रेलवे के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। झारखंड को पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक मिले। झारखंड ने पहली पारी में 417 रन के जवाब में रेलवे को 414 रन पर समेट कर बढ़त हासिल की। राजकोट में छत्तीसगढ़ और सौराष्ट्र के बीच मैच ड्रॉ रहा जिसमें मेहमान टीम ने तीन अंक हासिल किए। छत्तीसगढ़ ने सात विकेट पर 578 रन पर पहली पारी घोषित की। जवाब में सौराष्ट्र की टीम ने चेतेश्वर पुजारा (234 रन) के दोहरे शतक तथा अर्पित वसावडा (73) और शेल्डन जैक्सन (62) के अर्धशतकों से अंतिम दिन आठ विकेट पर 478 रन बनाए। पुजारा ने 75 रन से आगे खेलते हुए अपनी पारी के दौरान 25 चौके और एक छक्का जड़ा। छत्तीसगढ़ के लिए शशांक सिंह ने 43 रन देकर तीन विकेट झटके।

भारतीय टीम विश्व ब्रिज खेलों में पेश करेगी मजबूत चुनौती

भाषा। नई दिल्ली

विनय देसाई के नेतृत्व में मजबूत भारतीय दल 22 अक्टूबर से तीन नवंबर तक ब्यूनस आयर्स में होने वाले 16वें विश्व ब्रिज खेलों की सभी चार श्रेणियों में चुनौती पेश करने के लिए तैयार है। भारतीय दल में 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रणव बर्धन (सीनियर वर्ग), राजू तालानी और जैग्गी शिवदासानी (ओपन वर्ग) जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल है। इस प्रतियोगिता के ओपन वर्ग में 34 जबकि महिला वर्ग में 24 देश प्रतिस्पर्धा करेंगे। टूर्नामेंट के पहले चरण में राउंड रोबिन मुकाबले होंगे। इससे क्वालीफाई करने वाली टीमें अंतिम 16 के नॉकआउट चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रतियोगिताएं ओपन, वरिष्ठ, महिला और मिश्रित श्रेणियों में आयोजित की जाएंगी। डब्ल्यूबीएफ (विश्व ब्रिज महासंघ) के अध्यक्ष जान कामरास ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, डब्ल्यूबीएफ यह सुनिश्चित करने के लिए कई नए उपाय कर रहा है कि सभी प्रतिभागियों हमारे आदर्श वाक्य बुरे व्यवहार के लिए शून्य सहनशीलता का सम्मान किया जाए।

भारतीय टीम:-

ओपन वर्ग:- संजीत डे, अजय खरे, बिनोद कुमार साव, जैग्गी शिवदासानी, संदीप ठाकरन, राजू तोलानी, विनय देसाई (कप्तान)।

सीनियर वर्ग:- अरुण बीपर, प्रणव कुमार बर्धन, बादल चंद्र दास, रबी गोयनका, कमल कृष्ण मुखर्जी, विवस जे, गिरीश ओड (कप्तान)।

महिला वर्ग:- पूजा बत्रा, देवी मुथु भटनागर, भारती डे, अलका जैन, अलका क्षीरसागर, आशा शर्मा, अनल शाह (कप्तान)।

मिश्रित वर्ग:- हिमानी खंडेलवाल, राजीव खंडेलवाल, बिंदिया कोहली, किरण नादर, थोंडिकुलम वेंकटरमण रमानी, बच्चीराजू सत्यनारायण, विनय देसदाई (कप्तान)।

अब कोई दर्द नहीं है, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दावा मजबूत करने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने की जरूरत

भाषा। गुरुग्राम

भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सोमवार को कहा कि उन्हें अब जरा भी दर्द महसूस नहीं हो रहा है और अगले महीने शुरू होने वाले आस्ट्रेलिया के दौरे के चयन के लिए अपना दावा मजबूत करने के लिए उन्हें कम से कम एक या दो घरेलू मुकाबले खेलकर फिटनेस साबित करनी होगी।

शमी पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से नहीं खेले हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में समाप्त हुए भारत के शुरूआती टेस्ट के बाद नेट पर गेंदबाजी की। हालांकि कुछ दिन पहले कप्तान रोहित शर्मा ने खुलासा किया था कि उनके घुटने में सूजन है जिससे पिछले साल लगी टखने की चोट से उबरने के लिए चल रहा उनका रिहैबिलिटेशन प्रभावित हुआ। यूजेनिक्स हेयर साइंसेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान इस 34 साल के गेंदबाज ने अपनी क्रिकेट यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने कल जिस तरह गेंदबाजी की, उससे मैं खुश हूं। मैं इससे पहले आधे रन-अप से गेंदबाजी कर रहा था क्योंकि मैं ज्यादा दबाव नहीं लेना चाहता था। लेकिन कल मैंने पूरे रन-अप से गेंदबाजी की।

शमी ने कहा, मुझे अब कोई दर्द नहीं है। हर कोई लंबे समय से सोच रहा है कि मैं ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के लिए जा पाऊंगा या नहीं लेकिन अभी इसमें थोड़ा समय है। पर्थ में 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारत के दो हफ्ते पहले जाने की उम्मीद है जिससे शमी के पास बंगाल के लिए दो रणजी मैच में खेलने का काफी समय है। बंगाल 26 अक्टूबर से घरेलू मैदान पर केरल से भिड़ेगा जबकि फिर छह नवंबर से कर्नाटक के खिलाफ मैच खेलने के लिए बेंगलुरू जाएगा।

रेलवे ने इंडियन आइल को हराकर महिला हॉकी खिताब जीता

भाषा। नई दिल्ली

रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) ने इंडियन आइल को 3-1 से हराकर सीनियर महिला अंतर विभाग राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप जीत ली और पिछले साल मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया। मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर खेले गए फाइनल में भारत की कुछ शीर्ष महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। इंडियन आइल के लिए 18वें मिनट में दीपिका ने गोल दागा। रेलवे के लिए भारत की सबसे अनुभवी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने एक मिनट बाद ही गोल दागा। चौथे क्वार्टर में रेलवे की कप्तान नवनीत कौर ने फिर टीम को बढत दिलाई। वहीं भारतीय कप्तान सलीमा टेटे ने विजई गोल दागा। सलीमा को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। इससे पहले केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने भारतीय खेल प्राधिकरण को 3 . 2 से हराकर कांस्य पदक जीता। निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहने पर मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक गया था।

बांग्लादेश 106 रन पर सिमटा

- **ताईजुल के पांच विकेट से अफ्रीका के छह विकेट पर 140 रन**

एपी। मीरपुर (बांग्लादेश)

बाएं हाथ के स्पिनर ताईजुल इस्लाम के 49 रन देकर पांच विकेट की बदौलत बांग्लादेश ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में 106 रन पर सिमटने के बाद स्टंप तक दक्षिण अफ्रीका का स्कोर छह विकेट पर 140 रन कर दिया। ताईजुल इस तरह शाकिब अल हसन के बाद 200 विकेट झटकने वाले बांग्लादेश के दूसरे गेंदबाज बन गए।

खराब रोशनी के कारण दिन का खेल जल्दी समाप्त कर दिया गया। दक्षिण अफ्रीका ने 34 रन की बढ़त बना ली। काइल वेरेयने 18 और वियान मुल्डर 17 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। दोनों सातवें विकेट के लिए अभी तक 32 रन जोड़ चुके हैं। दिन में 16 विकेट गिरे और पिच के खराब होने के संकेत दिख रहे हैं। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांटो ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका के लिए मुल्डर (22 रन देकर तीन विकेट), कागिसो रबाडा (26 रन देकर तीन विकेट) और केशव महाराज (34 रन देकर तीन विकेट) ने मिलकर नौ विकेट झटककर बांग्लादेश की पारी खत्म की। मुल्डर ने अपने पहले तीन ओवरों में तीन विकेट लेकर बांग्लादेश के लिए शुरू में मुश्किल खड़ी की जिससे छठे ओवर तक उसका स्कोर तीन विकेट पर 21 रन हो गया।

रबाडा ने मुशिफकुर रहीम (11) के स्टंप उखाड़कर टेस्ट क्रिकेट में अपना 300वां विकेट झटका। इससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के छठे गेंदबाज बन गए। सलामी बल्लेबाज महमुदुल हसन ने लंच के बाद के सत्र में आउट होने से पहले 97 गेंद में 30 रन बनाए और टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ताईजुल ने अंत में 16 रन बनाकर बांग्लादेश को 100 रन पार कराए।

फिर दक्षिण अफ्रीका की पारी के दौरान कार्यवाहक कप्तान ऐडन मार्क्रम को हसन महमूद ने आउट किया जिसके बाद ताईजुल ने मध्यक्रम को ध्वस्त किया। ट्रिस्टन स्टब्स (23 रन) और टोनी डि जोर्जी (30) ने दूसरे विकेट के लिए 44 रन जोड़े।

चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला नहीं खेल पाएंगे जोस बटलर

एपी। लंदन

इंग्लैंड के सीमित ओवरों की टीम के कप्तान जोस बटलर चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। बटलर की अनुपस्थिति में अगले सप्ताह से शुरू होने वाली तीन मैच की वनडे श्रृंखला में लियम लिविंगस्टोन टीम की अगुवाई करेंगे। चोटिल होने के कारण बटलर पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए थे। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ नौ नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में वापसी कर सकते हैं।

बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने से विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई : साक्षी

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई क्योंकि इससे यह अभियान स्वार्थी दिखने लगा।

साक्षी इस विरोध प्रदर्शन के तीन मुख्य पहलवानों में से एक थीं, उन्होंने हाल में रिलीज हुई अपनी किताब विटनेस में इसके अलावा अपने करियर के संघर्षों के बारे में भी लिखा है। उन्होंने इसमें बताया कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी।

इन तीनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख शरण सिंह पर अपने कार्यकाल के दौरान महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगया था और मामला दिल्ली की अदालत में चल रहा है। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद तदर्थ समिति ने कुश्ती का कामकाज देखना शुरू किया जिसने बजरंग और विनेश को 2023 एशियाई खेलों के ट्रायल्स में छूट दी लेकिन साक्षी ने अपने साथियों के सुझाव के बावजूद ऐसा नहीं करने का फैसला किया। अंत में साक्षी एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले सकीं लेकिन विनेश खेलों से पहले चोटिल हो गईं और बजरंग पदक जीतने में असफल रहे।

किताब में साक्षी ने अपने करियर के शुरूआती संघर्षों के अलावा पूर्व पहलवान और भाजपा नेता बबीता फोगाट पर अपने स्वार्थ के लिए विरोध प्रदर्शन का फायदा उठाने का आरोप भी लगाया। साक्षी की आत्मकथा के जोनाथन सेल्वाराज सह लेखक हैं। इसमें साक्षी ने हालांकि उन लोगों के नाम का खुलासा नहीं किया जिन्होंने बजरंग और विनेश को प्रभावित किया।

टर्निंग पिच तैयार करने के लिए पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने रावलपिंडी में डेरा डाला

रावलपिंडी। पाकिस्तान के क्रिकेट चयनकर्ता आकिब जावेद, अलीम डार, असद शफीक और अज़हर अली गुरुवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले निर्णायक तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए टर्निंग पिच तैयार करवाने के लिए यहां डेरा डाले हुए हैं। चयनकर्ताओं के एक करीबी सूत्र ने कहा, मैदानकर्मियों को ऐसी पिच तैयार करने का निर्देश दिया गया है जिससे स्पिनरों को भरपूर मदद मिले क्योंकि पाकिस्तान एक बार फिर धीमी गति के गेंदबाजों के सहारे इंग्लैंड को चित करना चाहता है। इंग्लैंड ने तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच पारी और 47 रन से जीता था। पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच में अपने स्पिनरों नोमान अली और साजिद खान की शानदार गेंदबाजी के दम पर 152 रन से जीत हासिल की थी।

मुंबई ने महाराष्ट्र को नौ विकेट से हराया

भाषा। मुंबई

- **बड़ौदा ने सेना को 65 रन से मात दी**

पहले मैच में बड़ौदा से मिली करारी हार से उबरते हुए गत चैम्पियन मुंबई महाराष्ट्र को रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के दूसरे मैच में नौ विकेट से हराकर अपने अभियान को ढें पर लाया। जीत के लिए 74 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने रविवार को बिना किसी नुकसान के 13 रन बना लिए थे। आयुष म्हात्रे (15) के आउट होने से उसे बोनस अंक नहीं मिल सका।

पृथ्वी साव (36 गेंद में 39 रन) और हार्दिक तामोर (26 गेंद में 21 नाबाद) ने 13 . 3 ओवर में टीम को जीत तक पहुंचाया। पहले मैच में 42 बार की चैम्पियन मुंबई की टीम को बड़ौदा ने 84 रन से हराया था। मुंबई ने महाराष्ट्र को पहली पारी में 126 रन पर आउट करने के बाद 17 वर्ष के म्हात्रे के 176 रन और श्रेयस अय्यर के 142 रन की मदद से 441 रन बनाए। महाराष्ट्र ने दूसरी पारी में 388 रन बनाए लेकिन वह नाकाफी थे। शिलांग में त्रिपुरा ने मेघालय को एक पारी और 17 रन से हराया। त्रिपुरा के आठ विकेट पर 377 रन के जवाब में मेघालय ने 222 और 138 रन बनाए। दिल्ली में युवा ऑफ स्पिनर महेश पिथिया के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 169 रन देकर नौ विकेट (दूसरी पारी में छह विकेट) से बड़ौदा ने सेना पर 65 रन से जीत दर्ज की।

सेना की टीम 341 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए 275 रन प सिमट गई। पिथिया को 19 साल के तेज गेंदबाज राज लिम्बानी (47 रन देकर तीन विकेट) का पूरा साथ मिला। सेना के लिए अर्जुन शर्मा नाबाद 79 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे जबकि रजत पालिवाल और लवकेश बसंल ने क्रमश: 47 और 39 रन बनाए।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001